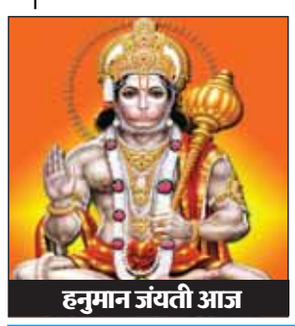
हनुमान जंयती आज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस

हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समूह

मध्यप्रदेश राजस्थान हरियाणा छत्तीसगढ़ महाराष्ट्र से प्रकाशित

डाक पंजीयन क्रं. 173/15-17 | 5 हनुमान जंयती आज | सम्पादकीय | बेलगाम हथियार | धर्मशाला में होगा देश का पहला एसआईएस | 5

वर्ष 18 ● अंक 100 ई-पेपर के लिए लॉगइन करें -www.hindustanexpress.online | ग्वालियर, मंगलवार 23 अप्रैल 2024 | email - hindustanexpressbhopal@Gmail.com | मूल्य 2.00 रुपया, पृष्ठ 8

पीएम ने कहा-ये सत्ता में आए तो लोगों के घर, गाड़ियां सोना कब्जे में लेकर बांट देंगे

आर.एन.एस.

अलीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अलीगढ़ में जनसभा की। उन्होंने कहा, पिछली बार जब अलीगढ़ आया था, तब अनुरोध किया था कि सपा और कांग्रेस के परिवारवाद, भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की फैक्ट्री में अलीगढ़ का ताला लगा दीजिए। आपने ऐसा मजबूत ताला लगाया कि दोनों शहजादों को आज तक इसकी चाबी नहीं मिल रही।

पीएम ने कहा, इंडी गठबंधन की नजर आपकी संपत्ति पर है। नौकरी-पेशा वाले लोगों ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए जो एफडी करवाई है, वे लोग उसकी भी जांच कराने की बात कर रहे हैं। कांग्रेस इसका सर्वे कराएगी। फिर सरकार के नाम पर कब्जा करेगी। यह आपकी संपत्ति को छीनकर बांटने की बात कर रही है। कांग्रेस यहां तक जाएगी कि आपके गांव में पैतृक घर है, तो यह लोग उसे दो घर बताकर छीन लेंगे। कांग्रेस के लोग कहेंगे कि आपके पास गांव में तो एक घर पहले से ही है। इनकी यह सोच माओवादियों और कम्युनिस्टो की है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन इसे भारत में लागू करना चाहती है। आपकी संपत्ति पर कांग्रेस अपना पंजा मारना चाहती है। आपका स्त्री धन लूटना चाहती है। माताओं-बहनों का मंगलसूत्र अब सलामत नहीं रहेगा। यही कांग्रेस ने कहा है। इन परिवारवादी लोगों ने देश को लूटकर अपना इतना साम्राज्य बना लिया है कि देश को कुछ नहीं दिया है। अब इनकी नजर देश के लोगों की संपत्ति पर है। जनता के धन को लूटना, देश को लूटना ही कांग्रेस अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझती है। अलीगढ़ लोकसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी सतीश गौतम और हाथरस से अनूप वाल्मीकि के समर्थन में पीएम मोदी ने 42 मिनट तक सभा को संबोधित किया। मोदी ने मंच से 'राधे-राधे' से संबोधन की शुरुआत की और बोलने के लिए जनता से इजाजत मांगी।

केन्द्र में पुनः मोदी सरकार बनने पर और तेजी से होंगे विकास कार्यः डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर में जनसभा एवं उज्जैन में रोड शो व जनसभाओं को संबोधित कर संभागीय मीडिया सेंटर का किया उदघाटन

शाजापुर, उज्जैन। कांग्रेस पार्टी एक के बाद एक पाप किए जा रही है। पहले इन्होंने आजादी के बाद हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा कराने का पाप किया। इसके बाद 70 सालों तक देश पर राज किया, लेकिन हमारे आराध्य भगवान श्रीराम का मंदिर नहीं बनवाने का पाप किया। मंदिर के नाम पर देश के हिन्दू-मुसलमानों को लड़ाने का पाप किया। मंदिर बन गया, लेकिन अब तक कांग्रेस के लोग भगवान श्रीराम के दर्शन करने तक नहीं गए। अब ये हमारी सनातन संस्कृति और भगवा पर आपत्ति उठाने का पाप भी कर रहे हैं। कांग्रेस के पापों का घड़ा भरा गया है। अब हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अपने सांस्कृतिक अनुष्ठान का महायज्ञ प्रारंभ किया है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। मुख्यमंत्री ने देवास लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी महेंद्र सोलंकी एवं उज्जैन लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी अनिल फिरोजिया की नामांकन रैली में शामिल होकर जनसभाओं को संबोधित किया।

विरोधी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की मानसिकता हमेशा से देशविरोधी रही है। यदि ये देशहित में सोचते तो जो काम हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किए हैं, वे ये पहले कर देते, लेकिन ये देश की जनता को सिर्फ वोट बैंक समझते रहे और हमेशा से अंग्रेजों की नीति अपनाते हुए फूट डालकर शासन करते रहे। हिन्दु-मुसलमानों को लड़ाते रहे। अब कांग्रेस माफी मांगे कि इन्होंने भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण को लेकर अड़ंगे क्यों लगाए? अयोध्या में मंदिर निर्माण के बाद भगवान श्रीराम का 22 जनवरी को गर्भगृह में प्रवेश हो गया, लेकिन अब तक राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी सहित इनके नेता दर्शन करने नहीं पहुंचे। इनके एक नेता मिस्टर बंटाढार तो आतंकवादियों को भी जी कहकर संबोधित करते हैं। वे पता नहीं रात-दिन क्या-क्या बोलते रहते हैं। कांग्रेसियों की ये मानसिकता बताती है कि ये हमेशा से देशविरोधी रहे हैं।

अब कहते फिर रहे हैं गरीबी दूर कर देंगे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने देश में लंबे समय तक राज किया एवं सरकार चलाई। हमेशा नारा देते रहे कि देश से गरीबी को दूर करेंगे, लेकिन वे गरीबी तो दूर नहीं कर सके अब तो हमारे देश की जनता ने ही उन्हें दूर कर दिया है। अब बेशर्मी से कहते हैं कि सरकार बनाओ, एक झटके में गरीबी दूर कर देंगे। कांग्रेस के झंडाबरदार जिनको लोग पप्पू जी कहते हैं और भी पता नहीं क्या-क्या नाम देते हैं।

वे भी पदयात्रा करने निकले और बेशर्मी के साथ बोलते फिरे कि हमारी सरकार बनाओ एक झटके में गरीबी दूर कर देंगे। वे कहते हैं कि घर-घर से गरीबी दूर कर देंगे। गांधी परिवार ने 55 साल से अधिक समय तक सरकार चलाई और हमेशा नारा देते रहे कि देश से गरीबी दूर कर देंगे, लेकिन वे गरीबी दूर नहीं कर सके। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों ने कांग्रेस की सरकार धराशायी की थी, तब कांग्रेस की सीटें 115 रह गई। दूसरी बार 2019 में केवल एक बस (52 सीटर) की सवारी रह गई। इस बार तो इनकी टैम्पों की सवारी रह जाएगी।

रक्षामंत्री ने कहा- पश्चिम बंगाल में सीएए लागू होने से कोई नहीं रोक सकता

आर.एन.एस.

मालदा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा अपने वादों को पूरा करती है और कहा कि पश्चिम बंगाल में सीएए के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम 2019 किसी की नागरिकता छीनने के लिए नहीं है, बल्कि धार्मिक आधार पर पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से विस्थापित लोगों को भारतीय नागरिकता देने का कानून है।

मालदा उत्तर निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार खगेन मुर्मू के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ÷कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस या वामपंथी दल चुनाव के दौरान ऐसे वादे करते हैं जो पूरे नहीं होते हैं, लेकिन भाजपा अपने वादों को पूरा करती है।÷ उन्होंने जोर देकर कहा कि शेष भारत के साथ-साथ पश्चिम बंगाल में भी सीएए के कार्यान्वयन को कोई नहीं रोक सकता। सिंह ने कहा, ममता दीदी कहती हैं कि वह अपने राज्य में सीएए की अनुमति नहीं देंगी। वह पश्चिम बंगाल के लोगों को धोखा देने की कोशिश क्यों कर रही हैं। केंद्र ने 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से बिना दस्तावेज वाले गैर-मुस्लिम प्रवासियों के लिए तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए संसद द्वारा कानून पारित किए जाने के चार साल बाद मार्च में सीएए लागू किया था और नियमों को अधिसूचित किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सभी वर्गों को साथ लेकर चल रहे हैं: ज्योतिरादित्य सिंधिया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

गुना। अपने चुनावी संग्राम में केंद्रीय मंत्री और गुना क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी ज्योतिरादित्य सिंधिया बीती रात को अशोकनगर पहुंचे हैं और जहां उन्होंने पिछले 12 घंटे में कांग्रेस को 2-2 झटके देकर करीब 10 कांग्रेसियों को भाजपा में सदस्यता दिलवाई, वहीं आज सुबह से वह लगातार जन सभाएं कर रहे हैं।

आज अपने दिन की पहली सभा में उन्होंने तुमेन की जनता को संबोधित किया। संबोधन के दौरान उन्होंने क्षेत्र में विपदा के समय में किए गए कार्यों के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे जब मार्च 2024 में ओलावृष्टि हुई थी तो अशोकनगर के करीब 28 गांव और उनके अनेक किसान प्रभावित हुए थे। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मदद से हमने 48 घंटे के रिकॉर्ड टाइम में सर्वे पूरा करवा के राहत राशि किसानों तक पहुंचा दी।

आपको बता दें की ओलावृष्टि के समय में ज्योतिरादित्य सिंधिया ने स्थिति को देखते हुए तुरंत प्रशासन और शासन की मदद से सर्वे करवाया था और स्वयं किसानों से मिलकर उन्हें राहत राशि दी थी।

अपने संबोधन में इसके बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चलाई जा रही योजनाओं के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा की जिन माताओं और बहनों के बारे में किसी ने नहीं सोचा, उनके बारे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोचा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का सपना मोदी जी ने पूरा किया। 3 करोड़ लोगों को आवास मिल है, 10 करोड़ महिलाओं को उज्जवला योजना का लाभ मिल रहा है। आज गरीब के पास आयुष्मान योजना के तहत रु. 5 लाख रुपए की मोदी की गारंटी मिलती है, और इसीलिए गारंटी है तो मोदी की गारंटी है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस को फिर दिया झटका

गुना। लोकसभा क्षेत्र में अपनी पकड़ को और मजबूत करते हुए भाजपा प्रत्याशी और केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कल रात नगर पालिका अध्यक्ष चन्देरी दशरथ संतोष कोली समेत तीन पार्षदों ने सिंधिया के समक्ष भारतीय जानता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इसके साथ ही आज भी छः कांग्रेस नेताओं - देवेंद्र सिंह रघुवंशी (पूर्व जिला महामंत्री कांग्रेस); प्रहलाद सिंह सोनी (पूर्व जिला अध्यक्ष), अमित अग्रवाल (व्यापारी प्रकोष्ठ युवा नेता), कैलाश नारायण शर्मा (कर्मचारी, कांग्रेस), राजेश नामदेव (पूर्व अध्यक्ष, नामदेव समाज), अशोक बंसल (अग्रवाल समाज सदस्य) ने भी अशोकनगर में मंत्री सिंधिया की उपस्थिति में भाजपा की अध्यक्षता ली।

भाजपा सरकार कटनी के विकास को चार चांद लगाने का कार्य कर रहीः विष्णुदत्त शर्मा

कटनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी भारत को विकसित बनाने के साथ विश्व गुरू बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। देश को विकसित बनाने के लिए नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने आप सभी मतदाता भारतीय जनता पार्टी को वोट दें। नरेन्द्र मोदी जी को ऐतिहासिक बहुमत से तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए आप सभी अधिक से अधिक संख्या में मतदान करें। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कटनी में नुक्कड़ सभा और सिंधी समाज सहित विभिन्न समाज एवं नवमतदाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष ने समाज की बैठकों को संबोधित करने के पश्चात जनसंपर्क भी किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव सामान्य न होकर 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने का चुनाव है। मतदाताओं को यह मालूम होना चाहिए की 2014 से पहले कांग्रेस के कार्यकाल में हर तरफ आतंकी घटनाएं, लूट, भ्रष्टाचार, भय, असुरक्षा का माहौल था। लेकिन 2014 में नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से देश की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं और आतंकवाद का लगभग सफाया हो चुका है।

प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि कटनी एक समय में प्रदेश का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र रहा है। कटनी रेलवे का भी बहुत बड़ा जंक्शन है। कटनी में आने वाले डेढ़ वर्ष में मेडिकल कॉलेज शुरू हो जाएगा। पॉलिटेक्निक में माइनिंग का पाठ्यक्रम शुरू हो चुका है। लॉजिस्टिक हब का कार्य तेजी से चल रहा है। लॉजिस्टिक हब शुरू होते ही कटनी के विकास को चार चांद लग जाएंगे। इंदौर देश का सबसे स्वच्छ शहर है, लेकिन बीते वर्ष जी-20 की बैठक से पहले खजुराहो में एक अभियान चलाकर स्वच्छता का कार्य किया गया। जी-20 की बैठक में शामिल होने वाले विदेशी मेहमानों ने भी माना कि खजुराहो इंदौर से कम स्वच्छ नहीं है। ऐसा जन जागरूकता लाकर किया गया। चुनाव बाद कटनी में इसी तरह का अभियान चलाकर सफाई करना है। इसके अलावा कटनी के समग्र विकास की कार्य योजना तैयार है। आने वाले दिनों में कटनी के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। कटनी के साथ मध्यप्रदेश और देश के विकास के लिए आप सभी नरेन्द्र मोदी जी को तीसरी बार ऐतिहासिक बहुमत से प्रधानमंत्री बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। नवमतदाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा की देश की विपपार्टियां अनर्गल आरोप लगाती रहती हैं। कांग्रेस ने गरीबी हटाने के नाम पर सिर्फ नारा दिया, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के 25 करोड़ लोगों को गरीबी से मुक्ति दिलाई है, जिसमें मध्यप्रदेश के भी करीब 2.5 करोड़ लोग शामिल हैं। कांग्रेस पार्टी ने राम मंदिर निर्माण के लिए कोई कार्य नहीं किया, सिर्फ रोड़े अटकाने का कार्य किया है। कार सेवकों और राम भक्तों पर गोलियां चलवाने वाली समाजवादी पार्टी को कांग्रेस पार्टी समर्थन कर रही है। कांग्रेस ने समूचे बुंदेलखंड को आजादी के बाद मध्यप्रदेश में वर्षों शासन करने के बाद पीने के पानी के लिए तरसा दिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 44 हजार 605 करोड़ की केन-बेतवा लिंक परियोजना की सौगात देकर सिंचाई और पीने के पानी की सौगात दी है। इस परियोजना से खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के साथ संपूर्ण बुंदेलखंड में खुशहाली आएगी। यह बात युवाओं को पता होनी चाहिए। जो पहली बार मतदाता बने हैं, उन्हें कांग्रेस के कारनामे पता नहीं हैं, इसलिए युवाओं को कांग्रेस के काले कारनामे पता होना चाहिए। नवमतदाता मतदान करने से पहले कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल परिवारवादी, भ्रष्टाचार में लिप्त पार्टियों का काला चिट्ठा जरूर पता करें।

सुप्रीम कोर्ट ने 30 हफ्ते की गर्भवती को गर्भपात की इजाजत दी

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता की अर्जी पर कोर्ट का आदेश

आर.एन.एस.

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 14 साल की रेप विक्टिम को करीब 30 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन कराने की इजाजत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार (22 अप्रैल) को मुंबई के लोकमान्य तिलक अस्पताल को तत्काल अबॉर्शन के लिए इंतजाम करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल को इस मामले में अर्जेंट सुनवाई की थी, जिसमें कोर्ट ने लड़की का मेडिकल कराने का आदेश दिया था। आज सुबह 10.30 बजे अस्पताल ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी रिपोर्ट दाखिल की।

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने आदेश सुनाते हुए कहा- हम अबॉर्शन की इजाजत इसलिए दे रहे हैं, क्योंकि यह असाधारण मामला है। हर घंटा विक्टिम के लिए अहम है। बेंच ने कहा- मेडिकल रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि प्रेग्नेंसी जारी रखने से विक्टिम की मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर असर पड़ेगा। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अबॉर्शन कराने में थोड़ा रिस्क तो है, लेकिन प्रेग्नेंसी जारी रखने में और भी बड़ा रिस्क है।

दरअसल, नाबालिग की मां ने पहले बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। 4 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट ने नाबालिग को अबॉर्शन की इजाजत नहीं दी। इसके बाद लड़की की मां ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने 19 अप्रैल को हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए नाबालिग का मेडिकल चेकअप कराने का आदेश दिया था।

सीरिया में अमेरिकी फौज के ठिकानों पर हमले

निनेवेह। इजराइल- ईरान में चल रहे तनाव के बीच रविवार रात सीरिया में अमेरिकी फौज के ठिकानों पर हमले हुए हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक ये हमला इराक से किया गया। इराक की सिक्योरिटी फोर्सेस के मुताबिक अमेरिका के मिलिट्री बेस पर निनेवेह इलाके से 5 रॉकेट दागे गए फिलहाल हमला करने वालों को पकड़ने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हमले का आरोप इराक में ईरान समर्थित समूह कातिब हिजबुल्लाह पर है, जो इराक से अमेरिकी फौज को बाहर करना चाहता है।

हाल ही में इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल सुदानी अमेरिका के दौरे पर गए थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति से मांग की थी कि वो इराक से अपनी फौज को निकाल लें। इराक के मिलिट्री अधिकारियों के मुताबिक, सीरिया से इराक के शहर जुम्मार में एक छोटे ट्रक से रॉकेट लॉन्च किए गए। इस दौरान जिस ट्रक पर रॉकेट लॉन्चर रखा हुआ था ।

सूरत में भाजपा बिना लड़े ही जीती कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन रद्द

8 अन्य प्रत्याशियों ने भी नाम वापस लिया

सूरत। लोकसभा चुनाव में भाजपा का खाता खुल गया है। गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से सोमवार को भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल निर्विरोध चुने गए। दरअसल यहां से कांग्रेस कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी का पर्चा रद्द हो गया था। उनके पर्चे में गवाहों के नाम और हस्ताक्षर में गड़बड़ी थी। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस समेत 10 प्रत्याशी मैदान में थे। रविवार को 7 निर्दलीय कैंडिडेट ने अपना नामांकन वापस ले लिया था। बीएसपी कैंडिडेट प्यारे लाल भारती ही बचे थे, जिन्होंने सोमवार को पर्चा वापस ले लिया। इस तरह मुकेश दलाल निर्विरोध चुने गए।

कांग्रेस बोली- कानूनी लड़ाई लड़ेंगे

गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्ति सिंह गोहिल ने कहा, हमारी लीगल टीम सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। कानूनी टीम इस बात पर विचार कर रही है कि पहले हाईकोर्ट में याचिका दायर की जाए या और फिर सीधे सुप्रीम कोर्ट से गुहार लगाई जाए। मुकेश निर्विरोध निर्वाचित होने वाले बीजेपी के पहले सांसद बने हैं। वहीं, गुजरात के चुनावी इतिहास में भी यह पहला मौका है, जब कोई सांसद बिना चुनाव लड़े ही जीत गया हो। बीजेपी के पूर्व डिप्टी मेयर दिनेश जोधानी ने चुनाव आयोग से शिकायत की थी कि कांग्रेसी कैंडिडेट नीलेश कुंभाणी के पर्चे में प्रस्तावकों के फर्जी हस्ताक्षर करवाए गए हैं। डीईओ सौरभ पारधी ने 21 अप्रैल को इस मामले में स्पष्टीकरण मांगते हुए कुंभाणी को रविवार सुबह 11 बजे तक का समय दिया था। नामांकन पत्र रद्द करने को लेकर रविवार को कलेक्टर और चुनाव अधिकार के समक्ष सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान फॉर्म पर हस्ताक्षर करने वाले चारों प्रस्तावक भी नदारद थे। इसके चलते आखिरकार चुनाव अधिकारी ने नीलेश कुंभाणी का फॉर्म रद्द कर दिया।

लंबित विभागीय कार्यों में गति लाएं: कलेक्टर

समयावधि बैठक में कलेक्टर ने समीक्षा कर दिए निर्देश

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। जिले में शांतिपूर्ण, निर्विघ्न निर्वाचन सम्पन्न होने पर सभी लोगों के सहयोग के लिए कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने आभार ज्ञापित किया है। वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक के पूर्व यह बातें कही।

बैठक में अपर कलेक्टर अमन वैष्णव, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, संयुक्त कलेक्टर शम डी.के. पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ, नगरीय क्षेत्रों के सीएमओ उपस्थित थे।

समयावधि बैठक में कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने संचालित विभागीय कार्यों की समीक्षा करते हुए जन-मन योजना आदि आदर्श ग्राम, विद्युतीकरण, जल जीवन मिशन, स्वनिधि से समृद्धि प्रोफाईल अपडेशन कार्य, डीएमएफ अंतर्गत स्वीकृत प्रगतिरत कार्यों तथा जिले के चारों विकासखण्डों में जनजातीय कार्य विभाग द्वारा लाइब्रेरी भवन के निर्माण कार्य, लेमनग्रास उत्पादन, एनसीएल मद से स्कूलों में प्रसाधन भवन का

निर्माण, मल्टी परपच सेन्टर पीव्हीटीजी हास्टल निर्माण तथा अन्य विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशानिर्देश दिए।

अगले डेढ़ माह विभागीय कार्यों में फोकस करें

कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के प्रथम चरण में अनूपपुर जिले में सम्पन्न मतदान के पश्चात् अब आगामी डेढ़ माह लंबित विभागीय कार्यों को गतिपूर्वक करके कार्यों में प्रगति लाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए। उन्होंने बैठक में लंबित समयावधि पत्रों की समीक्षा करते हुए विभागीय रिव्यु बैठक के पूर्व प्रगति परिलक्षित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने वन विभाग अंतर्गत अर्न्तविभागीय लंबित अनुमति कार्यों को निराकृत करने के निर्देश दिए, जिससे विभागों के कार्य गतिपूर्वक कराए जा सके। उन्होंने जिले के 35 स्थानों में बीएसएनएल के मोबाइल टॉवर स्थापित किए जाने की समीक्षा की। बताया गया कि 5-7 स्थानों में टॉवर की स्थापना हो चुकी है। शेष में कार्य होना है, जिस पर उन्होंने इसकी पूर्णता व मानीटरिंग संबंधी निर्देश अनुविभागीय दण्डाधिकारियों को दिए।

बारिश पूर्व होने वाले महत्वपूर्ण कार्यों के अनुमति प्रस्ताव दें

आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रख ऐसे महत्वपूर्ण कार्य जो समय-सीमा में किए जाने है से संबंधित प्रस्ताव मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से कार्यों की अनुमति के लिए विभाग प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराएं, जिससे कार्यों की अनुमति लेकर वर्षा ऋतु के पूर्व कार्य किया जा सके।

प्रगतिरत कार्यों में गति लाएं

निर्वाचन की आदर्श आचार संहिता के पूर्व से संचालित कार्यों में प्रगति लाने के कलेक्टर ने निर्देश दिए हैं।

बिना अनुमत्य बोरवेल पर करें सख्त कार्यवाही

कलेक्टर ने जल अभावग्रस्त संबंधी जारी आदेश के मुताबिक बिना अनुमति बोरवेल उत्खनन पर सख्ती से कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकता के अनुरूप जल समस्या के निदान हेतु बोरवेल का अतिक्रमण किया जाए।

अनूपपुर कृषि मण्डी को करें व्यवस्थित

जिला मुख्यालय स्थित कृषि उपज मण्डी में लगने वाली दुकानों को व्यवस्थित ढंग से लगाए जाने संबंधी आवश्यक कार्यवाही के निर्देश कलेक्टर ने दिए हैं।

निर्माण कार्यों में वन भूमि की अनुमति के संबंध में अंतर्विभागीय समन्वय बैठक में की गई चर्चा

(ब्यूरो राजेश शिवहरे)

अनूपपुर। वन भूमि में विभिन्न विभागों के निर्माण कार्यों से संबंधित अनुमति प्रकरण के निराकरण के संबंध में अंतर्विभागीय समन्वय बैठक कलेक्टर आशीष वशिष्ठ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में वन मण्डलाधिकारी , जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा, वन विभाग के एसडीओ, रेन्ज ऑफीसर तथा आरईएस, पीडब्ल्यूडी, पीआईयू, पीएमजीएसवाई, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा वर्चुअल माध्यम से जनपद पंचायतों के सीईओ व नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में निर्माण कार्यों में वन भूमि संबंधी अनुमतियों के संबंध में चर्चा कर प्रकरणों के निराकरण के संबंध में प्रक्रियात्मक कार्यवाही किए जाने के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने विभिन्न विभागों के वन भूमि संबंधी अनुमतियों के संबंध में ध्यानाकर्षण किया तथा वन विभाग के अधिकारियों को आगामी टीएल बैठक के पूर्व लंबित प्रकरणों पर कार्यवाही किए जाने के संबंध में कहा गया। उन्होंने निर्माण विभाग के अधिकारियों को वन भूमि संबंधी अनुमति के संबंध में वन मण्डलाधिकारी कार्यालय में उपस्थित होकर प्रकरणों के निराकरण संबंधी कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने वन भूमि अनुमति संबंधी लंबित प्रकरणों के संबंध में जानकारी दी।

सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में दिखेगी प्रार्थना और पुष्पा की बहस

झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले लोग बापोद्रा से बदला लेने की साजिश रच रहे हैं

सोनी सब का 'पुष्पा इम्पॉसिबल' एक दृढ़संकल्पित महिला पुष्पा (करुणा पांडे) की दिल छू लेने वाली कहानी बताता है, जो बिना उम्मीद खोए जीवन की चुनौतियों का सामना करती है।

हालिया एपिसोड्स में, दर्शकों को तनावपूर्ण पल देखने को मिले, जहाँ पुष्पा ने चॉल में पाक्या (रोहन जाधव) को बापोद्रा को नुकसान पहुंचाने से रोकने के लिए बीचबचाव किया।

आगामी एपिसोड्स में, दर्शक घटनाक्रमों में धमाकेदार ट्विस्ट देखेंगे, क्योंकि पाक्या की झुग्गी गिरा दी जाती है, और वह झुग्गी के अपने दोस्तों के साथ, बापोद्रा (जयेश बारभाया) पर हमला करता है। उसकी ही पार्टी ने ध्वस्तीकरण का आदेश दिया था, जिस कारण से पाक्या बापोद्रा को ही इसका दोषी मानता है। वे अंततः बापोद्रा को बुरी तरह पीटते हैं, जिससे उसे अस्पताल में भर्ती कराया जाता है, जहाँ उसकी स्थिति गंभीर है। इस उथल-पुथल के बीच, पुष्पा पाक्या को यह कहकर शांत करने की कोशिश करती है कि वह बापोद्रा के प्रति उसकी नाराज़गी को समझती है, और उससे बापोद्रा को चोट न पहुँचाने का वादा करती है। हालाँकि, बापोद्रा की बेटी प्रार्थना (इंद्राक्षी कांजीलाल) पुष्पा से उसके और पाक्या के बीच हुई बातचीत पर सवाल उठाती है। वह पुष्पा से नाराज़ है, क्योंकि उसने उसके पिता के बजाय पाक्या का भावनात्मक रूप से समर्थन किया, जिससे दोनों के बीच बहस हो जाती है। अत्यधिक तनाव और रिश्तों की परीक्षा के साथ, ड्रामा सामने आता है। पुष्पा की भूमिका निभाने वाली करुणा पांडे ने कहा, ÷पुष्पा ने हमेशा दूसरों की देखभाल करने वाली भूमिका निभाई है। इस स्थिति में भी, उसने पाक्या से गन ले ली, लेकिन गलतफहमी तब पैदा हुई जब गन सबके सामने गिर गई। हालाँकि, पुष्पा द्वारा पाक्या का समर्थन करने से उसका अपनी बहू प्रार्थना के साथ झगड़ा हो जाता है, जबकि उसका इरादा असल में बापोद्रा को बचाना है। पुष्पा के लिए यह मुश्किल भरा समय है, लेकिन वह इससे बाहर आने और अंततः सब कुछ ठीक करने के लिए दृढ़संकल्पित है। पुष्पा इम्पॉसिबल देखते रहें, हर सोमवार से शनिवार रात 9:30 बजे, केवल सोनी सब पर

मतदाता जागरूकता अभियान चलाया

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले के मार्गदर्शन में मुरैना जिले में स्वीप कीगतिविधियांसंचालित की जा रही है। जिसके तहत ज़िला पंचायत द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का कैलेंडर बनाया गया है। उसके अन्तर्गत शासकीय कलापथक दल मुरैना ने सोमवार को सर्वोदय हायर सेकेंडरी स्कूल सुभाष नगर मुरैना में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत मुरैना ग्रामीण में क्विज कार्यक्रम किए गए। वहीं रैली निकाली गई। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से गीत एवं लोकगीत की प्रस्तुति दी गई।

फरार आरोपी गांव में चला रहे गोलियां, फरियादी दहशत में

पीड़ित परिवार ने एसपी को दिया ज्ञापन, गिरफ्तारी की मांग

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नूराबाद क्षेत्र के बिसेंठा गांव में 25 मार्च को हुए हत्याकांड में नामजद फरार आरोपी लालाराम और उत्तम गुर्जर हथियारों से लैस होकर गांव में फायरिंग कर दहशत फैला रहे है, उनके द्वारा पीड़ित परिवार पर राजीनामा का दबाव बनाते हुए धमकियां दीं जा रहीं है।

हत्याकांड पीड़ित मुकेश पुत्र भारत सिंह गुर्जर निवासी बिसेंठा ने यह बात सोमवार को एसपी के नाम दिए ज्ञापन में कही है। मुकेश ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सोमवार को मुरैना पहुंचकर पुलिस कप्तान से फरार आरोपियों को जल्द पकड़ने की गुहार लगाई। ज्ञापन में पीड़ित परिवार की ओर से कहा गया है कि फरार लालाराम और उत्तम गुर्जर खुलेआम गांव में घूम कर दहशत फैला रहे है। भय के कारण पीड़ित परिवार के लोग अपने घरों में छुपने पर मजबूर है। इसलिए दोनों फरार आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए।

हनुमान जयंती' के शुभ अवसर पर, 'श्रीमद रामायण' में बाल हनुमान की शक्ति और भक्ति की ताकत देखें

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न की दिव्य गाथा, 'श्रीमद रामायण' में माता सीता को खोजने के प्रयास तेज़ हो गए हैं, क्योंकि भगवान हनुमान ने अपनी वानर सेना के साथ लंका की ओर कदमताल शुरू कर दिया है। इस सफर के दौरान, वे समुद्र के किनारे पहुंच जाते हैं, और उनकी उम्मीदों का बांध टूटना शुरू हो जाता है क्योंकि सेना के पास समुद्र पार करने का कोई साधन नहीं है। तभी जामवंत भगवान हनुमान के सामने पहुंचते हैं और उन्हें उनके जन्म और उन दिव्य शक्तियों का स्मरण कराते हैं, जिनसे उन्हें लंका में माता सीता को खोजने में मदद मिलेगी।

अंजना और केसरी से जन्मे, भगवान हनुमान के पास अद्वितीय शक्तियां थीं, लेकिन इस कारण से वे काफी नटखट और शरारती भी हो गए। इतना कि एक दिन, अपने दोस्तों के साथ खेलते हुए, उन्हें एक लाल चमकता हुआ गोला दिखाई देता है जिसे वह फल मानते हुए उसे खाने के लिए निकल पड़ते हैं, लेकिन वह वास्तव में सूर्य है। चूंकि अनजाने में ही सही, लेकिन बाल हनुमान ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया था, इसलिए भगवान ब्रह्मा ने हनुमान को श्राप दिया, जिसके कारण भगवान हनुमान अपनी सभी शक्तियों को भूल गए, जो तभी वापस आ सकती थी जब कोई उन्हें उनकी याद दिलाता और उन्हें राम भक्ति का वरदान देता। बाल हनुमान की भूमिका अब्दुल करीम निभाएंगे, जो बच्चे के रूप में भगवान हनुमान की मासूमियत और शरारतों को खूबसूरती से प्रदर्शित करेंगे।

मौजूदा कहानी के बारे में बात करते हुए, भगवान हनुमान का किरदार निभा रहे, निर्भय वाधवा कहते हैं, ÷शो 'श्रीमद रामायण' में, बाल हनुमान की कहानी दिखाया जाना किसी साधारण पल से कही बढ़कर बात है; यह उनकी दिव्यता की गहन अभिव्यक्ति को दिखाता है और क्यों वह भगवान राम के सबसे बड़े भक्त हैं। इस पवित्र कहानी को जानते हुए, हम उनके बचपन के कोमल वर्षों में पहुंच जाते हैं, जहां मासूमियत और असीम शक्तियां एकजुट हो जाती है। उनके इस सफर में, हम न केवल उनकी असाधारण शक्तियों के त्याग को देखते हैं, बल्कि यह भी देखते हैं कि कैसे वह इतने विनम्र बनें और प्रभु श्री राम के प्रति उनकी अटूट भक्ति कैसे जन्मी। यह कहानी बड़ी खूबसूरती से हमें याद दिलाती है कि वास्तविक धैर्य का जन्म केवल शारीरिक कौशल से नहीं बल्कि व्यक्ति की आत्मा की पवित्रता से भी होता है।

23 अप्रैल को रात 9:00 बजे शुरू होने वाला श्रीमद रामायण का 'हनुमान जयंती महा सप्ताह' देखना न भूलें, केवल सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न पर

एक अभ्यर्थी ने लिया नाम वापस, 15 उम्मीदवार मैदान में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत सोमवार, 22 अप्रैल को 1 अभ्यर्थी ने अपनी अभ्यर्थिता वापिस ले ली है।

जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र से श्री मधुराज सिंह तोमर ने अपना नाम वापिस लिया है। नाम वापसी के उपरांत मुरैना-श्योपुर संसदीय क्षेत्र के लिए 15 अभ्यर्थी शेष हैं।

नगरपालिका कर्मचारियों ने रैली निकालकर मतदान के प्रति लोगों को किया जागरूक

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना के निर्देशानुसार जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये स्वीप कार्यक्रम आयोजित किये जा रहें है। इसी को लेकर पोरसा के नगर पालिका कर्मचारी व स्व-सहायता समूह की महिलाओं के साथ नगर पालिका से शुरू हो कर सदर बाजार, अम्बाह रोड, भिंड रोड, अटेर रोड होते हुए रैली निकालकर मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए 07 मई के दिन मतदान करने को लेकर रैली में तख्तियां लेकर मतदान जागरूकता के नारे लगाते हुए चल रहे थे, वहीं मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सीएमओ अवधेश सिंह सेंगर, सब इंजीनियर संजय वर्मा ने कहा कि हमें अपने घर एक आस पास के सभी लोगों को मतदान के प्रति जागरूक करना है। 07 मई को होने वाले मतदान में 18 वर्ष के सभी मतदाताओं को मतदान करना है। हमें किसी भी लालच ओर बहकावे में नहीं आना है, वहीं नगरपालिका कर्मचारी व स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर शहर के मुख्य मुख्य मार्गों सहित शहर के अन्य मुख्य मार्गो से होते हुए मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया, वहीं 07 मई को होने बाले मतदान में ज्यादा से ज्यादा लोगों से मतदान करने की बात कही, वहीं महिला शिक्षिकाओं ने भी बैनर और हाथों में तख्तियां लेकर लोगों को मतदान के प्रति लोगों को जागरूक किया।

आरसीए के पूर्व सचिव सुभाष जोशी, पूर्व आईपीएस रूप सिंह सहित 235 लोग भाजपा में शामिल हुए

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

जयपुर। भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर हुए समारोह में राजनैतिक दलों, सामाजिक संगठनों और सेवानिवृत प्रशासनिक अधिकारियों सहित 235 लोगों ने भाजपा की सदस्यता ली।

समारोह में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व सचिव सुभाष जोशी, डूंगरपुर जिला क्रिकेट संघ के सचिव सुशील जैन, फतेहपुर नगर परिषद की पार्षद ज्योति कटारिया, पूर्व पार्षद पुरुषोत्तम आचार्य और विनोद कटारिया, फिल्म निर्देशक, लेखक और संगीतकार राकेश टेलर ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। जोशी पूर्व में फतेहपुर नगरपालिका के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। वहीं युवा जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष नवीन शर्मा और महासभा की जयपुर जिला अध्यक्ष कंचन जांगिड़ ने समाज के सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। इसके अलावा समारोह में पूर्व प्रत्याशी गंगापुर सिटी सी. एल सैनी, रिटायर्ड आईपीएस भारतीय जनता पार्टी राजस्थान रूप सिंह मीणा, रिटायर्ड एयर कमाडोर अजय सिंघल, शिवराज सिंह, जयपुर शहर लोकसभा में राष्ट्रीय सनातन पार्टी के प्रत्याशी नरेंद्र शर्मा, शिव सिंह पालावत, डीएलबी के रिटायर्ड डिप्टी डायरेक्टर राजेंद्र शर्मा, कांग्रेस नेता रूपेश कांत व्यास, दीपक सिंह नरूका, रवि शर्मा, रिंकू अग्रवाल, चाकसू के पूर्व प्रधान जगदीश नारायण सहित अन्य ने भाजपा का दुपट्टा पहन कर सदस्यता ली। इस दौरान ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी और भाजपा प्रदेश भारतीय जनता पार्टी उपाध्यक्ष नारायण पंचारिया मौजूद थे। ज्वॉइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। आज भाजपा के प्रति देश के सभी वर्गों में एक संतोष और विश्वास का भाव है। पीएम मोदी के अंत्योदय के भाव ने समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन को सरल बनाया है। राजनैतिक दलों और सामाजिक संगठनों से आकर भाजपा की सदस्यता गृहण करने वाले सभी लोगों का भाजपा में स्वागत है।

राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ विश्राम ?

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

हनुमान तेहि परसा कर पुनि कीन्ह प्रनाम।
राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ विश्राम।।

सुंदरकांड का बड़ा ही उत्कृष्ट प्रसंग है, जब हनुमान जी माता सीता का पता लगाने के लिए समुद्र को लांघने के क्रम में हैं। इसी बीच मैनाक पर्वत उनसे विश्राम करने का आग्रह करता है। तब हनुमान जी बड़े ही प्रेम से स्वर्ण के समान दमकते हुए उस मैनाक पर्वत को स्पर्श करते हुए उसके आग्रह का मान रखते हैं। उससे यह कहते हैं कि जब तक मैं प्रभु श्री राम के कार्य को सिद्ध नहीं कर देता तब तक भला विश्राम कैसे कर सकता हूं? इतना कहकर श्री हनुमान जी अपने लक्ष्य की ओर बढ़ जाते हैं। यह प्रसंग पवित्र लक्ष्य प्राप्ति का इतना सुंदर संदेश है, जिसे अपना कर श्रेष्ठ व्यक्तित्व सदैव ही विश्व के सामने आदर्श स्थापित करते रहे हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आचरण भी कुछ ऐसा ही है। मैंने अनेक अवसर पर यह महसूस भी किया है कि जब जब श्री मोदी से पूछा गया कि वे इतना कार्य कैसे कर लेते हैं? कैसे बगैर अवकाश लिए निरंतर देश सेवा करते चले जाते हैं? उन्हें थकावट क्यों नहीं होती और अधिक उत्कृष्ट कार्य करने के लिए क्या उन्हें अतिरिक्त उर्जा संग्रहित करने के लिए विश्राम नहीं करना चाहिए? तब श्री मोदी इसी चौपाई का बखान करते हुए कहते हैं कि

राम काजु कीन्हें बिनु मोहि कहाँ विश्राम ?

यह बात सही भी है कि एक साधारण मनुष्य की अपेक्षा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी बहुत कम विश्राम करते हैं। यह भी दिन के उजाले की तरह सत्य है कि वे अपनी अधिकतम क्षमता के साथ देश सेवा में संलग्न बने रहते हैं। उनकी इस कार्य प्रणाली को देखकर ऐसा लगता है मानो श्री मोदी के अंदर एक तड़प है। तड़प इस बात को लेकर कि हमारे देश को आजाद हुए 75 साल से अधिक हुए। लेकिन महात्मा गांधी ने जो राम राज्य का सपना देखा था, वह हम अभी तक स्थापित नहीं कर पाए। शायद यही वजह है कि जब वह गुजरात के मुख्यमंत्री बने और अब जब वे देश के प्रधानमंत्री हैं, तब उन्हें ऐसा लगता है कि हम पहले ही काफी विलंब कर चुके हैं। देश को रामराज की प्रक्रिया में ढालने के लिए हमें बेहद तेज गति की आवश्यकता है। कारण स्पष्ट है, पूरा विश्व अशांति का टापू बनता चला जा रहा है। वैश्विक स्तर पर एक भी नेता ऐसा दिखाई नहीं देता जो इस अशांति को रोक सके और अपनी पूरी क्षमता के साथ बढ़ती जा रही आपाधापी को नियंत्रित कर पाए। ऐसे में सभी की निगाह अब नरेंद्र मोदी की ओर आशाओं की संभावनाओं के साथ आकर्षित होने लगी है। यह इसलिए दिखाई देता है क्योंकि श्री नरेंद्र मोदी ने भारत देश को ही नहीं अपितु पूरे विश्व को वसुधैव कुटुंबकम के बोध वाक्य में बांधने का साहस दिखाया है और उसे अपने आचार व्यवहार में शामिल कर रखा है।

यह ठीक वैसा ही है जैसे हनुमान जी यह मानते थे कि मुझे हर हाल में माता सीता का पता लगाना ही है। इसके लिए कभी उन्हें राक्षसी प्रवृत्तियों से जूझना है तो कभी पथभ्रष्ट हो चुकी शक्तियों पर आघात भी करना है। इस बात की चिंता किए बगैर कि लोग क्या कहेंगे, वह स्वयं को ब्रह्म पास में बंधवा भी लेते हैं और लंका निवासियों को अपने ऊपर अत्याचार करने का आंशिक अवसर प्रदान करते हैं। ताकि लंका दहन के लिए अपनी पूंछ में आग लगाने के लिए उन्हें प्रेरित किया जा सके और ऐसा हुआ भी। श्री मोदी की ठीक ऐसी ही कार्य प्रणाली है। उनके कई कदम प्रारंभ में अल्प बुद्धि के लोग समझ ही नहीं पाते।

यह तो हम सब जानते ही हैं कि उन्होंने अब ऊंच नीच की दीवारों को ध्वस्त करते हुए जातियों के बंधन को तोड़ कर सनातन को एक सूत्र में बांधने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। ठीक उस तरह जैसे श्री हनुमान जी माता सीता का पता प्राप्त करने में भक्ति और भक्त को एक सूत्र में बांधते चले जाते हैं। वे हनुमान जी ही तो हैं जिन्हें प्रभु श्री राम के बैकुंठ चले जाने के बाद भी पृथ्वी पर श्री राम नाम के प्रभाव को अक्षुण्ण बनाए रखने का दायित्व मिला हुआ है और वे पूरी तन्मयता के साथ अपने दायित्व के निर्वहन में संलग्न बने हुए हैं। कहते हैं जहां भी श्री राम नाम का प्रसंग होता है वहां श्री हनुमान जी की उपस्थिति बनी रहती है। श्री मोदी उन्हीं के पदचिन्हों का अनुसरण करते हुए स्वयं को रामराज की स्थापना का संवाहक बनाए हुए हैं। जैसा कि रामराज में स्थापित था कि वहां कोई भूखा नहीं सोता था, सो श्री मोदी ने देश के 80 करोड़ लोगों के भोजन की निशुल्क व्यवस्था बनाए रखी है। महिलाएं निर्विघ्न धर्म आचरण का पालन कर सकें, इसके लिए उन्हें अलग से आत्मनिर्भर बनाने के अनेक प्रोजेक्ट प्रचलन में हैं। आसुरी प्रवृत्ति के लोगों में दैवीय शक्तियों के प्रति भय बना रहे, इसके लिए देश को रक्षा क्षेत्र में निरंतर आत्मनिर्भर किया जा रहा है। हमने लंका कांड में पढ़ा है, जब श्री राम लक्ष्मण को नाग पास में बांधा गया तब श्री हनुमान जी गरुड़ जी को लेकर आए। जब श्री लक्ष्मण जी को शक्ति लगी तो वे जड़ी बूटियां का पर्वत ही उठा लाए। इन आदर्शों का अनुसरण भी श्री मोदी की कार्यप्रणाली में स्पष्ट दिखाई देता है। जब-जब देश को कोरोना महामारी जैसी आपदाएं ग्रसने को तत्पर होती हैं अथवा विधर्मियों द्वारा सनातन पर प्रहार किए जाते हैं, तब तक श्री मोदी उक्त बीमारियों की काट ढूंढने में सफल रहते हैं। कोरोना महामारी के दौरान युद्ध स्तर पर वैक्सीन निर्माण के क्षेत्र में सफलता हासिल करना एक ऐसा ही उद्यम है। इसके अलावा यह भी कोई छोटी बाद नहीं है कि आजादी के पहले और बात में सनातन धर्म पर आघात होते रहे। श्री राम मंदिर और प्रभु श्री राम को काल्पनिक कहकर देश को शर्मिंदा किया जाता रहा। तब श्री मोदी ने आलोचनाओं की परवाह न करते हुए देश की मूल आत्मा सनातन को एकजुट किया और अदालत का निर्णय आते ही अयोध्या में श्री राम राज्य की स्थापना में निर्णायक कदम बढ़ा दिए। अब वहां प्रभु श्री राम का भव्य मंदिर है, जिसमें उनकी बाल स्वरूप प्रतिमा भक्तों के लिए प्रेरणा स्रोत बनी हुई है। बस यही वह महत्वपूर्ण उपलब्धि है जो हर भारतीय के मन के विश्वास को दृढ़ता प्रदान करती है, कि हां अब सही मायने में रामराज की स्थापना का दौर जोर पकड़ चुका है। लेकिन फिर भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि यह तो अभी ट्रेलर है। आशय स्पष्ट है कि अभी भारतीय गौरव के पुनर्स्थापना का पहला चरण ही प्राप्त हुआ है। अपने देश को विश्व गुरु के पद पर स्थापित करने के लिए एक मजबूत नेतृत्व में लंबी लड़ाई लड़ी जाना अभी बाकी है। और वह मजबूत नेतृत्व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ही हो सकता है, इसमें संदेह नहीं होना चाहिए। आवश्यकता है श्री राम भक्त हनुमान जी की जयंती के पावन अवसर पर हम यह संकल्प लें कि भारत में रामराज की स्थापना का संकल्प लेकर निरंतर आगे बढ़ रहे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम और अधिक ताकत के साथ एकजुट हो कर उन्हें शक्ति प्रदान करें। ताकि यह देश अपने खोए हुए वैभव को पुनः प्राप्त कर सके। सभी देशवासियों को श्री हनुमान जयंती की ढेर सारी शुभकामनाएं।

नकली नोट खपाने आया आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर। बिजौली पुलिस ने नकली नोट खपाने आये एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 3900 रूपये क नकली नोट, 600 रूपये नगद व एक ओप्पो कम्पनी का मोबाइल पुलिस ने जप्त किया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

थाना प्रभारी बिजौली श्रीमती अनुबेनीवाल ने बताया कि जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम बेरजा चितौरा रोड़ पर एक व्यक्ति नकली नोट लेकर बाजार में खपाने के उद्देश्य में खड़ा है। इस सूचना पर पुलिस की एक टीम को मुखबिर के बताये स्थान पर भेजा गया मुखबिर के बताये हुलिये का एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा दिखाई दिया। जिसने पुलिस टीम को अपनी ओर आता देखकर भागने का प्रयास किया, परन्तु पुलिस टीम ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गये संदिग्ध ने पूछताछ में अपना नाम धर्मवीर उर्फ धम्मा राणा पुत्र सतेन्द्र निवासी ग्राम बिजौली बताया। पकड़े गये संदिग्ध की तलाशी लेने पर उसकी पेन्ट की जेब से 100-100 रूपये के 18 नकली नोट एवं 50-50 के 42 नकली नोट जब्त किये गये। साथ ही उसके पास से मिले पर्स में उसका पेन कार्ड, आधार कार्ड एवं 600 रूपये नगद सहित एक ओप्पो कंम्पनी का मोबाइल मिला हैं। पकड़े गये आरोपी से बिजौली पुलिस नकली करेंसी के संबंध में पूछताछ की कर रही है।

नई सड़क पर विशाल भंडारा आज

ग्वालियर। श्री महाबली हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में आज मंगलवार 23 अप्रैल को समूचे शहर के सभी हनुमान मंदिरों में विशेष साज सज्जा और भण्डारे के आयेजन किये जायेंगे। इसी कड़ी में आज 23 अप्रैल को नई सड़क स्थित हरिनिर्मल टाकीज के पास संजय गिफ्ट सेंटर व बालाजी भक्त मंडल के तत्वावधान में सुंदरकांड एवं हवन आदि कर हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। दैनिक हिन्दुस्तान एक्सप्रेस समाचार पत्र समूह के संपादक संजय त्रिपाठी ने बताया कि दोपहर 2 बजे से प्रसादी वितरण भी की जायेगी जिसमे सभी भक्तगण सादर आमंत्रित हैं।

कार वर्कशॉप में आग लगने से 6 गाड़ियां जलकर खाक

- हाईटेंशन लाइन की चिंगारी गिरने से भड़की आग

ग्वालियर। भिंड रोड पर लक्ष्मण पुलिया के पास हाईटेंशन लाइन से चिंगारी गिरने के कारण सोमवार सुबह एक कार वर्कशॉप में भीषण आग लग गई। आगजनी में 6 गाड़ियां खाक हो गईं। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने डेढ़ घंटे में आग पर काबू पाया।

भिंड जिले के मालनपुर के रहने वाले अनिल सिंह गुर्जर पुत्र कमल सिंह गुर्जर का ग्वालियर में लक्ष्मण पुलिया के पास कार गैराज है। वह मालनपुर नगर पंचायत में निर्दलीय पार्षद भी हैं। कार गैराज के ऊपर से हाईटेंशन लाइन गुजरी है। सोमवार सुबह करीब 9 बजे अचानक हाइटेंशन लाइन से चिंगारी निकली। इससे गैराज में रखी कार ने आग पकड़ ली। आग ने पहले दो कार को चपेट में लिया। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड अमले को आगजनी की सूचना दी। जब तक दमकल दस्ता मौके पर पहुंचता, तब तक 6 कारें चपेट में आकर खाक हो चुकी थी। गैराज में 20 से ज्यादा गाड़ियां रखी थीं। दमकल दस्ते ने पहले

आग फैलने से बचाया। वरना अन्य कारें भी चपेट में आ सकती थीं। आग की चपेट में आने से एक्सयूवी, सफारी, अल्टो, विस्टा, होंडा सिटी, मारुति 800 और स्विफ्ट डिजायर जल गईं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

झाड़ियों में छिपी मिली अवैध शराब, तस्कर गिरफ्तार

ग्वालियर। माइनिंग के खिलाफ कार्रवाई करने निकली पुलिस मोबाइल को देखकर एक युवक बाइक छोड़कर भागा तो पुलिस को शंका हुई और उसका पीछा कर पकड़ा तो उससे झाड़ियों में छिपी आधा दर्जन के करीब शराब की पेटी बरामद हुई है। पुलिस ने तस्कर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रशिक्षु आईपीएस व थाना प्रभारी बिजौली अनु बेनीवाल ने बताया कि बीते रोज पुलिस टीम के साथ वह अवैध माइनिंग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए जा रही थी। अभी वह बांगीपुरा के पास पहुंची थी कि तभी एक युवक बाइक सहित खड़ा दिखाई दिया। उसके पास पुलिस मोबाइल रोकी तो युवक बाइक छोड़कर भागने लगा। अचानक युवक को भागते देखकर शंका हुई और पुलिस टीम ने उसका पीछा किया तो युवक खेतों के रास्ते भागने लगा, जिसे पकड़कर पूछताछ की तो उसकी पहचान सतीष कुमार के रूप में हुई। पुलिस ने भागने का कारण पूछा तो युवक ने पुलिस से डरकर भागना बताया।

पकड़ गए आरोपी की कहानी हजम नहीं हुई तो बाइक को निगरानी में लेकर युवक को थाने पहुंचाया और आसपास सर्चिंग की तो करीब पचास फीट की दूरी पर झाड़ियों में छह पेटी शराब जब्त हुई।

प्रेमिका से दुष्कर्म कर कराया तलाक, अब शादी से मुकरा

ग्वालियर। शादी का वादा कर प्रेमी ने विश्वास जीता और उसके बाद दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उसने प्रेमिका का तलाक कराया और तलाक होने के बाद अब अपने वादे से मुकर गया। घटना वर्ष 2023 में हजीरा थाना क्षेत्र के काली माता मंदिर के पास यादव धर्मकांटे की है। इसके बाद वह उसका शोषण करता रहा। धोखे का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

हजीरा थाना क्षेत्र के यादव धर्मकांटा स्थित काली माता मंदिर के पास रहने वाली 24 वर्षीय महिला ने शिकायत की है कि वर्ष 2020 में उसकी शादी हुई थी। शादी के एक साल बाद उसकी दोस्ती थाटीपुर निवासी आशीष गौतम से हुई और उनके बीच दोस्ती हो गई। दोस्ती के बाद वह उसके घर पर आने और जाने लगा। अक्टूबर 2023 को वह घर पर अकेली थी और आशीष उससे मिलने आया था। उसे अकेला देखकर उसने उसके साथ जबरन गलत काम किया और धमकी दी कि अगर मुंह खोला तो वह बदनाम कर देगा। इसी बीच उसके पति से उसकी अनबन हुई और आशीष ने उससे शादी की बात की। आशीष ने शादी की बात की तो पति से तलाक के लिए दस्तावेज लगाए, आशीष ने उससे वादा किया था कि अगर वह पति को छोड़ देगी तो वह उससे शादी कर लेगा। उसकी बातों में आकर उसने तलाक ले लिया और आशीष को तलाक के बारे में बताया तो पहले वह अपने घर पर बात करने की बोलता रहा और फिर उससे शादी करने से इनकार कर दिया। साथ ही धमकी दी कि अगर किसी को कुछ बताया तो वह उसे बदनाम कर देगा। धोखे और शोषण का शिकार पीडिता थाने पहुंची और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उसकी शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

तेज रफ्तार कार पटिया में जा घुसी

ग्वालियर। सिंधिया कन्या विद्यालय की तरफसे मोती महल होकर जा रही तेज रफ्तार कार अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पटिया से जा टकराई और पटिया कार के इंजन में जा घुसी। हादसा काफी भीषण था, लेकिन कार के एयरबेग खुलने से बड़ा हादसा टल गया और कार सवार हादसे का शिकार होने से बच गया। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला। मामले का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और कार को थाने लाने का प्रयास किया, लेकिन कार चलने की स्थिति में नहीं थी। बाद में पुलिस कार को क्रेन की मदद से उठाकर थाने लाई।

प्रसूति गृह से मोबाइल चुराना वाला चोर पकड़ा

ग्वालियर। प्रसूति गृह में चोरी कर फरार हुए चोर को मुरार थाना पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दबोच लिया है। पुलिस ने पकड़े गए चोर को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

राठौर चौक हजीरा निवासी अर्जुन सिंह पुत्र जगदीश ने पुलिस से शिकायत की थी कि उसकी पत्नी को डिलीवरी के लिए मुरार जच्चा खाने में भर्ती कराया था, जहां से उनका मोबाइल चोरी हो गया था। पुलिस ने शिकायत पर वहां लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए तो एक युवक मोबाइल चोरी कर ले जाता कैद हुआ दिखा। पुलिस ने इलाके में सर्चिंग की तो उक्त हुलिए का युवक अस्पताल परिसर में घूमता मिला। जिसे पकडने का प्रयास किया तो युवक भागने लगा और गिर गया। युवक को पकड़कर पूछताछ की तो उसने अपना नाम काशीराम बुनकर निवासी ग्राम मुखारा थाना जतारा जिला टीकमगढ हाल निवासी कंचन अरोरा का मकान गली नं. 1 आजाद नगर मुरार बताया। पुलिस ने पकड़े गए युवक से मोबाइल जब्त कर उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

भाजपा नेता राजा भैया को घर में घुसकर पीटा

ग्वालियर। महाराजपुरा न्यू जनकपुरी में रहने वाले भाजपा ग्रामीण

के सह कोषाध्यक्ष की कुछ युवकों ने घर में घुसकर पिटाई कर दी। पुलिस ने बताया के कार निकालने को लेकर हुए विवाद में भाजपा नेता के साथ मारपीट हुई है। पुलिस ने इस मामले में 3 अज्ञात हमलावरों पर मामला दर्ज किया है। एक आरोपी भी भाजपा से जुड़ा बताया गया है। सीएसपी नागेंद्र सिकरवार ने बताया कि भाजपा ग्रामीण के सह-कोषाध्यक्ष राजा भैया गुर्जर के साथ कुछ लोगों ने घर में घुसकर मारपीट कर डाली। बताया गया है कि राजा भैया की गाड़ी शैलेंद्र गुर्जर चलाता है। बीती रात राजा भैया को लेकर शैलेंद्र घर आ रहा था। उन्हें बीच रास्ते में बलेनो कार खड़ी मिली। शैलेंद्र ने बलेनो सवार से कार साइड करने के लिए कहा। इस पर विवाद हो गया, उस समय विवाद शांत हो गया था। लेकिन कुछ देर बाद शैलेंद्र तोमर और उसके साथी डंडे लेकर राजा भैया के घर में बने ऑफिस में घुस आए और मारपीट शुरू कर दी। स्टाफको बचाने आए राजा भैया से भी मारपीट की और आरोपी भाग निकले। भाजपा नेता राजा भैया ने इस घटना का वीडियो फुटेज पुलिस को उपलब्ध कराया है। वीडियो फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है।

कृषि विश्वविद्यालय में पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण किया

ग्वालियर। कृषि विश्वविद्यालय में शिक्षा को सशक्त बनाने व यूजीसी द्वारा

नैक ग्रेड अर्जित करने हेतु एस.एस.आर. बनाने की तैयारी हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। साथ ही पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में कृषि विश्वविद्यालय परिसर में लगभग 60 पौधों का रोपण किया गया। कुलपति डॉ. अरविन्द कुमार शुक्ला ने जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली क्षति को रेखाकिंत करते हुए कहा कि जिस प्रकार तापमान में दिन प्रतिदिन बदलाव हो रहे हैं उसे हल करने के लिए पेड़ पौधों की संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। कार्यशाला में जीवाजी विश्वविद्यालय से आये तकनीकी विशेषज्ञ प्रो. एस.के. गुप्ता द्वारा नैक यूजीसी का तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. मृदुला बिल्लौरे, निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. वाय.पी. सिंह, निदेशक अनुसंधान सेवायें व निदेशक शिक्षण डॉ. संजय शर्मा, कुलसचिव अनिल सक्सैना आदि उपस्थित थे।

किसी भी प्रतिष्ठान का संचालन लायसेंस के बगैर न हों: कलेक्टर

ग्वालियर। किसी भी प्रतिष्ठान का संचालन विभागीय अनुमति व लायसेंस के बगैर न हो। जिन प्रतिष्ठानों में प्रावधानों का पालन नहीं हो रहा हैं, ऐसे सभी प्रतिष्ठानों को चिन्हित करें और प्रावधानों का पालन एवं विधिवत अनुमति प्राप्त करने के लिए 15 दिन का अवसर दें। इस समयावधि के बाद भी जिन संस्थानों द्वारा यह कार्य नहीं कराया जाए, उन संस्थानों के खिलाफ विधि अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करें। यह आदेश कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने जारी किये हैं।

कलेक्टर ने गर्मी के मौसम में अग्नि दुर्घटनाओं की संभावना को ध्यान में रखकर प्राथमिकता के आधार पर विभागीय स्तर पर दल गठित कर विभिन्न प्रकार के संस्थानों में निर्धारित मापदंडों मसलन फायर सेफ्टी एवं विद्युत सुरक्षा के तय मानकों के अनुरूप निरीक्षण कराने निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इस संबंध में की गई कार्रवाई का पालन प्रतिवेदन 15 दिवस में मांगा है। साथ ही हर माह की 5 तारीख तक नियमित रूप से मासिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं। जिला दण्डाधिकारी श्रीमती चौहान ने आदेश में स्पष्ट किया है कि जमीन की खरीदी-बिक्री से लेकर भवन, दुकानें, फैक्ट्री, मॉल, सिनेमा हॉल, हॉस्पिटल, स्कूल, कोचिंग सेंटर, होटल, लॉज, मैरिज गार्डन, ज्वलनशील सामग्रियों का भण्डारण व विक्रय इत्यादि संस्थान के निर्माण के लिए सभी संबंधित विभागों में नामांतरण, डायवर्सन, भवन निर्माण अनुज्ञा लेना अनिवार्य है। साथ ही विभागीय दिशा-निर्देशन के तहत विद्युत सुरक्षा व फायर सेफ्टी का पुख्ता इंतजाम एवं लायसेंस प्राप्त करने का प्रावधान है। जिला दण्डाधिकारी ने गत 19 अप्रैल को एक मैरिज गार्डन में आग लगने की घटना का जिक्र करते हुए आदेश में उल्लेख किया है कि यदि समय रहते बचाव कार्य नहीं किए गए होते तो जन हानि हो सकती थी। इस प्रकार की घटनाओं से प्रकाश में आया है कि संबंधित भूमि स्वामी द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन न कर अपनी सुविधा के अनुसार निर्माण कराकर मनमाने तरीके से उपयोग किया जाता है।

बजरंग बाल मंडल का तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव आज से

- कल शोभायात्रा निकलेगी तथा 25 को भजन संध्या व विशाल भण्डारे का आयोजन होगा

ग्वालियर। बजरंग बाल मंडल, वैदिक शिक्षा समाज कल्याण एवं पर्यावरण गौसेवा समिति द्वारा तीन दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। 23 अप्रैल को हनुमान प्रकटोत्सव एवं रुद्र अभिषेक, 24 अप्रैल को शोभायात्रा तथा 25 अप्रैल को भजन संध्या, छप्पन भोग, फूल बंगला व विशाल भण्डारे का आयोजन होगा।

सोमवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये अखिल भारतीय संत समिति धर्म समाज पुजारी संघ के प्रदेश महामंत्री महंत गौरव महाराज ने बताया कि हनुमान प्रकटोत्सव के तहत विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगे। इसके तहत जहां 23 अप्रैल मंगलवार को हनुमान प्रकटोत्सव एवं रूद्र अभिषेक तथा बुधवार 24 अप्रैल को सांय 4 बजे से शोभा यात्रा ए का आयोजन किया जायेगा। वहीं गुरूवार 25 अप्रैल को

सांय 6 बजे से सिंगर सुरेश गहलोद उदयपुर एवं संजू पागल हापुड़ के द्वारा मधुर भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा। हनुमान प्रकटोत्सव समारोह का समापन 25 अप्रैल गुरुवार को छप्पन भोग, फूल बंगला व विशाल भण्डारे के साथ होगा। उन्होंने बताया कि श्री बालाजी महाराज का चल समारोह बुधवार सायं 4 बजे से प्रारम्भ होगा जो कि शहर के विभिन्न मार्गों मैना वाली गली बालाजी दरबार से प्रारम्भ होकर इन्द्रगंज चौराहा से दाल बाजार, नया बाजार, लोहिया बाजार से ऊंट पुल, दौलतगंज, महाराज बाडा, सराफा बाजार, डीडवाना ओली, गस्त का ताजिया, राम मन्दिर से गिर्राज जी मंदिर होते हुये मैना वाली गली में संपन्न होगा।

शोभायात्रा में श्री पीठाधीश्वर बाघंमबरी गद्दी लेटे हनुमान मंदिर संगम प्रयागराज के महंत श्री 108 बलबीर गिरी जी महाराज, राष्ट्रीय महांमत्री अखिल भारतीय संत समिति व गंगा महासभा पूज्य दंडी स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती महाराज के साथ ही श्री बालाजी मन्दिर मेंहदीपुर राजस्थान से धीरजपुरी महाराज, ऋषिकेश हरिद्वार से स्वामी आत्मानंद महाराज, लाल टिपारा गौशाला ग्वालियर के स्वामी अच्युतानंद महाराज, श्री दंदरौआ सरकार के श्री 1008 रामदास महाराज, देव प्रकाश गिरी महाराज (बरुआ बाबा) मौजूद रहेंगे। चल समारोह में श्री महादेव आर्ट ग्रुप सिरसा (हरियाणा) की झांकी में 12 फुट के नादिया एवं अघोरी शिव तांडव नृत्य रहेगा। वहीं भोपाल के 21 ढोलों की प्रस्तुति होगी। पत्रकार वार्ता में गोकुल बंसल, धीरज शास्त्री, जेपी शर्मा आदि मौजूद थे।

भारत स्काउट गाइड की मतदाता जागरूकता रैली आज

ग्वालियर। ग्वालियर में शत प्रतिशत मतदान को लेकर भारत स्काउट एवं गाइड द्वारा आज मंगलवार 23 अप्रैल को सुबह 9 बजे से मतदाता जागरूकता रैली निकाली जायेगी। यह रैली भारत स्काउट गाइड पड़ाव डफरिन सराय से शुरू होकर फूलबाग तक पहुंचेगी और फूलबाग से फिर वापस डफरिन सराय तक आयेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी अजय कटियार के आव्हान पर यह रैली भारत स्काउट एवं गाइड के सदस्य निकालेंगे। भारत स्काउट गाइड के सहायक जिला कमिश्नर विनय अग्रवाल, जिला सचिव सुरेन्द्र भदौरिया, डीओसी शंकर सिंह, अजय मिश्रा, प्रताप माहौर, नरेन्द्र पिप्पल, श्रीमती आशा सिंह, संगीता आर्य, एसडी उपाध्याय, सुधीर अग्रवाल, अंकित सिंघल, शैलेन्द्र शर्मा, सुरेश शर्मा आदि ने सभी भारत स्काउट गाइड सदस्यों से रैली में उपस्थिति का आग्रह किया हैं।

अयोध्या में आज सर्वत्र आनंद का वातावरण : उमाशंकर

- राम मंदिर निर्माण से राष्ट्र मंदिर निर्माण विषय पर व्याख्यान आयोजित

ग्वालियर। राष्ट्रोत्थान न्यास द्वारा विवेकानंद सभागार नई सड़क में आयोजित मासिक व्याख्यान में सोमवार को 'राम मंदिर निर्माण से राष्ट्र मंदिर निर्माण' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

व्याख्यान में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष उमाशंकर पचौरी ने कहा कि श्रीराम मंदिर अयोध्या को विदेशी आक्रांताओं द्वारा ध्वस्त करने से पूर्व भीषण संघर्ष में भारतीय समाज ने अपने प्राणों का बलिदान दिया था। बाद में भी यह संघर्ष सतत चलता रहा। मंदिर पुनः बना फिर तोड़ा गया। स्वाधीनता के बाद भारतीय जन मानस का मानना था कि अब देश विभाजन के बाद हमसे छीने गए मंदिरों का

पुनरुद्धार होगा, किंतु एक सोमनाथ मंदिर को छोड़कर शेष कहीं नहीं हुआ तब भारत समाज ने एक बार फिर स्वयं निर्णय लेकर मंदिर के लिए संघर्ष आरंभ किया। इस संघर्ष में सैकड़ों बलिदान के बाद अंततः न्यायालय के निर्णय से प्रभु श्रीराम के मंदिर के निर्माण का मार्ग साफ हुआ। आज अयोध्या में भव्य मंदिर में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो चुकी है सर्वत्र आनंद का वातावरण है।

इससे पूर्व न्यास की गतिविधियों की जानकारी अध्यक्ष विजय गुप्ता द्वारा दी गई। कार्यक्रम का संचालन अधिवक्ता सुधीर शर्मा एवं आभार न्यास के सचिव श्याम प्रजापति ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में ग्वालियर के विभाग संघचालक प्रहलाद सबनानी, न्यास के कोषाध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल, अशोक पाठक, नरेंद्र कुंटे, रामसेवक शर्मा, नरेश त्यागी, बसंत कुँटे, श्रीमती सरोज अग्रवाल सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत

ग्वालियर। ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई है। घटना पुरानी छावनी स्थित रेलवे ट्रैक की है। घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के बाद मामला मर्ग कायम कर लिया है। फिलहाल पत नहीं चला है कि महिला हादसे का शिकार हुई है या फिर उसके साथ कोई घटना घटी है।

पुरानी छावनी थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की तो पता चला कि मृतका की उम्र करीब तीस साल के करीब है और पुलिस ने मृतका की शिनाख्ती के प्रयास किए तो उसकी पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने मृतिका का शव पीएम हाउस पहुंचा कर उसकी शिनाख्ती के प्रयास शुरू कर दिए है। पुलिस का कहना है कि उसकी मौत कैसे हुई है इसका पता पीएम रिपोर्ट से चलेगा।

कक्षा 5 व 8वीं का वार्षिक परीक्षा परिणाम आज

ग्वालियर। राज्य शिक्षा केन्द्र स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित कक्षा 5 व 8वीं का परीक्षा परिणाम आज मंगलवार 23 अप्रैल को दोपहर 11.30 बजे से घोषित किये जायेंगे। जिसमें ग्वालियर के समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विघालयों के साथ-साथ निजी एमपी बोर्ड और मदरसों में पढ़ने वाले लगभग आधा लाख परीक्षार्थियों का वार्षिक परीक्षाफल शामिल है। परीक्षा परिणाम के लिये दोपहर साढ़े बारह बजे से छात्र या अभिभावक समग्र आईडी या रोल नंबर से परीक्षार्थी का परीक्षा परिणाम जान सकेंगे।

जीवायएमसी क्लब में रक्तदान शिविर आयोजित

ग्वालियर। महानगर में मानव सेवा संकल्प के साथ रक्तदान शिविर का आयोजन जीवायएमसी क्लब में किया

गया। इस शिविर में रक्तदाताओं ने 21 यूनिट रक्तदान किया गया। रक्तदान शिविर में भारतीय रेडक्रास सोसायटी ने अपनी सम्पूर्ण टीम के साथ सहयोग प्रदान किया।

इस शिविर में ग्वालियर यंग मेन्स क्लब की ओर से अध्यक्ष जेपी सिंह कुशवाह, उपाध्यक्ष बालकिशन शिवहरे, सचिव रंजीत पंजवानी, सह सचिव ओमप्रकाश शिवहरे, कार्यक्रम संयोजक जगदीश उपाध्याय (कल्ली पंडित), सचिन गुप्ता, हेमंत गुप्ता एवं कावेरी वेलफेयर फाउण्डेशन की ओर से अध्यक्ष श्रीमती हेमलता राव, सचिव पूर्णिमा अग्रवाल, कंचन राव, ऋषि जैन, महेंद्र भदकारिया, डॉ सुरभि भदकारिया आदि मौजूद रहे।

मतदान केन्द्रों और एसएसटी नाके का प्रेक्षक ने किया निरीक्षण

ग्वालियर । भारत निर्वाचन आयोग द्वारा ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में चुनाव पर निगरानी रखने के लिए नियुक्त सामान्य प्रेक्षक कृष्णा आदित्य ने सोमवार को ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के लगभग आधा दर्जन मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। साथ ही बड़ा गाँव क्षेत्र में स्थापित एसएसटी नाके का निरीक्षण कर एसएसटी द्वारा जाँच के लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया व कार्रवाई देखी।

निर्वाचन प्रेक्षक कृष्णा आदित्य ने सोमवार को ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक विद्यालय खुरैरी व शासकीय स्कूल बड़ा गाँव में स्थापित मतदान केन्द्र सहित अन्य मतदान केन्द्र देखे। इसी कड़ी में उन्होंने एसएसटी नाका बड़ा गाँव का निरीक्षण किया और निर्देश दिए कि संदिग्ध वाहनों की बारीकी से जाँच करें। अवैध धनराशि और कोई अन्य ऐसी संदिग्ध वस्तु निकलने न पाए जिससे मतदाताओं को प्रभावित किया जा सकता हो।

ग्वालियर से 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में, दो प्रत्याशियों ने लिए नाम वापस

ग्वालियर । ग्वालियर संसदीय क्षेत्र से 19 प्रत्याशी अपना भाग्य आजमायेंगे। सोमवार 22 अप्रैल को नाम वापसी का आखिरी दिन था। इस दिन कुल दो प्रत्याशियों द्वारा अपनी अभ्यर्थिता वापस ली गई। ग्वालियर संसदीय क्षेत्र में 22 प्रत्याशियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र भरे गए थे। गत 20 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की जाँच के दौरान एक प्रत्याशी का नामांकन निरस्त हो गया था। नाम वापसी के बाद अब 19 प्रत्याशी चुनाव मैदान में शेष बचे हैं। नाम वापसी के बाद कलेक्टर एवं रिटर्निंग अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान द्वारा भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत सभी प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित किए गए।

नेवल कैडेटों ने चलाया पृथ्वी जागरूकता अभियान

ग्वालियर। विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में 3 मप्र नेवल यूनिट एनसीसी ग्वालियर ने शासकीय एमएलबी महाविद्यालय ग्वालियर, विज्ञान महाविद्यालय ग्वालियर एवं आईटीएम यूनिवर्सिटी के 48 कैडेटों द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। कमान अधिकारी कर्नल जीएच मुस्तफा एवं यूनिट

सीआई गौरव चंदेल के मार्गदर्शन में कैडेटों ने पृथ्वी एवं पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर एवं चित्र बनाकर सहभागिता की। साथ ही पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु शपथ ली। सीनियर कैडेट आदित्य तोमर द्वारा पर्यावरण को स्वच्छ रखने हेतु सभी कैडेट्स को प्रेरित किया गया। अभियान में मुख्य रूप से एएनओ विद्या कुशवाह एवं पीआई स्टाफसंदीप उपस्थित रहे।

संपादकीय

बेलगाम हथियार

पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट की इस चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि समारोहों और अपराध में लाइसेंसी हथियारों का खूब इस्तेमाल हो रहा है। तंत्र की लापरवाही से उपजे हालात से खिन्न न्यायाधीश को कहना पड़ा कि पंजाब में लाइसेंसी हथियार जारी करने की कोई गाइड लाइन है? दरअसल, कोर्ट की पहल पर 13 नवंबर, 2022 को पंजाब सरकार द्वारा जारी आदेश में सार्वजनिक स्थानों तथा सोशल मीडिया पर फायर आर्म्स के उपयोग व प्रदर्शन पर रोक लगा दी गई थी। लेकिन इसके बावजूद कई जगहों पर सोशल मीडिया पर हथियारों के प्रदर्शन के मामले प्रकाश में आए थे। इतना ही नहीं शादी-विवाह व निजी कार्यक्रमों में 'हर्ष फायरिंग' के मामले भी अक्सर देखे जाते रहे हैं। निश्चित रूप से आग्नेय हथियारों का अविवेकशील उपयोग कभी भी दुर्घटनाओं को जन्म दे सकता है। वहीं हथियारों के उपयोग में सावधानी न बरते जाने से सार्वजनिक स्थलों में दुर्घटना की गुंजाइश लगातार बनी रहती है। लेकिन कोर्ट के आदेश व सरकार के प्रयासों के बावजूद इन परिस्थितियों पर अंकुश नहीं लग रहा है। जिसके चलते कोर्ट को सख्त टिप्पणी करने को मजबूर होना पड़ा है। इस बाबत हाईकोर्ट ने पंजाब के डीजीपी से सवाल किये कि क्या आर्म्ड लाइसेंस जारी करने मे शस्त्र अधिनियम 1959 के तहत कोई प्रोटोकॉल, दिशा-निर्देश या मानदंड निर्धारित हैं? पिछले पांच वर्ष में कितने आर्म्ड लाइसेंस जारी किये गये हैं? साथ ही स्पष्ट किया जाना चाहिए कि ये हथियार किस मकसद से जारी किये गए हैं?

दरअसल, यह विडंबना ही है कि शासन-प्रशासन के स्तर पर ऐसे गंभीर व संवेदनशील मुद्दों पर पहल होनी चाहिए, उसकी याद हाईकोर्ट को दिलानी पड़ रही है। सत्ताधीश लोकलुभावन राजनीति के चलते समाज के अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज करते हैं। यही वजह है कि हाईकोर्ट को पूछना पड़ा कि 13 नवंबर, 2022 से प्रत्येक जिले में फायर आर्म्स के प्रदर्शन की जांच के लिये कितनी अचानक विजिट की गई? दरअसल, इस मुश्किल वक्त में जब लोग छोटी-छोटी बात पर आवेशित होकर हथियार निकाल लेते हैं, हथियारों का नियमन बेहद संवेदनशील ढंग से किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर हथियारों के लाइसेंस जारी करवाने के खेल में जो बिचौलियों की भूमिका होती है, उसे खत्म करने की दिशा में गंभीर प्रयास किये जाने चाहिए। साथ ही उन विभागीय काली भेड़ों की भी जांच हो जो लेनदेन करके अपात्र व्यक्तियों व संदिग्ध चरित्र के व्यक्तियों को लाइसेंस दिलाने में कामयाब हो जाते हैं। साथ ही सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील सीमावर्ती पंजाब में अवैध हथियारों की बरामदगी के लिये विशेष अभियान चलाया जाना चाहिए। जो समाज व कानून व्यवस्था के लिये बेहद घातक साबित हो रहे हैं। पड़ोसी देश से ड्रोन के जरिये हथियार गिराने के अनेक मामलों के बाद हमें खतरनाक मंसूबों के प्रति सतर्क रहना जरूरी है। इस गंभीर स्थिति की निगरानी के लिये पुलिस व सीमा सुरक्षा बलों को अवैध हथियारों की बरामदगी के लिये सघन अभियान चलाने की जरूरत है।

डबल कमाई पर संतान की सोच रास न आई

पिछले दिनों एक मार्केटिंग फर्म ने सर्वे के दौरान बताया था कि भारत में डिंक यानी डबल इनकम ग्रुप की संख्या हर साल तीस प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। महिलाएं कम बच्चों को जन्म दे रही हैं। भारत में प्रजनन दर भी तेजी से घट रही है। साल 1950 में यह 6.2 थी जो अब घटकर 2 रह गई है। इसका एक बड़ा कारण महिलाओं का घर से निकलना है। फिर परिवार नियोजन के साधनों ने दम्पतियों को यह सुविधा प्रदान की है कि वे माता-पिता बनें या न बनें या कब बनें।

यह पांच साल पहले की बात होगी। एक मित्र जिससे बहुत दिनों बाद बात हो रही थी, उससे घर-परिवार के बारे में भी बातें होने लगीं। होते-होते बात बच्चों और उनके परिवार पर आई, तो मित्र ने कहा कि उसके लड़के और बहू ने फैसला किया है कि वे बच्चे नहीं चाहते। 'ऐसा क्यों' पूछने पर उसने कहा कि वे कहते हैं कि वैसे ही देश की आबादी बहुत है। फिर बच्चे की जिम्मेदारी कौन उठाए। जीवन भर की जिम्मेदारी उठाने से बेहतर है कि कोई जिम्मेदारी न उठाई जाए और बच्चे पैदा न किए जाएं।

कुछ दिन पहले एक बहुत बड़े बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली परिचित लड़की से फोन पर बात हो रही थी। उसकी शादी को बारह साल हो गए मगर उसका कहना है कि उन्हें बच्चा नहीं चाहिए। डिंक इनकम ग्रुप यानी जहां पति-पत्नी दोनों कमाते हैं, वहां ये चलन बढ़ता जा रहा है। ये लोग खुद को चाइल्ड फ्री कहलाना पसंद करते हैं। अपने निर्णय पर इन्हें कोई पछतावा भी नहीं है। इनका मानना है कि बच्चे को पालना एक महंगा सौदा है। वह सही स्कूल में पढ़े, उसका ठीक से विकास हो इस पर भी बहुत परिश्रम करना पड़ता है। कई लोग अपने इस तरह के जीवन को बढ़ा-चढ़ाकर प्रसारित-प्रचारित भी करते हैं।

एक जोड़े ने सोशल मीडिया पर बताया था कि उनके बच्चे नहीं हैं, मगर उन्होंने छह डॉग पाल रखे हैं। वे उनकी देखभाल करते हैं। ये जोड़े अपने पैसे को अपनी जिंदगी की खुशियों पर खर्च करना चाहते हैं। खूब घूमना-फिरना चाहते हैं। जहां मर्जी आए, जब मर्जी हो उस काम को करने की आजादी है। सिर पर यह भार नहीं है कि पीछे से कोई बच्चा इंतजार कर रहा होगा, इसलिए घर लौटना है। ऐसी जिंदगी बहुत तनाव मुक्त होती है और हमेशा आजादी का अहसास कराती है।

ऐसे लोग अपने मन बहलाव के लिए श्वान पालते हैं, बिल्ली पालते हैं। यह लेखिका स्विट्ज़रलैंड में भी एक ऐसी महिला से मिली थी, जो छप्पन साल की थी। मगर उसने बच्चे न पैदा करने का निर्णय लिया था। उसने पांच बिल्लियों को पाल रखा था। वह इन बिल्लियों को डॉक्टर के पास ले जाने से लेकर उन्हें नहलाना-धुलाना, शैंपू करना, उनके बाल कटवाना, यहां तक कि वे अकेला महसूस न करें इसका इंतजाम तक करती थी। शायद यही कारण है कि भारत में बहुत सी कम्पनियां अब अपने-अपने पालतुओं को दफ्तर लाने की अनुमति दे रही हैं। हां, इन्हें लाने से आपके काम में कोई बाधा नहीं पड़नी चाहिए और ये किसी को नुकसान भी न पहुंचाएं।

इन दिनों यह बात भी देखने में आती है कि लड़कियां ज्यादा पैसे कमा रही हैं। इनमें से कइयों का कहना है कि उनके अंदर मां बनने की कोई प्राकृतिक इच्छा नहीं है। एक लड़की जो आये दिन विदेश जाती है, उसका कहना है कि न शादी से पहले व न शादी के बाद वह मां बनना चाहती थी। उसने भी एक डॉगी पाल रखा है लेकिन उसका कहना है कि मैं उसकी मां नहीं हूं। मैं किसी की मां नहीं बनना चाहती। लड़कियां जरूरी तौर पर मां बनें, यह बात अब पुरानी हो चली है।

ये युवा पर्यावरण के बारे में सोचते हैं। संगीत और बहुत से शेरो-शायरी को भी पसंद करते हैं। इनका यह भी कहना है कि वे इसलिए भी बच्चे पैदा नहीं करना बेहतर समझते हैं क्योंकि कोई आनुवंशिक बीमारी उन्हें नहीं सौंपना चाहते। इनमें से अधिकांश यह भी मानते हैं कि वे अपने कामकाज में इतने व्यस्त हैं कि बच्चे पालने का समय ही नहीं है। एक जोड़े ने यह भी बताया कि कोविड के दौरान उन्हें महसूस हुआ कि जिंदगी का कोई भरोसा नहीं। पता नहीं कब तक कौन है। इसके अलावा न नौकरियों का भरोसा है। ऐसे में बच्चे की जिम्मेदारी लेना ठीक नहीं है। इस जोड़े के पास एक कुत्ता और एक बिल्ली है। ये जब भी अपनी कार से लम्बी यात्राएं करते हैं, अपने पालतुओं को साथ ले जाते हैं।

पिछले दिनों एक मार्केटिंग फर्म ने सर्वे के दौरान बताया था कि भारत में डिंक यानी डबल इनकम ग्रुप की संख्या हर साल तीस प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। महिलाएं कम बच्चों को जन्म दे रही हैं। भारत में प्रजनन दर भी तेजी से घट रही है। साल 1950 में यह 6.2 थी जो अब घटकर 2 रह गई है। इसका एक बड़ा कारण महिलाओं का घर से निकलना है। फिर परिवार नियोजन के साधनों ने दम्पतियों को यह सुविधा प्रदान की है कि वे माता-पिता बनें या न बनें या कब बनें। बहुत से ऐसे जोड़े भी हैं जो कहते हैं कि बच्चे को दुनिया में लाकर अगर जिम्मेदारी ही पूरी करनी है तो क्यों न दूसरी जिम्मेदारियां निभाएं, जैसे कि बुजुर्गों की देखभाल करें। दिव्यांगों की मदद करें। पेड़ लगाएं और पर्यावरण को बचाएं। बच्चे नहीं हैं, इस बात का इन्हें गर्व है।

ऊपर जिन लोगों का जिक्र है ऐसे सब लोगों की बातें सुनकर यह लगता है कि शायद इन्हें इस बात का अहसास नहीं है कि नौकरियां हमेशा नहीं रहेंगी। एक दिन ऐसा आएगा कि जब रिटायर्ड जीवन बिताना होगा। शरीर में भी तब तक इतनी ताकत नहीं बचेगी कि रोज कहीं घूमने जा सकें, दोस्तों के साथ पार्टियां कर सकें। यहां तक कि अकेले अपने बल पर अपने पालतुओं की देखभाल भी कर सकें। तब क्या होगा। बीती हुई उम्र वापस नहीं आएगी। रिटायर्ड जीवन की बदली परिस्थितियों के चलते आने वाली चुनौतियों की बात सुनकर इनमें से बहुत से कहते हैं कि उन्हें इस बात का अहसास है कि बुढ़ापे में उनका क्या होगा। कौन उनकी देखभाल करेगा। कुछ ये भी कहते हैं कि कौन बच्चे आजकल माता-पिता की देखभाल कर पाते हैं। करना भी चाहें, तो उनके पास समय नहीं है। लेकिन जब ये इन परिस्थितियों में आएंगे उससे पहले ही ये अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी सजग हैं, जिससे कि किसी गम्भीर बीमारी के होने से पहले ही उसका इलाज करा सकें। इसके अलावा बचत भी इस तरह से कर रहे हैं कि जिस तरह की जीवनशैली अब है, उसमें जब रिटायर हो जाएं, कोई आय न भी रहे तो भी बदलाव न आए। लेकिन यह भी सोचने की बात है कि क्या सिर्फ स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने भर से सारी समस्याएं हल हो जाती हैं। जिसे ह्यूमन रिसोर्स कहते हैं , उसकी जरूरत तो पल-पल पड़ती है। और ये बात भी सच है कि दोस्त चाहे जितने अच्छे हों, वक्त पर आपके लिए दौड़ते भी हों, मगर वे परिवार की जगह नहीं ले सकते।

कई बार यह जो खाओ-पिओ मौज उड़ाओ की संस्कृति है, यह हमें बहुत स्वार्थी भी बनाती है। हम अपने अलावा किसी और के बारे में सोच नहीं पाते। हमारी आजादी और आनंद में कोई खलल न पड़े, इसके लिए बच्चे नहीं चाहिए। यह कैसा आनंद है जो बच्चे की जिम्मेदारी को इतना बड़ा बोझ मान रहा है कि बच्चे चाहिए ही नहीं। वे दुनिया में आएं ही नहीं। परिवार पर इन दिनों जो संकट आए हुए हैं, डिंक जोड़ों के ये निर्णय उसी संकट की ओर इशारा कर रहे हैं।

आज का इतिहास

- स्वीडन और पोलैंड के बीच 1660 में ओलिवा समझौते पर सहमति बनी।
- ब्रिटिश सम्राट चार्ल्स द्वितीय का 1661 में लंदन में राज्याभिषेक।
- ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जनरल गिल्बर्ट एलियट मिंटो का 1751 में जन्म हुआ।
- ब्रिटिश कमांडर कर्नल चैपमेन ने 1774 में रोहिला सेना को हराकर रोहिलाखंड पर कब्जा किया।
- सन 1891 में रुस की राजधानी मास्को से यहूदियों को निकाला गया।
- जर्मनी, डेनमार्क, ब्रिटेन, स्वीडन, हालैंड और फ्रांस के बीच 1908 में उत्तरी अटलांटिक संगठन संधि पर हस्ताक्षर किये गये।
- यूरोपीय देश पोलैंड ने 1935 में संविधान अपनाया।
- सोवियत यूनियन ने 1981 में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट किया।
- वैज्ञानिकों ने 1984 में एड्स के वायरस के बारे में पता लगाया।
- कोल्ड ड्रिंक्स कंपनी कोकाकोला ने 99 साल बाजार में रहने के बाद 1985 में एक नए फार्मूले के साथ नया कोक मार्केट में लाया।
- नामीबिया 1990 में सं.रा. संघ का 160वां सदस्य बना।
- चेचेन्या के अलगाववादी नेता दुदायेव का 1996 को हुए एक हवाई हमले में मौत हो गयी थी।
- सन 2005 में यूट्यूब पर पहला वीडियो अपलोड हुआ।
- रूस के पूर्व राष्ट्रपति बोरिस निकोलाइएविच ऐल्तसिन का 2007 में निधन।
- वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल ने 2013 में क्रिकेट इतिहास का सबसे तेज शतक मात्र 30 गेंदों में जड़ा।
- लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो में 2014 में हुई एक भीषण ट्रेन दुर्घटना में तक़रीबन 60 लोगों की जान गयी और 80 से अधिक लोग घायल हो गए।
- सिखों के दूसरे धर्मगुरु अंगद का 1504 में जन्म।
- ईस्ट इंडिया कंपनी के गवर्नर जनरल गिल्बर्ट एलियट मिंटो का 1751 को जन्म हुआ।
- प्रख्यात भारतीय विदुषी महिला और समाज सुधारक पंडिता रमाबाई का 1858 को जन्म हुआ।
- हिन्दी प्रसिद्ध साहित्यकार जी.पी. श्रीवास्तव का 1889 को जन्म हुआ।
- सुरबहार वाद्ययंत्र बजाने वाली एकमात्र महिला अन्नपूर्णा देवी का 1927 को जन्म हुआ।
- अंग्रेजी साहित्य के महान कवि और नाटककार विलियम शेक्सपियर की मृत्यु 1616 को हो गई थी।
- राष्ट्रभाषा हिन्दी के उन्नायक, प्रखर चिंतक, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी माधवराव सप्रे का 1926 को निधन हुआ था।
- मशहूर गजल गायक बड़े गुलाम अली खान का 1968 को निधन हुआ था।
- हिन्दी और ब्रजभाषा के प्रसिद्ध कवि और लेखक धीरेन्द्र वर्मा का 1973 को निधन हुआ था।
- प्रसिद्ध भारतीय फिल्म निर्माता-निर्देशक भारत रत्न से सम्मानित सत्यजीत राय का 1992 को निधन हुआ था।

किताबों में विज्ञान की सांस मानवता की आस

प्रारंभ से अभी तक विश्व में अनेक आविष्कार हुए हैं। उन आविष्कारों ने न केवल मानव का अपितु पूरे ब्रह्मांड का कायापलट कर दिया है। अनेक अति महत्वपूर्ण आविष्कारों में से एक आविष्कार है कलम और पुस्तक। कलम की धार जहां सबसे अधिक तीव्र मानी जाती है, वहीं पुस्तक का स्वर सबसे अधिक तीखा। वे हमसे और आपसे बातें भी करती हैं। पुस्तकों की आवाज़ वहां तक पहुंचती है, जहां तक कोई आवाज़ नहीं पहुंच पाती। आदित्य रहबर ने अपनी कविता 'किताबें' में लिखा है कि–

पुस्तकें व्यक्ति के अंतर्मन और व्यक्तित्व को पूरी तरह संवार देती हैं। पढ़ना एक छेनी की तरह है। छेनी का प्रयोग पत्थर की आकृति को संवारने में किया जाता है। अगर छेनी का प्रयोग न किया जाए तो पत्थर किसी कलाकृति और आकृति में न ढल पाए। उसी तरह यदि पुस्तकें न होतीं तो व्यक्ति का व्यक्तित्व खुरदरा ही रहता। पुस्तकें पढ़ने से व्यक्ति का खुरदरा व्यक्तित्व चिकना होता है। अबिगैल वैन बुरेन से गंभीर पाठक अवश्य परिचित होंगे। उन्हें 'प्रिय एब्बी' के नाम से भी जाना जाता है। वे एक मार्गदर्शन प्रदान करने वाला कॉलम लिखा करती थीं। उनका यह मार्गदर्शन वाला कॉलम 50 से भी अधिक वर्षों से चल रहा है। उनके उस कॉलम को पढ़कर अनेक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। एक बार उनसे कहा गया कि यदि आपको युवाओं को कोई सलाह देने के लिए कहा जाए तो आप उन्हें क्या सलाह देंगी? इस पर वे मुस्कराते हुए बोलीं, 'यदि मैं युवाओं को सलाह दूंगी तो यह है पढ़ो, पढ़ो, पढ़ो! पढ़कर आप वास्तविक और काल्पनिक संसारों के लिए द्वार खोल देंगे। जानकारी के लिए पढ़ें, आनंद के लिए पढ़ें। हमारे पुस्तकालय ज्ञान तथा आनंद से भरे हुए हैं और यह सब यहां पर मौजूद हैं। जो व्यक्ति पढ़ता नहीं है, वह उस व्यक्ति से बेहतर स्थिति में नहीं है, जो पढ़ नहीं सकता।' पुस्तकें जीवन का ऐसा हथियार हैं जो मुसीबत और समस्याओं के सामने सर्वोत्तम हथियार साबित होती हैं। पुस्तकें बोलती हैं क्योंकि

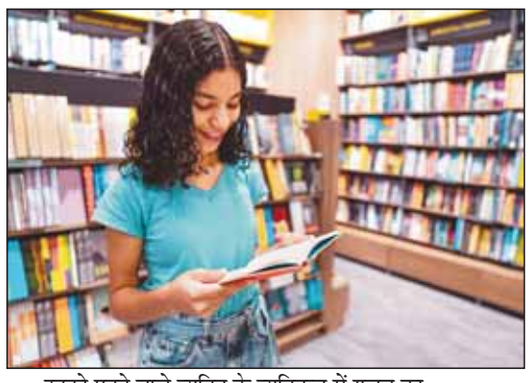

इनको पढ़ने वाले व्यक्ति के व्यक्तित्व में गजब का सकारात्मक परिवर्तन आ जाता है। पुस्तकों से बातें करने वाला व्यक्ति समाज को ऐसे मार्ग पर ले जाता है जहां पर समाज सुखद परिवर्तनों से चौंक उठता है।

यशोदा, उत्तर प्रदेश स्थित कौशांबी गांव से है। उनका परिवेश पूरी तरह से हिन्दी था। उन्होंने 12वीं कक्षा हिन्दी माध्यम से पास की थी। बचपन से ही यशोदा को पढ़ने का बहुत शौक था। किताबों के इस शौक ने यशोदा को न केवल मुसीबतों से उभारा, बल्कि उसके अंदर एक ऐसा हुनर भी उत्पन्न किया जिससे गांव वाले दांतों तले अंगुली दबाते रह गए।

लगभग 28 वर्षीय यशोदा विवाहित है। पहले यशोदा ग्रामीण बहुओं की तरह रहकर अपने सास-ससुर की सेवा करती थी। एक दिन उनके पति राधे सड़क दुर्घटना के शिकार हो गए। वे दिहाड़ी मजदूर थे। उनके बिस्तर में पड़ने से रोजी-रोटी की दिक्कतें बढ़ गईं। घर का गुजारा चलाना मुश्किल हो गया। अब परिवार क्या करे? ऐसे में यशोदा ने पुस्तकों के माध्यम से स्वयं को निखारा। उसने बहुत सोचा-विचारा कि आखिर अपने पुस्तक प्रेम से वह कैसे रोजगार की तलाश पूर्ण करे?

एक दिन उसने अपने आसपास देखा तो पाया कि वहां की बालिकाएं और युवा अंग्रेजी से बहुत झिझकते थे। बस यशोदा को राह मिल गई और वे इस राह पर चल पड़ी। किसी को कुछ सिखाने से पहले उसमें स्वयं प्रवीण होना अनिवार्य है। ऐसे में यशोदा ने कमर कस ली। उन्होंने अंग्रेजी की पुस्तकें एवं समाचार-पत्र पढ़ने आरंभ कर दिए। अनेक पुस्तकें ऑनलाइन ऑर्डर कर उनको पढ़ा। पुस्तकें पढ़ने के बाद उन्होंने अंग्रेजी बोलने और लिखने का अभ्यास किया। अंग्रेजी बोलने वाले वीडियो लगातार सुने। जब उन्हें लगा कि अब वे अपने कार्य में कुशल हो गई हैं तो उन्होंने गांव की बच्चियों और विद्यार्थियों को अंग्रेजी की कक्षाएं देनी आरंभ कर दीं। उन्होंने अपना अंग्रेजी सिखाने का यूट्यूब चैनल भी खोल लिया। कुछ ही समय बाद उनका गांव प्रसिद्ध हो गया। जब लोगों ने यह देखा कि एक ग्रामीण बहू घूंघट में अंग्रेजी बोलती है तो सभी ने दांतों तले अंगुली दबा ली। यशोदा का कहना है कि, 'यदि पुस्तकें मेरी मित्र नहीं होतीं तो मैं कभी भी अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पाती। आज मैं जो कुछ भी हूं वह सिर्फ पुस्तकों के कारण हूं।'

यशोदा के गांव में अब सभी शिक्षा और पुस्तकों के महत्व को समझ गए हैं।

लैकोरडेयर का कहना है कि, 'जीवन को सुखी बनाने के लिए केवल तीन चीजें आवश्यक हैं– ईश्वर की कृपा, पुस्तकें और एक मित्र।' जो व्यक्ति पुस्तकों की आवाज सुनता है, उनको गुनता है उस पर ईश्वर की कृपा स्वयंमेव ही हो जाती है। इसके साथ ही उसके अच्छे मित्र भी बन जाते हैं क्योंकि ज्ञानवान और विवेक व्यक्ति का साथ सभी पसंद करते हैं।

पुस्तकें बोलती हैं, बातें करती हैं और राह दिखाती हैं। यदि आपने अभी तक पुस्तकों से बातें करना आरंभ नहीं किया है तो देर मत कीजिए। आज और अभी किसी भी पुस्तक को उठाइए, उसे खोलिए और पढ़ना आरंभ कर दीजिए। पुस्तक पढ़ने के बाद आप पाएंगे कि आपके ज्ञान चक्षु पूरी तरह खुल गए हैं।

लोकतंत्र अभी और परिपक्व हो

70 के दशक में हुए जयप्रकाश आन्दोलन के बाद से किसी भी राजनैतिक दल ने आम मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए प्रशिक्षित नहीं किया है। जबकि अगर ऐसा किया होता तो इन दलों को चुनाव के पहले मतदाताओं को खैरात बांटने और उनके सामने लम्बे-चौड़े झूठे वायदे करने की नौबत नहीं आती।

अभी आम चुनाव का प्रथम चरण ही पूरा हुआ है, पर ऐसा नहीं लगता कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव जैसी कोई महत्वपूर्ण घटना घट रही है। चारों ओर एक अजीब सन्नाटा है। न तो गांव, कस्बों और शहरों में राजनैतिक दलों के होर्डिंग और पोस्टर दिखाई दे रहे हैं और न ही लाऊडस्पीकर पर वोट मांगने वालों का शोर सुनाई दे रहा है, चाय के ढाबों और पान की दुकानों पर अक्सर जमा होने वाली भीड़ भी खामोश है। जबकि पहले चुनावों में ये शहर के वो स्थान होते थे जहां से मतदाताओं की नब्ज पकड़ना आसान होता था।

आज मतदाता खामोश है। इसका क्या कारण हो सकता है। या तो मतदाता तय कर चुके हैं कि उन्हें किसे वोट देना है, पर अपने मन की बात को जुबान पर नहीं लाना चाहते। लेकिन एक तो जनता की बात नेता तक पहुंचती है, दूसरा ऐसे संवादों से जनता जागरूक होती है। अलबत्ता शासन में जो दल बैठा होता है वो कभी नहीं चाहता कि उसकी नीतियों पर खुली चर्चा हो। इससे माहौल बिगड़ने का खतरा रहता है। हर शासक यही चाहता है कि उसकी उपलब्धियों को बढ़ा-चढ़ाकर मतदाता के सामने पेश किया जाए।

सब मानते हैं कि किसी भी देश में लोकतान्त्रिक व्यवस्था ही सबसे अच्छी होती है क्योंकि इसमें समाज के हर वर्ग को अपनी सरकार चुनने का मौका मिलता है। इस शासन प्रणाली के अन्तर्गत आम आदमी को अपनी इच्छा से चुनाव में खड़े हुए किसी भी प्रत्याशी को वोट देकर अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार होता है। इस तरह चुने गए प्रतिनिधियों से विधायिका बनती है। एक अच्छा लोकतन्त्र वह है जिसमें राजनीतिक और सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय की व्यवस्था भी है। देश में यह शासन प्रणाली लोगों को सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक स्वतन्त्रता प्रदान करती है।

आज भारत में जो परिस्थिति है उसमें जनता भ्रमित है। उसे अपनी बुनियादी समस्याओं की चिंता है। क्षेत्रीय दलों के नेता काफी तेज़ी से अपने इलाके के मतदाताओं पर पकड़ बना रहे हैं और उन सवालों को उठा रहे हैं जिनसे देश का किसान, मजदूर और नौजवान चिंतित हैं। हालांकि चुनाव की हवा मतदान के 24 घंटे पहले भी पलट जाती है इसलिए कुछ कहा नहीं जा सकता।

70 के दशक में हुए जयप्रकाश आन्दोलन के बाद से किसी भी राजनैतिक दल ने आम मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए प्रशिक्षित नहीं किया है। जबकि अगर ऐसा किया होता तो इन दलों को चुनाव के पहले मतदाताओं को खैरात बांटने और उनके सामने लम्बे-चौड़े झूठे वायदे करने की नौबत नहीं आती। हर दल का अपना एक समर्पित काडर होता। जबकि आज काडर के नाम पर पैसा देकर कार्यकर्ता जुटाए जाते हैं या वे लोग सक्रिय होते हैं जिन्हें सत्ता मिलने के बाद अवसरों की तलाश होती है। ऐसे किराये के कार्यकर्ताओं और विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता का अभाव ही दल बदल का मुख्य कारण है। इससे राजनेताओं की और उनके दलों की साख तेजी से गिरी है। एक दृष्टि से इसे लोकतंत्र के पतन का प्रमाण माना जा सकता है। हालांकि दूसरी ओर ये मानने वालों की भी कमी नहीं है कि इन सब आंधियों को झेलने के बावजूद भारत का लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उसके करोड़ों आम मतदाताओं ने बार-बार राजनैतिक परिपक्वता का परिचय दिया है। जब उसने बिना शोर मचाये अपने मत के जोर पर कई बार सत्ता परिवर्तन किये हैं।

मतदाता की राजनैतिक परिपक्वता का एक और प्रमाण ये है की अब निर्दलीय उम्मीदवारों का प्रभाव लगभग समाप्त हो चला है। 1951 के आम चुनावों में 6 निर्दलीय उम्मीदवार जीते थे जबकि 2019 के चुनाव में इनकी संख्या घटकर मात्र 0.11 रह गई। स्पष्ट है कि मतदाता ऐसे उम्मीदवारों के हाथ मजबूत नहीं करना चाहता जो अल्पमत की सरकारों से मोटी रकम ऐंठकर समर्थन देते हैं। मतदाताओं की अपेक्षा और विश्वास संगठित दलों और नेताओं के प्रति है यदि वे अपने कर्तव्य का सही पालन करें तो। इसलिए हमें निराश नहीं होना है। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हमारे परिवार और समाज में राजनीति के प्रति समझ बढ़े और हर मतदाता अपने मत का प्रयोग सोच-समझकर करे। कोई नेता या दल मतदाता को भेड़-बकरी समझकर हांकने की जुर्रत न करे।

क्या हम मानसिक संतुलन खोने लगे हैं?

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अब हमारे देश की जनसंख्या 1 अरब, 44 करोड़ तक पहुंच गई है। अब हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का दर्जा भी पा चुके हैं। ऐसी स्थिति में हम अपने लोकतंत्र को किसी भी अराजकता की दहलीज पर नहीं ला सकते। जितना बड़ा देश, उतनी ही अधिक चुनौतियां, उतनी ही अधिक समस्याएं।

कभी-कभी डर लगता है, सोशल मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल-मीडिया की भीड़ में हम अपना मानसिक संतुलन खोने लगते हैं। राजनैतिक दलों के प्रवक्ताओं की भीड़, निरंतर आक्रामक व असभ्य होती हुई भाषा, 'फेक-न्यूज' के अम्बार और लगातार बढ़ती हुई अराजकता आने वाले समय में हिंसा, घृणा, असहिष्णुता व वहशियत की ओर धकेलने लगी है। वैसे भी हमारे अपने देश में हर भारतीय औसतन डेढ़ घंटा प्रतिदिन इंटरनेट खंगालता है। यह तथ्य भी चौंकाता है कि 50 प्रतिशत भारतीय युवा हर दिन औसतन तीन घंटे नेट पर या किसी वेबसाइट पर चिपके रहते हैं। चिंता की बात यह है कि इस डिजीटल दुनिया में हमारी स्वतंत्र और सार्थक सोच, कला, साहित्य, संस्कृति, विरासत, कल्पना शक्ति, संगीत आदि में दिलचस्पी घटती जा रही है। यह तथ्य भी कम खतरनाक नहीं कि लाखों की संख्या में बढ़ते यू-ट्यूबर्स और सोशल मीडिया एक्टिविटिज हमें लगातार ऐसी सामग्री व सूचनाएं परोस रहे हैं जिनका कई बार सच्चाई, तथ्यों व प्रामाणिकता से कोई वास्ता नहीं होता है। हमारे कान व हमारी आंखें लगातार झूठी सामग्री के अम्बारों में से गुज़र रही हैं और हम में भी जो एक्टिव, सोशल मीडिया-यूजर्स हैं अपने-अपने बेतुके, दिशाहीन, निरर्थक और भड़काऊ सामग्री फैंकने लगे हैं। सक्रिय यू-ट्यूबर्स चैनलों की संख्या हमारे अपने देश में 80 हजार से भी अधिक हो चली है और अपने-अपने चैनल के ग्राहक (सब्सक्राइबर) बढ़ाने के लिए चौंकाने वाली सामग्री परोसी जा रही है। अधिकांश सामग्री हमारी सोचने की शक्ति कुन्द करने लगी है और सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि इस अराजक होते माहौल पर कोई भी पूरी कानूनी रोक संभव नहीं है। हमारे देश में 46 करोड़ 20 लाख उपभोक्ता इस सामग्री का उपभोग करने पर विवश हैं और संयम की भाषा कमोबेश सभी पक्ष भूलने लगे हैं।

ऐसे माहौल में सकारात्मक सामाजिक बर्ताव, सामाजिक संबंध, संवेदनाएं, सहानुभूति आदि के लिए जगह ही नहीं बच पा रही। इसी अराजक होते हुए माहौल में लगभग दो हज़ार राजनैतिक पार्टियां कुकुरमुत्तों की तरह प्रकट हो चुकी हैं। इनमें छह बड़े राजनैतिक दल हैं जबकि क्षेत्रीय दलों की संख्या भी 50 से बढ़ गई है। सबके पास सोशल मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक चैनलों की अकूत सम्पदा है। हमारे देश में ड्राइविंग लाइसेंस के लिए तो टैस्ट लेने का प्रावधान है मगर लगातार अराजक होते हुए चैनलों, प्रवक्ताओं, यू-ट्यूबर्स, सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों के लिए न कोई 'टेस्ट' देना होता है, न ही कोई योग्यता दरकार है।

नवीनतम आंकड़ों के अनुसार अब हमारे देश की जनसंख्या 1 अरब, 44 करोड़ तक पहुंच गई है। अब हम विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का दर्जा भी पा चुके हैं। ऐसी स्थिति में हम अपने लोकतंत्र को किसी भी अराजकता की दहलीज पर नहीं ला सकते। जितना बड़ा देश, उतनी ही अधिक चुनौतियां, उतनी ही अधिक समस्याएं। हमने अनेकता में एकता को भी अपना आधार माना है। देश में 114 मुख्य भाषाएं बोली जाती हैं। इनमें से केवल 22 भाषाएं ही संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल हैं। अब अन्य भाषाओं में सन्थाली (0.62 प्रतिशत), बोडो (0.25 प्रतिशत), मिताई, डोगरी, गोंडी आदि विशेष रूप से चर्चा में रहती हैं। कोंकणी, नेपाली भी भारतीय भाषा परिवार में शामिल है। देश की साहित्य अकादमी कोंकणी में भी पुरस्कार देती है और मेथिली में भी। मगर हरियाणा वालों की यह शिकायत भी वाजिब है कि प्रदेश में हरियाणवी में हर वर्ष लगभग 500 कृतियां रची जाती हैं, प्रकाशित होती हैं। इनमें गज़लें भी हैं, कविताएं भी और गद्य भी। मगर हरियाणवी अभी भी मान्यता की मोहताज है। ऐसी ही शिकायतें कुछ अन्य क्षेत्रीय भाषाओं को लेकर भी हैं।

एक और ज्वलंत पहलू आदिवासी-वर्गों को लेकर उठाया जाता है। जल-जंगल और ज़मीन से जुड़ी दर्जनों जनजातियां हैं, जिनमें व्यापक असंतोष फैला हुआ है। इनकी अपनी लोक संस्कृति है, अपना साहित्य है, अपनी धार्मिक आस्थाएं हैं। अपना पहनावा है, अपने खाद्य पदार्थ हैं, अपनी डिशिज हैं। विविधा भरे इस भारतीय समाज में एकरूपता लाना आसान नहीं है। इतना ही नहीं इन आदिवासियों के बीच इनका अपना 'सोशल मीडिया' भी सक्रिय रहता है।

डी गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

17 साल की उम्र में जीता, विश्वनाथन आनंद के बाद टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय

नई दिल्ली ● एजेंसी

भारत के 17 साल के ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। वे वर्ल्ड खिताब के लिए सबसे कम उम्र में चुनौती देने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। अब वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए उनकी भिड़ंत चीन के डिंग लिरेन से होगी। गुकेश से पहले 1984 में रूसी खिलाड़ी गैरी कास्परोव ने सबसे कम उम्र 22 साल में यह टूर्नामेंट जीता था।

वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे गुकेश

अब गुकेश वर्ल्ड चैंपियन खिताब के लिए इस साल के आखिर में चीन के डिंग लिरेन से भिड़ेंगे। हालांकि यह मुकाबला कब होगा और कहां खेला जाएगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है।

गुकेश को टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक मिले

गुकेश ने टूर्नामेंट में 14 में से 9 अंक हासिल कर खिताब पर कब्जा जमाया। उन्होंने टूर्नामेंट के अपने आखिरी मुकाबले में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेला। इससे उनके अंक 8.5 से बढ़ कर 9 हो गए। वहीं उन्होंने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा को हराकर अपने पॉइंट 8.5 कर लिए थे। अलीरेजा को हराने के साथ ही गुकेश ने टूर्नामेंट में नेपोमनियाच्ची, नाकामुरा और अमेरिका के फैबियानो कारूआना से हाफ अंक की बढ़त ले ली थी।

गुकेश यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय

गुकेश यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले पांच बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने 2014 में यह टूर्नामेंट जीता था। तब वे 45 साल के थे।

गुकेश ने जीत के बाद कहा, बहुत खुशी हो रही है। मैं उस रोमांचक खेल (फैबियो कारुआना और इयान नेपोमनिआचची के बीच) को देख रहा था, फिर मैं अपने सहयोगी (ग्रिगोरी गैजेव्स्की) के साथ टहलने गया, मुझे लगता है कि इससे मदद मिली।%

एशियन गेम्स में सिल्वर जीतने वाले टीम के सदस्य

गुकेश ने पिछले साल चीन के हांग्जो एशियन गेम्स में सिल्वर मेडल जीता था। 2015 में गुकेश एशियाई स्कूल शतरंज चैंपियनशिप में अंडर-9 का खिताब जीतने के साथ कैंडिडेट मास्टर बने थे। गुकेश ने अब तक 5 गोल्ड एशियाई यूथ चैंपियनशिप जीती हैं। 2019 में वे भारत के सबसे युवा और वर्ल्ड के दूसरे सबसे युवा ग्रैंडमास्टर बने थे।

विश्वनाथन आनंद ने दी गुकेश को बधाई

गुकेश को यह टूर्नामेंट जीतने पर 88,500 यूरो (लगभग 78.5 लाख रुपए) का नकद पुरस्कार भी मिला। कैंडिडेट्स की कुल पुरस्कार राशि 5,00,000 यूरो थी। विश्वनाथन आनंद ने ट्विटर पर युवा खिलाड़ी को बधाई देते हुए लिखा, सबसे युवा चैलेंजर बनने के लिए डी गुकेश को बधाई। आपने जो हासिल किया है उस पर बहुत गर्व है। मुझे निजी तौर पर बहुत गर्व है कि आपने कैसे खेला और कठिन परिस्थितियों को संभाला। इस पल का आनंद लें।

इस तरह के मैचों में शांतचित्त रहना कठिन है : केकेआर कप्तान श्रेयस

कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने स्वीकार किया कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ एक रन से मिली जीत जैसे करीबी मुकाबलों में शांतचित्त बने रहना कठिन होता है लेकिन टीम की जीत से उन्हें काफी इत्मीनान मिला। केकेआर ने छह विकेट पर 222 रन बनाए जिसके जवाब में आरसीबी मैच की आखिरी गेंद पर 221 रन पर आउट हो गई। श्रेयस ने मैच के बाद कहा कि इतने सारे जज्बात के बीच आप पूरी तरह से थक जाते हैं। शांतचित्त रहना कठिन होता है लेकिन मैं खुश हूं। हमें 2 अंक मिले और यही मायने रखता है। उन्होंने कहा कि दबाव का सामना करना बहुत कठिन होता है। मेरा मानना है कि हर किसी को जिम्मेदारी लेनी होती है। आंद्रे रसेल ने 20 गेंद में 27 रन बनाने के बाद तीन विकेट भी लिए। श्रेयस ने कहा कि रसेल ने मैच का पासा हमारी तरफ पलट दिया। टीम में इस तरह के तेवरों की जरूरत है। आखिरी ओवर में कर्ण शर्मा ने मिचेल स्टार्क को 3 छक्के लगाकर आरसीबी को लगभग जीत दिला ही दी थी लेकिन श्रेयस ने स्टार्क का बचाव किया। उन्होंने कहा कि यह मजेदार खेल है। 6 गेंद में 18 रन चाहिए हो तो गेंदबाज पर दबाव रहता है। एक छक्के से मैच की तस्वीर बदल जाती है। यह जरूरी था कि हम शांतचित्त रहे और बल्लेबाज को गलती करने पर मजबूर करें। आरसीबी की यह लगातार छठी हार थी।

पंजाब ने रिव्यू में गंवाए 2 विकेटः हरप्रीत भाटिया DRS के कारण ही बचे, मिलर ने छोड़ा कैच

नई दिल्ली ● एजेंसी

मुल्लांपुर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 17वें सीजन में गुजरात टाइटंस को चौथी जीत मिली। टीम ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हरा दिया। पंजाब के हरप्रीत भाटिया DRS में बचे लेकिन 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर रनआउट हो गए। पंजाब के 2 बैटर्स DRS के कारण आउट भी हुए। गुजरात के डेविड मिलर ने हरप्रीत बरार का कैच छोड़ा, वहीं राहुल तेवतिया ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई।

पंजाब ने रिव्यू में 2 विकेट गंवाए

पंजाब किंग्स के 2 बैटर्स DRS के कारण आउट हो गए, पहले राइली रुसो रहे, वहीं दूसरे कप्तान सैम करन रहे। 7वें ओवर की आखिरी बॉल नूर अहमद ने लेग स्टंप पर गुड लेंथ फेंकी। बॉल रुसो के पैड्स पर लगी, गुजरात ने LBW की अपील की लेकिन अंपायर ने नॉटआउट दिया। गुजरात ने रिव्यू लिया और रुसो को 9 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। 8वें ओवर में फिर राशिद खान ने सैम करन के खिलाफ लेग स्टंप पर गुड लेंथ बॉल फेंकी। गुजरात ने फिर LBW की अपील की, लेकिन अंपायर ने नॉटआउट का फैसला सुनाया। टीम ने रिव्यू लिया और अब करन को 20 रन के स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा।

DRS के कारण बचे हरप्रीत भाटिया

पंजाब के जहां 2 बैटर्स DRS के कारण आउट हुए, वहीं हरप्रीत भाटिया DRS के कारण ही बच गए। 17वें ओवर की पहली बॉल शाहरुख खान ने गुड लेंथ पर फेंकी, बॉल सीधे भाटिया के पैड्स पर लगी। गुजरात ने LBW की अपील की और अंपायर ने आउट का फैसला सुना दिया। इस बार पंजाब के बैटर भाटिया ने रिव्यू ले लिया, रिप्ले में दिखा कि बॉल लेग स्टंप को मिस करते हुए जा रही है। अंपायर ने अपना फैसला बदला और भाटिया 7 रन के स्कोर पर नॉटआउट रहे।

मार्क चैपमैन की तूफानी फिफ्टी, पाकिस्तान ने गंवाया तीसरा टी20

रावलपिंडी ● एजेंसी

रावलपिंडी के मैदान पर न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले को मार्क चैपमैन की तूफानी फिफ्टी की बदौलत 7 विकेट से जीत लिया। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए सैम आयुब के 32, कप्तान बाबर आजम के 37, रिजवान के 22, इरफान खान के 30 तो शादाब खान के 20 गेंदों पर 41 रन की बदौलत 178 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी न्यूजीलैंड को टिम रोबिन्सन और टिम सेफर्ट ने तेज शुरूआत दी। लेकिन इसके बाद मार्क चैपमैन ने 42 गेंदों पर 87 रन बनाकर 19वें ओवर में अपनी टीम को जीत दिल दी। इसी के साथ पांच मैचों की सीरीज में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर आ गई है। सीरीज का पहला मैच बारिश के कारण रद्द हो गया था। मुकाबला जीतने के बाद न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन ने कहा कि यहां आकर हमेशा अच्छा लगा। श्रृंखला बराबर करके खुश हूं। पाकिस्तान के पास बेहतरीन आक्रमण है लेकिन उसका पीछा करना काफी मुश्किल था। यह हमारा शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन था। कल हमने विकेट जल्दी-जल्दी खोए और इससे गेम धीमा हो गया। हमारे लिए 100 से अधिक रनों की साझेदारी करना बहुत अच्छा था। हम जानते हैं कि पाकिस्तान की डेथ बॉलिंग शानदार है, हम आज रात शीर्ष पर आने में कामयाब रहे। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा कि दुर्भाग्य से हम 10 रन कम रह गए। मुझे लगता है कि शादाब ने अच्छी रिकवरी की और अच्छी साझेदारी बनाई। मुझे लगता है कि मेरे हिसाब से 180-190 बराबर स्कोर था। हमने स्थिति के मुताबिक खेलने की कोशिश की। शादाब ने अपनी योजनाओं को लागू किया और अपना स्वाभाविक खेल खेला। उन्होंने मांग के अनुरूप खेला। हमने पावरप्ले में अच्छी शुरुआत की। यदि आप कैच छोड़ते हैं तो इसका खामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा।

धर्मशाला में होगा देश का पहला एसआईएस ग्रास हाइब्रिड पिच वाला स्टेडियम

शिमला ● एजेंसी

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन क्रिकेट में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी को अपनाने में हमेशा सबसे आगे रहा है। राज्य में क्रिकेट के प्रबंधन निकाय एचपीसीए ने हाल ही में अपनी अभ्यास सुविधाओं में एसआईएसग्रास हाइब्रिड पिच टेक्नोलॉजी पेश करने के लिए एक रोमांचक पहल की है। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि अभ्यास पिचें उच्चतम गुणवत्ता वाली हों क्योंकि पारंपरिक पिचें कठोर प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं झेल सकतीं और जल्दी ही खराब हो जाती हैं जिससे खिलाड़ियों के लिए अभ्यास के बेशकीमती अवसर सीमित हो जाते हैं। एसआईएसग्रास, नीदरलैंड स्थित एसआईएस पिचेज समूह की कंपनियों का अंग है और धर्मशाला के खूबसूरत एचपीसीए स्टेडियम में पहली बार हाइब्रिड पिच इंस्टॉलेशन में अपने क्रांतिकारी निवेश के साथ भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए तैयार है। यह अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी अधिक टिकाऊ, सुसंगत और उच्च प्रदर्शन वाली खेल की पिच प्रदान कर इस खेल के अनुभव में आमूल परिवर्तन लाएगी।

एसआईएसग्रास प्रौद्योगिकी खिलाड़ियों को सुरक्षा, स्थायित्व और शानदार खेलने की क्षमता का बेजोड़ संयोजन प्रदान करती है। शानदार एचपीसीए स्टेडियम अपनी तरह की पहले हाइब्रिड पिच इंस्टॉलेशन के लिए तैयार है। इस पिच के इंस्टॉलेशन के बारे में एचपीसीए के मानद अध्यक्ष, आर पी सिंह ने कहा, प्रशंसकों के बीच धर्मशाला स्टेडियम ऐसे स्टेडियम के रूप में उभर रहा है जिसकी मांग बढ़ रही है और यह अपने सुरम्य परिवेश तथा सुंदर माहौल के लिए प्रसिद्ध है और घरेलू, अंतरराष्ट्रीय तथा आईपीएल मैचों की मेज़बानी करता है। एचपीसीए ने क्रिकेट में लगातार उन्नत प्रौद्योगिकी को अपनाया है। उत्कृष्टता केंद्र में हमारी अत्याधुनिक इनडोर सुविधाओं से लेकर एलईडी लाइटिंग और कुशल जल निकासी के लिए एसआईएस एयर सिस्टम को लागू करने तक हम खिलाड़ियों और प्रशंसकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए समर्पित हैं। देश में एसआईएसग्रास की अभूतपूर्व हाइब्रिड पिच प्रौद्योगिकी का आगमन हमारे राष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अभूतपूर्व क्षण का प्रतीक है। यह नवोन्मेषी दृष्टिकोण खेल को उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक ले जाने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इंग्लैंड के पूर्व खिलाड़ी और एसआईएस के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट निदेशक,पॉल टेलर ने कहा, भारत के शानदार क्रिकेट परितंत्र में नई और बेहतर प्रौद्योगिकी को शामिल कर हमें उम्मीद है कि इसके विकास में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। धर्मशाला में हाइब्रिड पिच स्थापित करने के लिए यूनिवर्सल मशीन का उपयोग किया जा रहा है जिसे एसआईएसग्रास ने पहली बार 2017 में विकसित किया था।

एपल 3 साल में 5 लाख भारतीयों को देगा नौकरी

◘ अभी 1.5 लाख लोग काम कर रहे, चीन से अपनी आधी सप्लाई चेन भारत शिफ्ट करेगी कंपनी

नई दिल्ली ● एजेंसी

आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल अगले 3 साल में भारत में 5 लाख लोगों को नौकरी दे सकती है। ये नौकरियां वेंडर्स और कंपोनेंट्स सप्लायर्स के जरिए जनरेट होंगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया, एपल भारत में अपॉइंटमेंट में तेजी ला रहा है।

उन्होंने बताया कि वर्तमान में एपल के वेंडर्स और सप्लायर्स भारत में 1.5 लाख लोगों को रोजगार देते हैं। इनमें एपल के दो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट ऑपरेट करने वाली कंपनी टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स सबसे बड़ी जॉब जनरेटर है। हालांकि एपल की ओर से इस बारे में कोई बयान नहीं आया है।

चीन से सप्लाई चेन का आधा हिस्सा भारत शिफ्ट करने की प्लानिंग

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एपल ने कोरोना महामारी के बाद से ही चीन पर अपनी निर्भरता कम करने की रणनीति अपनाई हुई है और भारत में निवेश कर रही है।

कंपनी की प्लानिंग अगले 3 साल में अपनी मौजूदा सप्लाई चेन का कम से कम आधा हिस्सा चीन से भारत ट्रासंफर करने की है। इसके तहत भारतीय सप्लायर्स पर जोर देना शुरू कर दिया है।

कंपनी का टारगेट अगले 4 से 5 साल में भारत में अपने प्रोडक्शन को 5 गुना से ज्यादा बढ़ाकर 40 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 3.32 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंचाना है।

एपल का पूरी दुनिया में सबसे अधिक घरेलू वैल्यू एडिशन चीन में

Apple के अलावा दुनिया की और भी कई कंपनियों ने इस रणनीति को अपनाया हुआ है, जिसे चीन प्लस वन पॉलिसी के नाम से जाना जाता है।

फिलहाल एपल का पूरी दुनिया में सबसे अधिक घरेलू वैल्यू एडिशन चीन में ही है, जो करीब 28% है। वहीं भारत में वैल्यू-एडिशन करीब 11-12% है, जिसके 15-18% तक जाने की उम्मीद है।

सामान्य मॉनसून से कृषि रसायन शेयर भी झूमेंगे, भारतीय कंपनियां निर्यातकों से बेहतर प्रदर्शन करेंगी

नई दिल्ली ● एजेंसी

नई दिल्लीः निजी मौसम अनुमान एजेंसी स्काईमेट और भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने इस साल भारत में सामान्य मॉनसून का अनुमान जताया है। बेहतर बारिश की उम्मीद में घरेलू कृ?षि रसायन या एग्री-इनपुट कंपनियों के लिए परिदृश्य सुधरने की संभावना है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि घरेलू कंपनियां वित्त वर्ष 2024 की मार्च तिमाही और वित्त वर्ष 2025 में निर्यातकों से बेहतर प्रदर्शन करेंगी। चीन से ज्यादा आयात, प्रा?प्तियों पर दबाव और ज्यादा स्टॉक होने से दिसंबर तिमाही में ?कृ?षि इनपुट के लिए मांग कमजोर रही थी। रबी सीजन में सामान्य से कम बारिश और जलाशयों में कम पानी की वजह से धारणा प्रभावित हुई थी। मार्च तिमाही में कुछ सुधार देखा जा सकता है।

नुवामा रिसर्च का मानना है कि घरेलू कृ?षि रसायन कंपनियां मार्च तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज करेंगी जबकि उर्वरक और वै?श्विक कृ?षि रसायन कंपनियों का प्रदर्शन सुस्त रह सकता है। उर्वरक कंपनियों को स?ब्सिडी घटने से मार्जिन पर दबाव का सामना करना पड़ सकता है और वैश्विक कृषि रसायन कंपनियों को ज्यादा छूट और भंडार कम होने से दबाव से जूझना पड़ सकता है।

ब्रोकरेज के रोहन गुप्ता और रोहन ओहरी धानुका एग्रीटेक जैसी घरेलू कृषि इनपुट कंपनियों पर सकारात्मक बने हुए हैं। उन्होंने कोरोमंडल जैसी उर्वरक कंपनियों से परहेज करने का सुझाव दिया है। उन्होंने मार्जिन दबाव के कारण यूपीएल और शारदा क्रॉपकेप जैसी वै?श्विक कृ?षि रसायन कंपनियों पर नकारात्मक नजरिया अपनाया है। मार्जिन दबाव की वजह से वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में इन कंपनियों को नुकसान और वित्त वर्ष 2025 के लिए आय डाउनग्रेड के जो?खिम का सामना करना पड़ सकता है।

इलारा ?सिक्योरिटीज का मानना है कि चौथी तिमाही घरेलू और वै?श्विक कंपनियों दोनों के लिए कमजोर रहेगी लेकिन वित्त वर्ष 2025 में घरेलू कंपनियों के लिए परिदृश्य अच्छा रहने की संभावना है। ब्रोकरेज के प्रशांत बियाणी और उज्वल वाडीघारे का कहना है, 'आस्ट्रेलिया के मौसम विज्ञान ब्यूरो के अनुसार अल नीनो समाप्त हो रहा है और इस मॉनसून में ला नीना शुरू होने की संभावना है। हमारा मानना है कि ला नीना घरेलू कृ?षि रसायनों के साथ उर्वरक कंपनियों के लिए सकारात्मक होगा। उनकी बिक्री वृद्धि होगी।'

चौथी तिमाही नरम रह सकती है लेकिन बेहतर मॉनसून और पोषण आधारित ज्यादा सबसिडी के कारण अगले वित्त वर्ष का पहला आधा हिस्सा एग्री इनपुट कंपनियों के लिए अच्छा रह सकता है।

Airtel ला रहा बेहतरीन ऑफर, भारतीय कंपनियों को झेलना पड़ सकता है भारी नुकसान

भारतीय टेलिकॉम सेक्टर में जियो से पहले Airtel के यूजर्स सबसे ज्यादा थे। आज के समय में एयरटेल के पास 37 करोड़ से ज्यादा यूजर्स मौजूद हैं। एयरटेल भारत में अपनी अच्छी सर्विस के लिए पहचाना जाता है। कंपनी अपने ग्राहकों के लिए तरह-तरह के किफायती प्लान्स ऑफर करती रहती है। एयरटेल के पास कई ऐसे प्लान्स भी हैं जिनमें कंपनी कई सारे फ्री ऑफर भी मुहैया कराती है। इस बीच एयरटेल अपने यूजर्स के लिए एक बड़ा ऑफर लेकर आ रहा है, जिससे बाकी कंपनियों को परेशानी झेलनी पड़ सकती है। अगर आप ओटीटी स्ट्रीमिंग का शौक रखते हैं तो हम आज आपको एयरटेल का एक सबसे दमदार प्लान बताने जा रहे हैं। कंपनी अपने यूजर्स को इस प्लान में नेटफ्लिक्स का फ्री एक्सेस दे रही है। आपको बता दें कि अगर आप नेटफिल्कस के लिए महीने के लिए सब्सक्रिप्शन लेते हैं।

चालू वित्त वर्ष में मानसून की उम्मीद से ग्रामीण क्षेत्र से रिकॉर्ड बिक्री की उम्मीदः Hyundai

नयी दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया को चालू वित्त वर्ष में भी अनुकूल मानसून की उम्मीद सहित विभिन्न कारकों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में रिकॉर्ड बिक्री होने की उम्मीद है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही। देश की दूसरी सबसे बड़ी कार विनिर्माता क्रेटा और वेन्यू जैसे मॉडल बेचती है। हुंदै की बिक्री वृद्धि बीते वित्त वर्ष में शहरी केंद्रों में चार प्रतिशत रही तो वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में यह 11 प्रतिशत रही थी। हुंदै मोटर इंडिया के मुख्य परिचालन अधिकारी तरुण गर्ग ने पीटीआई-से कहा, हमें विश्वास है कि हमारी कुल बिक्री में ग्रामीण बाजारों का योगदान इस वित्त वर्ष में बढ़कर लगभग 20 प्रतिशत हो जाएगा। उन्होंने कहा कि कंपनी छोटे शहरों में अपनी उपस्थिति को और अधिक विस्तारित करने की योजना बना रहा है। गर्ग ने कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी की कुल बिक्री में ग्रामीण बिक्री 19 प्रतिशत के सर्वकालिक उच्च स्तर पर रही थी। हुंदै मोटर इंडिया ने 2023-24 में अब तक की सर्वाधिक 7,77,876 वाहनों की बिक्री दर्ज की, जो 2022-23 से आठ प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष में 6,14,721 वाहनों की बिक्री के साथ अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री भी दर्ज की।

हॉन्गकॉन्ग ने एवरेस्ट और MDH मसाले पर बैन लगायाः दोनों कंपनियों के करी मसालों में पेस्टिसाइड की मात्रा ज्यादा, इससे कैंसर का खतरा

नई दिल्ली हॉन्गकॉन्ग ने MDH प्राइवेट लिमिटेड और एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड के करी मसालों की सेल पर बैन लगा दिया है। दोनों कंपनियों के इन प्रोडक्ट्स में कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा होने के कारण यह फैसला लिया गया। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग से पहले सिंगापुर के अधिकारियों ने भी इसी वजह के चलते एवरेस्ट के फिश करी मसाले को बाजार से वापस मंगाने का आदेश जारी किया था।

MDH ग्रुप के तीन और एवरेस्ट के एक मसाला मिक्स में पेस्टिसाइड

हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने बयान जारी कर कहा कि स्ब्ष॥ ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई। वहीं रूटीन सर्विलांस प्रोग्राम के तहत एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह पेस्टिसाइड पाया गया है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को ग्रुप 1 कार्सिनोजेन के रूप में क्लासिफाई किया है। फूड रेगुलेशन के अनुसार, ह्यूमन कंजम्पशन के लिए पेस्टिसाइड वाले फूड सिर्फ तभी बेचे जा सकते हैं, जब फूड स्वास्थ्य के लिए खतरनाक या हानिकारक न हों।

वेंडर्स को सेल्स रोकने और प्रोडक्ट्स को हटाने का निर्देश

डिपार्टमेंट ने अपने स्टेटमेंट में कहा कि ष्टस्नस् ने वेंडर्स को इरेग्युलैरिटीज के बारे में सूचित किया और उन्हें सेल्स रोकने और इन प्रोडक्ट्स को हटाने का निर्देश दिया है। सेंटर फॉर फूड सेफ्टी (CFS) के निर्देशों के अनुसार, डिस्ट्रीब्यूटर्स और इम्पोर्टर्स ने प्रभावित प्रोडक्ट्स को वापस मंगाना शुरू कर दिया है।

शेयर बाजार में 200 अंक से ज्यादा की तेजीः निफ्टी में करीब 100 अंक की बढ़त, सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में तेजी 5 में गिरावट

मुंबई ● एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी सोमवार, 22 अप्रैल को तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 229 अंक की तेजी के साथ 73,317 के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

वहीं, निफ्टी में भी 85 अंक से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है। ये 22,232 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। आज के कारोबार में सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 25 में तेजी और केवल 5 में गिरावट देखने को मिल रही है।

NSE के सभी सेक्टर में तेजी

हस्श्व के सभी सेक्टोरल इंडेक्स में तेजी देखने को मिल रही है। सबसे ज्यादा क्क्स बैंक और निफ्टी रियल्टी में जहां 1.07% की तेजी है, वहीं, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 1.01% की तेजी है। इसके अलावा निफ्टी बैंक, ऑटो और फाइनेंशियल सर्विसेज जैसे सेक्टर्स में मामूली बढ़त देखने को मिल रही है।

शुक्रवार को बाजार में रही थी तेजी

पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार, 19 अप्रैल को शेयर बाजार करीब 600 अंक की तेजी के साथ बंद हुआ था। बाजार के शुरुआती कुछ घंटों में सेंसेक्स करीब 700 अंक तक नीचे जाने के बाद रिकवरी करते हुए 599 अंक बढ़कर 73,088 पर बंद हुआ था।

वहीं, निफ्टी में भी 151.15 अंक की तेजी रही, ये 22,147 के स्तर पर बंद हुआ था। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में तेजी रही और सिर्फ 8 में गिरावट देखने को मिली। शुक्रवार के कारोबार में क्क्स बैंक, प्राइवेट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली थी।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने गंभीरता से करें प्रयास : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजन

- गत लोकसभा चुनाव से कम नहीं हो मतदान प्रतिशत

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अनुपम राजन ने लोकसभा निर्वाचन-2024 के दूसरे, तीसरे और चौथे चरण में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये पूरी गंभीरता से प्रयास करने के निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिये हैं। उन्होंने पहले चरण से संबंधित लोकसभा क्षेत्रों के जिला निर्वाचन अधिकारियों से चर्चा कर मतदान की समीक्षा की। उन्होंने कम वोटिंग पर अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि अगले चरणों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये कलेक्टर्स स्वयं लीड लें। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय कलेक्टर्स की भरपूर मदद के लिये सदैव तत्पर है। राजन ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी संसदीय क्षेत्रवार निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा की।

घर-घर पहुँचायें मतदाता सूचना पर्ची

राजन ने कहा कि कलेक्टर्स यह सुनिश्चित करें कि सभी मतदाताओं के घर में मतदाता सूचना पर्ची पहुँच जायें। बीएलओ द्वारा दी गई वितरण जानकारी का सत्यापन भी करायें। मतदाता सूचना पर्ची देते समय मतदाताओं को बतायें कि मतदान करने जाते समय मतदाता पर्ची के साथ ही फोटोयुक्त वोटर आईडी कार्ड अथवा अन्य 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, पेन कार्ड, दिव्यांग यूनिक आईडी कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, मनरेगा जॉब कार्ड, पेंशन

दस्तावेज (फोटो सहित), पासपोर्ट, पासबुक (फोटो सहित बैंक/डाकघर द्वारा जारी), फोटोयुक्त सर्विस पहचान पत्र (केन्द्र/राज्य सरकार/सार्वजनिक उपक्रम/पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा जारी), सांसद, विधायक और विधान परिषद सदस्यों को जारी आधिकारिक पहचान पत्र, एनपीआर के अंतर्गत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड (श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी) में से कोई भी एक दस्तावेज लेकर जरूर जायें। मतदाता सूचना पर्ची नहीं मिलने पर भी, यदि मतदाता सूची में आपका नाम है तो आप वोट डाल सकते हैं। मतदान केन्द्र पर उपस्थित बीएलओ से आप मतदाता सूची में अपने नाम और मतदान केन्द्र की जानकारी ले सकते हैं। मतदान के एक दिन पहले बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को मतदान करने के लिये प्रेरित करें। अच्छा कार्य करने वाले बीएलओ को प्रमाण-पत्र आदि देकर प्रोत्साहित करें। स्थानीय सामाजिक संस्थाओं को भी जोड़ें। जिला निर्वाचन अधिकारियों ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिये उनके द्वारा किये जा रहे प्रयासों एवं नवाचारों की जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी इंदौर ने बताया कि मतदान केन्द्रों में कूलर लगवायें जा रहें हैं।

राजन ने कहा कि जहाँ पर एक से अधिक बैलेट यूनिट लगनी है, वहां पर इसके संचालन की पूरी ट्रेनिंग दें। जिन मतदान केन्द्रों में ज्यादा मतदाता है, वहां अतिरिक्त कर्मचारी लगायें, जिससे मतदान के लिये लम्बी कतारें न लगें। प्रशिक्षण स्थल और मतदान केन्द्रों पर जरूरी दवाईयाँ उपलब्ध करायें। मतदान केन्द्रों के वेबकास्टिंग की लगातार मॉनिटरिंग करें। स्ट्राँग रूम में सीसीटीव्ही कवरेज के साथ ही अन्य सभी मापदण्डों का पूरी तरीके से पालन करने के निर्देश दिये। स्ट्राँग रूम में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें। वेयरहाउस और सामग्री का भण्डारण की जाने वाली जगहों का निरीक्षण करें। बॉउंड ओवर की पुख्ता कार्रवाई करें। मतदान के दिन अच्छी क्वालिटी के फोटोग्रॉफ अपलोड करें। मतदान प्रतिशत की हर दो घण्टे की जानकारी मत प्रतिशत एप के माध्यम से उपलब्ध करायें।

इस दौरान अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी राजेश कुमार कौल, संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी बसंत कुर्रे, तरूण राठी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इंदौर जिले में गर्मी को देखते हुये मतदान केन्द्रों पर छाया, बैठक, पंखे-कूलर, पेयजल आदि की रहेगी पर्याप्त व्यवस्था

कलेक्टर आशीष सिंह ने नगर निगम आयुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

इन्दौर। इंदौर जिले में 13 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के मतदान के लिए व्यापक तैयारियां जारी है। जिले में गर्मी को देखते हुये मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की सुविधा के लिए छाया, बैठक, पंखे-कूलर, पेयजल आदि की पर्याप्त व्यवस्थाएं रखी जायेगीं। दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं के लिए भी विशेष इंतजाम रहेंगें। इन व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए आज कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह तथा नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने शहर के विभिन्न मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान इन्होंने निर्देश दिये कि मतदान केन्द्रों पर उक्त सभी व्यवस्थाएं आवश्यक रूप से की जाये। इन व्यवस्थाओं में विभिन्न संस्थाओं और संगठनों की मदद भी ली जाये।

निरीक्षण के दौरान नगर निगम के अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर, अधीक्षण यंत्री डीआर लोधी तथा महेश शर्मा, क्षेत्रीय झोनल अधिकारी, सीएसआई व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह तथा नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने आगामी लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत शहर में अधिक से अधिक मतदान बढ़ाने के उद्देश्य से किये जा

रहे कार्यों के साथ ही शहर में स्थित विभिन्न मतदान केन्द्रों की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने रेसीडेंसी एरिया, मूसाखेड़ी क्षेत्र, मयूर नगर, मालवा मिल क्षेत्र, पंचम की फेल व अन्य स्थानों पर स्थित मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया। मतदान केन्द्रों पर शहर के सामाजिक, शैक्षणिक, व्यापारिक व विभिन्न संस्था/संगठनों के माध्यम से 13 मई 2024 मतदान दिवस पर उपरोक्त व्यवस्थाऐं सुनिश्चित कराने के संबंध में संबंधितों को निर्देशित किया। बताया गया कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह की पहल पर शहर के मार्केटिंग एसोसिएशन के साथ-साथ होटल, मॉल, रेस्टोरेन्ट, व्यापारिक संगठनों के साथ 23 अप्रैल 2024 को शाम 4 बजे सिटी बस आफिस में बैठक आयोजित की गई है। इस बैठक में मतदाताओं को जागरूक करने के संबंध में चर्चा की जायेगी।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एंव जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने कहा कि शहर में अधिक से अधिक मतदान को दृष्टिगत रखते हुए, विभिन्न अभियान चलाये जा रहे है। ग्रीष्मकाल को देखते हुए मतदाताओं एवं मतदान दल को बेहतर सुविधाऐं उपलब्ध हो इसको लेकर मतदान केन्द्र पर शेड व्यवस्था, टेन्ट व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, बैठक व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिये गये।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष सिंह ने मतदान केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान चुनाव आयोग के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों पर की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इसके साथ ही मतदान केन्द्रों पर दिव्यांग एवं बुजुर्ग मतदाताओं के लिऐ रैम्प/व्हील चेयर, मतदान केन्द्र तक पहुंच मार्ग, प्रत्येक मतदान दल एवं मतदाता को स्वच्छ पेयजल, मतदान दल के केन्द्र पर मतदान आने से जाने तक पेयजल की पूर्ति, प्रत्येक मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त प्रकाश/विद्युत व्यवयस्था, शौचालय सुविधा, मतदान केन्द्र में स्थित कक्षों की सफाई के साथ ही निर्वाचन से संबंधित आवश्यक सूचना पटल आदि कार्यों का भी निरीक्षण किया गया।

भोपाल के महाविद्यालयों 'कौन बनेगा वोटर नम्बर वन' मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

भोपाल। मध्य प्रदेश में कुल कितनी लोकसभा सीट हैं ? वर्तमान में हो रहे आम चुनाव कौन सी लोकसभा के लिए है ? चुनाव प्रचार अभियान कब बंद किया जाता है ? ऐसे रोचक सवालों से चुने जा रहे टॉप 10 युवा मतदाता। युवा मतदाताओं को जागरूक करने उनमें मतदान के प्रति रुझान पैदा करने और भोपाल मे वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन भोपाल द्वारा SVEEP के अन्तर्गत भोपाल के महाविद्यालयों 'कौन बनेगा वोटर नम्बर वन' मल्टीमीडिया क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज आनंद विहार महिला महाविद्यालय तुलसी नगर, भोपाल के सभागार में छात्राओं एवं शिक्षकों के लिए मल्टीमीडिया क्विज आयोजित की गई।

छात्राओ के साथ - साथ प्राध्यापकों का जोश मतदान के प्रति उत्साह को प्रदर्शित कर रहा था। हॉट सीट पर बैठे बच्चे बड़ी आतुरता से प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। वहीं दर्शकों के लिए राउंड दर्शक दीर्घा में बैठे बच्चे और प्राध्यापक दे अपना नाम लकी ड्रा के लिए पक्का कर रहे थे। 'अब बताओ तो जाने' चैलेंज राउंड में बच्चों के साथ शिक्षकों ने भी चैलेंज स्वीकार कर बिना प्रश्न देखे जवाब देने खड़े हो गए। 2 घंटे चली इस रोचक प्रतियोगिता से छात्राओं ने मतदान के महत्व और चुनावी प्रक्रिया संबंधी जानकारी प्राप्त की।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.मधु मिश्रा ने सभी को मतदान की शपथ दिलाई एवं सभी को वोट देने जाने का आव्हान किया। क्विज मे प्रिया मिश्रा, नेहा शेख, लक्ष्मी, संजना विश्वास, ऐश्वर्या भावसार, सुभाना,वेदिका सक्सेना, नाज़िया, रूपल झागरे और चेतना परमार ने टॉप 10 में स्थान बना क्विज के मेघा राउंड में प्रवेश किया। क्विज का संचालन रविकान्त ठाकुर, स्वीप समन्वयक एवं मोहन मालवीय,भोपाल ने किया।

लोकतंत्र के यज्ञ में, दे वोट रूपी आहुति : रामअवतार सिंह

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। जनपद में 07 मई को शत-प्रतिशत मतदान कराने के लिए संकल्पित जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी अंकित अस्थाना के मार्गदर्शन में मतदान की अलख-ज्योति जगाने के लिए बीआरसी कार्यालय अम्बाह के मार्गदर्शन में अशासकीय स्कूलों के छात्र-छात्राओं एवं स्टाफ व्दारा ऐतिहासिक मतदाता जागरूकता रैली निकाली गयी, जिसमें सैकड़ों स्कूली बच्चो ने सहभागिता की

इस अवसर पर मतदान आधारित गीत व विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से मतदाताओं को 07 मई को मतदान करने के लिए प्रेरित व जागरूक किया गया। इस दौरान सीएम राइज स्कूल विद्यालय अम्बाह, श्री टेकचंद जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबाह, करण इंटरनेशनल स्कूल अंबाह के बच्चे व स्टाफ शामिल था। रैली में पूरे रास्ते भर- बने अम्बाह की शान, करें 07 मई को मतदान। आओ मिलकर अलख जगाए, शत प्रतिशत मतदान कराए, मेरा अम्बाह मेरी शान, 07 मई को करें मतदान,अम्बाह ने ठाना है, 07 मई को मतदान कराना है।, सशक्त लोकतंत्र के लिए, हर एक वोट जरूरी होता है। 07 मई को वोट डालने जाना है, अपना कर्तव्य निभाना है। अम्बाह के /जनजन का ये नारा है, मतदान अधिकार हमारा है। लोकतंत्र में अपनी भागीदारी निभाए, मतदान करने अवश्य जाए। हे मतदाता, वोट देकर तुम बनो भाग्य विधाता। 07 मई को मतदान कर, लोकतंत्र को मजबूत बनाये। आदि नारों की गूज से मतदाताओं को जागरूक किया गया।

आयोजन में बीआरसी रामावतार सिंह सिकरवार ने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में सबकी भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि इलाके के फस्ट टाईम युवा वोटर, महिला, दिव्यांगजन, सीनियर सिटिजन, सहित आम मतदाता लोकसभा निर्वाचन में बढ़-चढ़कर वोट करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महायज्ञ में सभी अपने वोट रूपी आहुति देना सुनिश्चित करें, तभी यह लोकतंत्र का उत्सव सफल बनेगा। उन्होंने कहा कि आज इस ऐतिहासिक व सफल मतदाता जागरूकता रैली को निकालकर स्वीप के उद्देश्यों को साकार किया गया हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र के इस महापर्व में एक-एक वोट से सबकी भागीदारी सुनिश्चित होती है। 07 मई को वोट डालने जाना है, अपना कर्तव्य निभाना है।

शेमारू उमंग के शो 'किस्मत की लकीरों से' के अभिनेता प्रतीक परिहार ने 'गुलाल' को लेकर किए ये खुलासे

शेमारू उमंग का लोकप्रिय शो 'किस्मत की लकीरों से' अपनी मनोरंजक कहानी और बेहतरीन किरदारों के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने में कोई कमी नहीं छोड़ रहा है। इस बार भी शो में दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने वाला मनोरंजक ट्विस्ट कहानी में जल्द सामने आएगा। शो में एक नयी ऊर्जा के साथ एक नया किरदार दर्शकों को नजर आ रहा है, जो प्रतिभाशाली अभिनेता प्रतीक परिहार निभा रहे हैं। वे शो में 'गुलाल' का किरदार निभा रहे हैं। इस बारे में प्रतीक परिहार से हुई एक खास बातचीत में उन्होंने अपने किरदार के बारे में कई बड़े खुलासे किए।

प्रतीक ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, 'किस्मत की लकीरों से शो में गुलाल का किरदार निभाना मेरे लिए अभिनय के एक नए क्षेत्र में कदम रखने जैसा है। यह किरदार बहुत ही रोचक है, जिसके कई लेयर्स हैं और यह दर्शकों को अपनी कहानी से बांधे रखेगा। मैं इस किरदार के लिए हाँ कहने से खुद को रोक नहीं पाया। गुलाल के साहसी और विनोदी व्यक्तित्व को निभाना मेरे लिए एक चुनौती थी। यह एक ऐसा किरदार है, जो अभिनेता के रूप में मुझे अपनी सीमा से आगे बढ़ने की अनुमति देता है और मैं भी ऐसे ही अलग किरदार की तलाश मैं था। यही कारण है कि मैंने इस अनोखे किरदार को निभाना सही समझा।'

उन्होंने अपने व्यक्तित्व और किरदार की समानताओं पर बात करते हुए कहा, 'मुझमें और मेरे किरदार में कई सारी समानताएँ हैं, जैसे मेरे व्यक्तित्व में सहजता है जो मेरे किरदार में भी देखने को मिलती है। यह बात हम दोनों के बीच एक सहज संबंध बनाती है। अनफिल्टर्ड डायलॉग्स से लेकर पारंपरिक खान-पान तक हम हमारी आदतें और शौक लगभग समान हैं। यह किरदार दर्शकों को हँसी और भावनाओं के रोलरकोस्टर की सवारी कराएगा और 'किस्मत की लकीरो से' शो में और दर्शकों पर अपनी अलग छाप छोड़ेगा।'

देखते रहिए 'किस्मत की लकीरों से' शो हर सोमवार से शनिवार, रात 8:30 बजे सिर्फ शेमारू उमंग पर।

सभी अभ्यर्थी आचार संहिता के नियमों का पालन करें : जिला निर्वाचन अधिकारी

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अंकित अस्थाना ने सभी एआरओ एवं अभ्यर्थियों एवं उनके प्रतिनिधियों की बैठक ली एवं उनके सामने सभी 15 अभ्यर्थियों के नाम एवं चुनाव चिन्ह पढ़कर सुनाये।

कलेक्टर अंकित अस्थाना ने बताया कि 19 अप्रैल को नामांकन जमा करने की अंतिम तारीख थी, 20 अप्रैल को संवीक्षा के बाद 16 नामांकन शेष बचे। जिनमें से आज एक नामांकन वापस होने के वाद 15 अभ्यर्थी शेष बचे है। उन्होंने कहा कि चुनाव की प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से पूरी की जायेगी। सभी अभ्यर्थी भी चुनाव आयोग के नियमावली को पढ़कर नियम समझ ले। किसी भी प्रकार के प्रचार-प्रसार के लिये पहले संबंधित विभाग से अनुमति लें। ध्यान रखें कि आचार संहिता का किसी भी प्रकार से उल्लंघन न हो। व्यय से जुड़ी जानकारी अच्छे से समझ लें। बैठक में सामान्य प्रेक्षक डॉ. कौरा लक्ष्मी, सभी सहायक रिटर्निंग ऑफीसर, अभ्यर्थी एवं प्रतिनिधि मौजूद थे एवं श्योपुर कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड वर्चुअली जुड़े हुये थे।

मनोरंजन के अपने डेली डोज के लिए तैयार हो जाइए... डीडी फ्री डिश पर ज़ी लेकर आ रहा है एक नया मूवी चैनल ज़ी अनमोल सिनेमा 2

एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट - अपनी रोजमर्रा की भागदौड़ और व्यस्त जिंदगी के तनाव से छुटकारा पाने के लिए सबकी बस यही एक जरूरत होती है। ऐसे में डीडी फ्री डिश पर अलग-अलग कार्यक्रमों की बेतहाशा मांग को पूरा करने के लिए एक नया हिंदी मूवी चैनल ज़ी अनमोल सिनेमा 2 आ रहा है। ज़ी के व्यापक लाइनअप में यह बिल्कुल नया चैनल 26 अप्रैल से डीडी फ्री डिश चैनल नंबर 73 पर उपलब्ध होगा।

ज़ी अनमोल सिनेमा 2 को 15-30 साल की उम्र के दर्शकों को आकर्षित करने के लिहाज से तैयार किया गया है। युवा दर्शकों की बढ़ती रुचि और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए, यह चैनल साउथ की डब और हिंदी फिल्मों का एक जोरदार मिश्रण पेश करता है, जो दर्शकों को दोनों फिल्म उद्योगों के मनोरंजन से जोड़े रखेगा। जहाँ युवा ग्रामीण दर्शकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए कोई दूसरा हिंदी फिल्म चैनल नहीं है वहीं ज़ी अनमोल सिनेमा 2 ने इस बात का खास ख्याल रखा है। इस चैनल का लक्ष्य दर्शकों के साथ व्यक्तिगत रूप से जुड़कर, 'नए भारत का नया साथी' के रूप में एक खास पहचान बनाकर इस कमी को पूरा करना है।

ज़ी हिंदी मूवीज़ क्लस्टर के बिजनेस हेड - रुचिर तिवारी ने कहा, ज़ी अनमोल सिनेमा 2 हमारे लाखों भारतीय दर्शकों की अलग-अलग पसंद को ध्यान में रखते हुए मनोरंजन प्रदान करने की हमारी अटूट प्रतिबद्धता की एक मिसाल है। यह चैनल युवा दर्शकों के नजरिए और उनके जज्बातों को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। हम जो कुछ भी करते हैं, उसके जरिए हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि दर्शक कभी मनोरंजन के अपने डेली डोज से अछूते ना रहें।

300 से ज्यादा फिल्म टाइटल्स के व्यापक संग्रह के साथ, इस चैनल का लक्ष्य देश भर में लाखों डीडी फ्री डिश दर्शकों के लिए टेलीविजन देखने के अनुभव को बेहतर बनाना है।

26 अप्रैल से ज़ी अनमोल सिनेमा 2 देखिए और अपने घरों के सुकून भरे माहौल में मनोरंजन की दुनिया में खो जाइए।

महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में आमंत्रण के लिए वितरित किए पीले चावल

भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में गांवों में किया सघन जनसंपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। महिला मोर्चा द्वारा गत दिवस भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के

पक्ष में सघन जनसंपर्क किया गया। इसके साथ ही महिला मोर्चा की पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने आगामी 25 अप्रैल को मुरैना आ रहे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए महिलाओं को पीले चावल भेंट किए। इस दौरान महिला मोर्चा की महिलायें ग्राम बरेथा, पृथ्वी सिंह का पुरा, चक्रपान का पुरा, पंचा का पुरा आदि में पहुंचीं जहाँ उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के आगमन पर आयोजित जनसभा में पहुंचने का आग्रह सभी महिलाओं से किया। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के पक्ष में मतदान करने का आग्रह सभी महिलाओं से किया। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं को पूरा सम्मान दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नारीशक्ति का विशेष सम्मान करते हैं। भारतीय जनता पार्टी सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। कांग्रेस के पास न तो कोई नीति है और न ही उनकी नीयत साफ है। इसी का परिणाम है कि कांग्रेस पूरे देश से साफ होती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे देश का सम्मान समूचे विश्व में बढ़ाया है। आज अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस, इंग्लैण्ड जैसी शक्तियां भारत को अनदेखा नहीं कर सकतीं। सभी महिलाओं ने आग्रह किया कि आगामी 07 मई को वे भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करें।

इस अवसर पर श्रीमती ममता तोमर प्रभारी, श्रीमती कृष्णा मोहिनी परमार महिला मोर्चा अध्यक्ष जींगनी, श्रीमती अर्चना बघेल आदि मौजूद थीं।

भाजपा नेताओं ने नगर में किया जनसंपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। मुरैना-श्योपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर के समर्थन में उनके छोटे भाई चन्द्रपाल सिंह तोमर सहित अनेक भाजपा नेताओं ने नगर में सघन जनसंपर्क किया। जनसंपर्क के दौरान सभी भाजपा नेताओं ने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे आगामी 07 मई को भाजपा प्रत्याशी श्री तोमर के पक्ष में मतदान करें। भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 10 वर्ष के शासनकाल में भारत का मान समूचे विश्व में बढ़ाया है। आज भारत की बात को विश्व का कोई भी देश अनसुनी नहीं कर सकता। जहाँ तक विकास की बात है तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में समूचे देश में हजारों विकास कार्य हुए हैं। कश्मीर में धारा 370 खत्म की गई है। भारतीय सेना को आधुनिक बनाया है। आज हमारा सैनिक पूर्ण गर्व के साथ अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि इसके ठीक विपरीत कांग्रेस के नेता जिनके पास न दशा है और न ही दिशा वे लोग सिर्फ और सिर्फ हमारे प्रधानमंत्री मोदी को बदनाम करने में लगे हुए हैं। लेकिन देश की जनता सबकुछ जानती है। इस बार भारतीय जनता पार्टी पहले से अधिक सीटें लेकर केन्द्र में तीसरी बार अपनी सरकार बनायेगी। इस अवसर पर पूर्व विधायक राकेश मावई के भाई रविन्द्र सिंह मावई, श्रीमती मधु डण्डौतिया, भूरा सिंह सिकरवार, रामवीर कंषाना सहित अनेक लोग मौजूद थे।

प्रनवउँ पवनकुमार खल बन पावक ग्यान घन। जासु हृदय आगार बसहिं राम सर चाप धर॥

अष्टसिद्धियाँ नौ निधियों के दाता भक्त शिरोमणि संकटमोचन भगवान श्रीहनुमान जी का प्रकाटोसव (जयंती): 23 अप्रैल 2024

ज्योतिर्विद् पं. रमेश चौरसिया

जिन जातकों की जन्म कुंडली में शनि, राहु, केतु, या मंगल अशुभ हों या जिनकी शनि साढ़ेसाती, ढैय्या या शनि मंगल छठे आठवें, एवं बारहवें भाव मे हो तो वे हनुमान जी के मंत्रों का पाठ प्रतिदिन करें

पौराणिक मान्यताओं के आधार पर कहते हैं कि कलयुग में भगवान श्री हनुमान जी एवं माता दुर्गा की ही पूजा होगी, क्योंकि ये साक्षात् चिरंजीवीदेवता है। तदानुसार भगवान शिव के 11वें अंश(रुद्र) श्री हनुमान का जन्म माता अंजनी की कोख से चैत्र शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को हुआ था। इसीलिए चैत्र शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में जाना जाता है। चैत्र पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ पंचांग के अनुसार 23 अप्रैल 2024 को सुबह 3:25 बजे से शुरू होगी, और 24 अप्रैल 2024 को सुबह 5:18 बजे समाप्त होगी। इस कारण से हनुमान जयंती 23 अप्रैल को चित्रा नक्षत्र दिन मंगलवार को मनाई जाएगी। अतः आप 23 अप्रैल को प्रातः3:25 से लेकर 24 अप्रैल को प्रातः 5:18 के बीच हनुमान जी की पूजा कर सकते हैं। इस समयकाल में पूरे दिन शुभ मुहूर्त रहेगा। पूजा में चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर चोला चढ़ाएं, लाल /पीले फूल, जनेऊ गुलाब का इत्र अर्पित करें। गुड़ चने या शुद्ध घी की बूंदी के लड्डुओं का भोग लगाएं और प्रसाद वितरण करें। इन्हें सप्त चिरंजीवियों में स्थान प्राप्त है, ऐसी पौराणिक मान्यता है कि जहां भगवान श्री राम की कथा होती वहां यह सशरीर भक्त जनों के मध्य अवश्य ही उपस्थित रहते है।

अष्टसिद्धियाँ नौ निधियों के दाता श्रीराम कथा से अतिशीघ्र प्रसन्न होते हैं। संसार में ऐसी कोई इक्छा व पदार्थ नही है जिसकी पूर्ति अखंड ब्रहमचारी न कर सकें वस जरूरत है तो पूर्ण भक्तिभाव और निष्ठा से सुमिरन की।

जिन जातकों की जन्म कुंडली मे शनि, राहु, केतु, या मंगल अशुभ फल कर रहे हों या जिनकी शनि साढ़ेसाती, ढैय्या या शनि मंगल छठे आठवें, एवं बारहवें भाव में बैठे हो या उन भावों के स्वामी हो तो उन्हें हनुमान जी के मंत्रों का पाठ प्रतिदिन करना चाहिए।

वैसे तो हनुमान जी के सभी मंत्र, स्त्रोत्रों में हनुमान चालीसा, वज्रांग वाण, हनुमान अष्टक, सुंदरकांड, हनुमान बाहुक, हनुमत शत्रुजय स्त्रोत्र आदि का वहुत महत्व है, परंतु हनुमान चालीसा का अत्यंत महत्व है क्योंकि यह सरल और वोधगम्य भाषा में श्री तुलसीदास जी द्वारा विरचित है।

हमें हनुमान जयंती के दिन कम से कम 11 बार हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करना चाहिए, क्योंकि इसमें हनुमान जी के बाल्य काल के शौर्य का वर्णन किया है। इसका पाठ आपकी सभी मनोकामनाएं की पूर्ति करेगा। पूर्ण शुद्ध होकर एवं मनोयोग से पाठ करने से जीवन के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

जन्म राशि अनुसार हनुमान मंत्रों का प्रयोग

मेष, वृष और मिथुन राशि वाले हनुमान जयंती के मौके पर 'ऊं सर्व दुःखहराय नमः' का जप करना फलदायी होगा।

कर्क, सिंह और कन्या राशि के लोग इस हनुमान जयंती पर 'ऊं परशौर्य विनाशन नमः' का जप करने से सारी बाधाएं दूर हो जाएंगी।

तुला, वृश्चिक और धनु राशि के जातक 'ऊं मनोजवया नमः' और 'ऊं लक्ष्मणप्राणदात्रे नमः' का जप सफल रहेगा।

मकर, कुंभ और मीन राशि के जातक इस हनुमान जयंती पर 'ऊं सर्वग्रह विनाशी नमः' का जप करना शुभ रहेगा

आपके जीवन की सभी कष्टों के निवारणार्थ हनुमान चालीसा की अनुदित चौपाइयों के सरल प्रयोग अज्ञात भय निवारणः

'सव सुख लहैं तुम्हारी शरना'

यदि आपकी जन्म पत्रिका में चंद्र ग्रह कमजोर है और आपको कोई अज्ञात भय सता रहा है या किसी दुराचारी के कारण आप परेशान है तो इस हेतु उक्त चौपाई का यथाशक्ति पाठ अवश्य करें।

भूत बाधा निवारण

भूत पिसाच निकट नहीं आवे

इस मंत्र का जाप मूंगे की माला से किया जाय तो तुरंत लाभ होगा।

रोग नाश हेतु

नासै रोग हरे सव पीरा

इस चौपाई का पाठ आपकी गंभीर वीमारी से छुटकारा दिलाएगी ।हनुमान जी सवाकिलो चूरमा का प्रसाद चढ़ाएं।

मनोकामना पूर्ति हेतु

दुर्गम काज जगत के जेते...

उक्त चौपाई के पाठ करते समय यदि मंगलवार हो हनुमान जी को सिंदूर का चोला अवश्य चढ़ाए।

आकस्मिक संकट के निवारण हेतु

संकट मिटे हरे सव पीरा

या

संकट ते हनुमान छुड़ावैं

गुरु समान मार्ग दर्शन हेतु

जै जै हनुमान गुसाई

हनुमानजी के मंदिर में श्रीफल चढ़ाकर इस चौपाई का यथा शक्ति पाठ करें।

शनि ग्रह की पीड़ा निवारण हेतु मंगल दोष के निवारण हेतु।

हनुमान चालीसा का प्रतिदिन पाठ करें तथा मंगलवार और शनिवार को सुंदरकांड का पाठ करें तथा सिंदूर का चोला चढ़ावें। चूरमा का भोग लगायें।

श्री हनुमातलाल जी आपका मंगल

कांग्रेस शिलान्यास कर भूली, भाजपा राज में बना उसैद घाट पुल

भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह का अम्बाह विस के दो दर्जन गांवों में सघन जनसंपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार सबका साथ, सबका विकास के ध्येय के साथ सर्वहारा वर्ग के कल्याण को काम कर रही है। तंवरघार को उत्तरप्रदेश के पिनाहट से जोड़ने वाले उसैदघाट पुल का शिलान्यास कांग्रेस के पूर्व पीएम स्व. राजीव गांधी ने किया था। जिसके बाद कांग्रेस की सरकारें पुल का निर्माण कराना भूल गईं। अब भाजपा के शासन में चंबल नदी के उसैदघाट पर पक्के पुल का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर है।

यह बातें मुरैना-श्योपुर सीट से भाजपा के प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर ने जनसंपर्क के दौरान मतदाताओं से कहीं।

श्री तोमर ने सोमवार को अंबाह विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अधनपुर, बीजलीपुरा, पालि, पालि का पुरा, लुखरियाई, रावतकी, सेंथरा, श्यामपुरा, पठ, गोले की गढ़ी, बनबरिया, परीक्षत का पुरा सहित अन्य गांवों में पहुंचकर ग्रामीण क्षेत्र के मतदाताओं से संवाद कर आशीर्वाद मांगा।

जनसंपर्क के दौरान हुई नुक्कड़ सभाओं में भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर ने कहा कि केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के 10 साल में कार्यकाल में मुरैना संसदीय क्षेत्र में सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में अप्रत्याशित सुधार हुआ है। कोरोनाकाल में अंबाह, पोरसा सहित जिले भर के अस्पतालों में ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किए गए। सीटी स्कैन मशीन के आने से अब अम्बाह क्षेत्र के मरीजों को मुरैना नहीं जाना पड़ता। उन्होंने कहा कि तंवरघार की जनता लंबे समय से उसैद-पिनाहट पुल के निर्माण की मांग कर रही थी। जनता की यह मांग भाजपा के शासन में पूरी होने जा रही है। उसैदघाट पर पक्के पुल के निर्माण का कार्य अंतिम चरण में है। इस पुल के बनने से तंवरघार के लोगों को यूपी के आगरा, फिरोजाबाद सहित अन्य शहरों तक जाने के लिए आवागमन की सुविधा मिलेगी। भाजपा प्रत्याशी श्री तोमर ने केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, उज्जवला, मुद्रा सहित अन्य योजनाओं के बारे में बताते हुए मतदाताओं से 07 मई को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

जनसंपर्क के दौरान उनके साथ पूर्व विधायक सत्यप्रकाश सखवार, जिला उपाध्यक्ष साहब सिंह तोमर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गजेन्द्र सिंह तोमर, मंडल अध्यक्ष सुरेन्द्र कक्का, पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष साधु राठौर, वरिष्ठ नेता बच्चूलाल गुप्ता, रामसेवक तोमर, अजीत सिंह तोमर, खेमसिंह भदौरिया, गिरधारी सिंह आदि मौजूद थे।

25 अप्रैल को नरेन्द्र मोदी की सभा में पहुंचनें की अपील की

सोमवार को जनसंपर्क के दौरान भाजपा प्रत्याशी शिवमंगल सिंह तोमर ने अम्बाह क्षेत्र के मतदाताओं से संवाद करते हुए उन्हें 25 अप्रैल को मुरैना में होने वाली पीएम नरेन्द्र मोदी की जनसभा के बारे में बताया और अधिक से अधिक संख्या में जनसभा में शामिल होने की अपील की।

भाजपा किसी भी तरह सत्ता हथियाना चाहती है: जसविंदर सिंह

इण्डिया गठबंधन की प्रेसवार्ता में माकपा केन्द्रीय कार्यसमिति सदस्य ने कहा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। भारत में इन दिनों हो रहे लोकसभा चुनाव पर देश ही नहीं अंर्तराष्ट्रीय समुदाय की नजरें गढ़ी हुईं है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव का बयान कि भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था खतरे में है। केन्द्र की भाजपा सरकार संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करने करने का प्रयास कर रही है। भ्रष्टाचार को खत्म करने की बात कहने वाली भाजपा अब भ्रष्टाचारी जुटाओ पार्टी बन गई है। भाजपा देश के संविधान को बदलने के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश में लगी है। यह बात मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के केन्द्रीय कार्यसमिति के सदस्य जसविंदर सिंह ने कही। वे सोमवार को होटल शिवाय में इण्डिया गठबंधन के बैनर तले पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। प्रेसवार्ता में उनके साथ माकपा के अशोक तिवारी, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हितकिशोर गुप्ता भी मौजूद थे। प्रेसवार्ता में जसविंदर सिंह ने कहा कि मोदी सरकार देश की पहली ऐसी सरकार है, जिसे न्याय पालिका पर भी यकीन नही है। यही वजह है कि केन्द्र सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को भी धता बता दिया। उन्होंने केन्द्र की मोदी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के कैम्पेन से लग रहा है कि 2024 चुनाव भाजपा नहीं नरेन्द्र मोदी लड़ रहे हैं। शायद यही वजह है कि वे 10 साल की सरकार की उपलब्धियों को बताने की जगह अपनी गारंटी को झांसा देकर जनता से वोट मांग रहे है। जसविंदर सिंह ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी, अमित शाह दूसरे दलों के जिन नेताओं को भ्रष्टाचारी कहते थे, आज वे भाजपा में शामिल हो गए है। फिर चाहे महाराष्ट्र में अजीत पवार हो या असम के सीएम हेमंत विस्वा शर्मा। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलाने और संविधान के निर्माण में भाजपा का कोई योगदान नहीं रहा था। इतिहास को बदलने के लिए भाजपा संविधान को बदलकर लोकतांत्रिक व्यवस्था को खत्म करने की कोशिश में जुटी है।

सात वर्ष तक लिवइन में रखा लड़की को, अब कर दिया शादी से इंकार, फरियादिया ने पुलिस अधीक्षक को दिया ज्ञापन

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। नदीपार टाल मुरार निवासी 30 वर्षीय युवती ने शांतिनगर बानमोर निवासी मोनू पुत्र जगदीश कड़ेरा (राजपूत) पर शादी का झांसा देकर जबरन शारीरिक संबंध बनाने तथा बाद में शादी करने से मना करने व जातिसूचक गालियां देने का आरोप लगाते हुए पुलिस से मांग की है कि आरोपी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज किया जाए। इस संबंध में पीड़ित महिला द्वारा पुलिस अधीक्षक को आवेदन भी दिया गया है। अपने आवेदन में उक्त महिला ने कहा है कि मैं और आरोपी मोनू माइक्रो फायनेंस कंपनी में एक साथ काम करते थे। मेरा सात वर्ष पूर्व इससे संपर्क हुआ। उस समय मोनू ने मुझे भरोसा दिलाया कि मैं तेरे साथ शादी करूंगा। बाद में मोनू ने उसे मुरार में ललित कुशवाह के मकान में किराए से रखा और उसकी इच्छा के विरुद्ध शारीरिक संबंध स्थापित किए। बाद में मैंने इससे विवाह के लिए कहा तो यह टालमटोल करता रहा। अब आरोपी द्वारा 23 अप्रैल को किसी अन्य लड़की के साथ विवाह किया जा रहा है। मैंने 11 अप्रैल को बानमोर में मोनू से मिलकर उससे कहा था कि तुमने मुझे शादी का भरोसा दिया लेकिन अब तुम शादी क्यों नहीं कर रहे हो तो उसने मेरा जातीय अपमान किया और शादी करने से मना कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने मुझे धमकी भी दी कि यदि वह पुलिस में रिपोर्ट करेगी तो मैं उसे जान से मरवा दूंगा। फरियादिया ने पुलिस अधीक्षक से कहा है कि उसके पास छायाचित्र व कॉल रिकॉर्डिंग मौजूद हैं। फरियादिया ने आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की है।

4 तमंचे और कारतसों के साथ चार बदमाश गिरफ्तार

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। सिविल लाईन थाना पुलिस ने रविवार को सिकरोदा रेलवे पुल के पास से दीपक गुर्जर पुत्र जण्डेल सिंह गुर्जर निवासी बड़ापुरा दिमनी को पकड़ा। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 315 बोर कट्टा और जिंदा राउण्ड जब्त किए है। एक अन्य कार्रवाई में रिठौराकलां थाना पुलिस ने राजू बघेल पुत्र भारत सिंह निवासी रिठौरा को 12 बोर कट्टा और जिंदा राउण्ड के साथ गिरफ्तार किया। निरार पुलिस ने घन्सू पुत्र शिवचरन गुर्जर नि. चांचुल को 315 बोर कट्टा और एक जिंदा राउण्ड के साथ पकड़ा। इसी क्रम में सुमावली पुलिस ने अनिल सिंह पुत्र अमर सिंह कुशवाह नि. शहदपुर को 315 बोर कट्टा और जिंदा राउण्ड के साथ गिरफ्तार किया। आरोपियों के विरुद्ध संबंधित थानों की पुलिस ने आर्म्स एक्ट की धाराओं में केस दर्ज कर लिए है।

रघुपति प्रिय भक्तं बात जातं नमामि्

आज मनेगा हनुमान जी का जन्मोत्सव

हनुमान चौराहा के हनुमान मंदिर पर फूलबंगला व छप्पन भोग का आयोजन होगा

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। पवन पुत्र हनुमान की जयंती आज मंगलवार को पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ मनाई जायेगी। इस बार हनुमान जयंती के दिन मंगलवार भी पड़ रहा है, इसलिए इसका और भी महत्व बढ़ जाता है। हनुमान जयंती के अवसर पर नगर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। हनुमान चौराहे वाले हनुमान जी, बड़ोखर स्थित हनुमान मंदिर, खाकी बाबा की बगीची, गुफा मंदिर, पुलिस लाइन स्थित हनुमान मंदिर, 14 फुटा हनुमान जी आदि मंदिरों पर हनुमान जयंती मनाने की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं। इसके साथ ही घरौना हनुमान मंदिर करह धाम सहित जौरा, कैलारस, सबलगढ़, अम्बाह, पोरसा, पहाड़गढ़, दिमनी, बानमोर आदि में भी हनुमान जयंती मनाई जायेगी। इस अवसर पर अनेक स्थानों पर भजन कीर्तन सहित सुन्दरकाण्ड तथा हनुमान चालीसा का पाठ भी होगा।

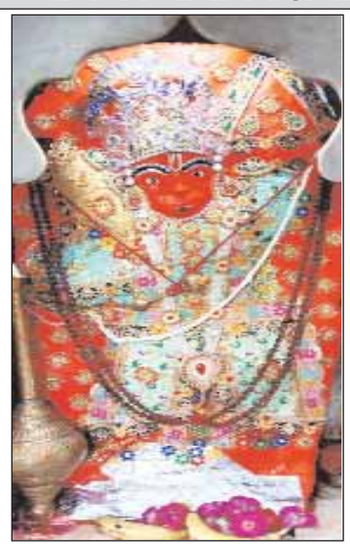

हनुमान चौराहे वाले हनुमान जी पर लगेंगे छप्पन भोगक

हनुमान जयंती के पावन अवसर पर हनुमान चौराहा स्थित हनुमान मंदिर पर फूलबंगला व छप्पन भोग का आयोजन किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए मंदिर के पुजारी सतीश चतुर्वेदी ने बताया कि प्रातः की बेला में हनुमान जी महाराज का चोला चढ़ाया जाएगा। तत्पश्चात् आरती व कार्यक्रम होगा। दोपहर बाद फूलबंगला तथा शाम को छप्पन भोग, सुन्दरकाण्ड तथा अन्नकूट प्रसादी का वितरण भक्तों को किया जाएगा। उन्होंने सभी भक्तों से कार्यक्रमों में उपस्थित रहने की अपील की है।

व्यय प्रेक्षक धनंजय बेंकट कदम से इस नंबर 7224022709 पर होगा संपर्क

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। लोकसभा निर्वाचन 2024 के लिए व्यय प्रेक्षक धनंजय बेंकट कदम मुरैना सर्किट हाउस के ककनमठ कक्ष में ठहरे हुए हैं। व्यय प्रेक्षक का मोबाइल नंबर 7224022709 है। व्यय प्रेक्षक सुबह 10 से 11 बजे तक मिल सकेंगे।

पौधे लगाकर उल्लसित करें धरती का मन,अनमोल है प्रकृति का कण-कण

- पृथ्वी दिवस पर, वैदिक पद्धति से आचार्य आनंद टीम ने किया पृथ्वी माँ का पूजन, पक्षियों के लिए रखे पानी के सकोरे

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/अम्बाह। पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में मध्य प्रदेश राज्य आनंद संस्थान आनंद विभाग से संबद्ध आचार्य आनंद टीम द्वारा चंबल के किनारे, किसरौली धाम बगिया में वैदिक पद्धति से पृथ्वी माँ का पूजन अर्चन किया गया, साथ ही माँ धरती के द्वारा प्रदान किये जा रहे जीवन के सुख साधनो के लिए, धरती के प्रति आभार व्यक्त किया। आनन्दक दुष्यंत सिंह तोमर और अरविंद मावई के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी एवं मास्टर ट्रेनर मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान सुधीर आचार्य ने 'अधिकाधिक पेड़ लगाना है, धरती का मन उल्लसित बनाना है' का नारा बुलंद किया। सुधीर आचार्य ने आगे कहा कि धरती का धरती के जीवों को सबसे बड़ा उपहार हर प्रकार के वृक्ष हैं,जो हमारे जीवन का प्राणाधार हैं। बिना ऑक्सीजन के जीवन की कल्पना की असंभव है। इसके साथ ही विभिन्न तरह की खाद्य सामग्री औषधीय पौधे हमें प्रकृति के माध्यम से मिलते हैं, ऐसी निष्पक्ष, भेदभाव से परे उदारमना, दयालु, कृपालु पृथ्वी के प्रति हम आजीवन कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, उसके सौन्दर्य को संरक्षण, पोषण और सम्वर्धन देना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में सर्वप्रथम आचार्य अंतिम के सभी सदस्यों ने मित्रों के साथ धरती माँ का शाश्वत पूजन अर्चन कर आरती उतारी और पक्षियों के लिए, वृक्षों पर जलपात्र लगाए।

कार्यक्रम में जिला सम्पर्क समन्वयक बालकृष्ण शर्मा, व्यवस्था प्रभारी विश्वनाथ गुर्जर, सीयाराम शर्मा, रविकांत कटारे, अंकित मिश्रा, मनोज शर्मा मुख्य रूप से उपस्थित थे।

आज मनेगी हनुमान जयंती, मंदिरों पर तैयारियां पूर्ण

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना/पोरसा। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हनुमान जयंती महोत्सव मंगलवार 23 अप्रैल को मनाया जाएगा, इसके लिए सभी मंदिरों में तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। भगवान गोवर्धन गिरिराज जी महाराज के मंदिर पर स्थित पंचमुखी हनुमान जी का विशेष श्रृंगार महंत राम किशोर दास शास्त्री के सानिध्य में संगीतमय सुंदरकांड के पाठ का आयोजन किया जाएगा। बाद में भक्तों को प्रसादी वितरण की जाएगी। श्री नागाजी के मंदिर में स्थित हनुमान जी का चोला महामंडलेश्वर महंत राम लखन दास महाराज जी चढ़ाएंगे। बंसी वाले मंदिर पर पुजारी अवतार वन बाबा एवं महेंद्र गिरी महाराज के सानिध्य में विशेष श्रंगार कर चोला चढ़ाया जाएगा। राधाकृष्ण मंदिर, लक्ष्मी नारायण मंदिर, पुराने थाने में स्थित बालाजी हनुमान मंदिर, भगवान श्री गणेश मंदिर पर स्थित हनुमान जी, गायत्री मंदिर पर स्थित हनुमान जी, गल्ला मंडी परिसर में स्थित हनुमान मंदिर सहित शहर की सभी मंदिरों में हनुमान जी का विशेष श्रृंगार किया जाएगा तथा सुंदरकांड का पाठ व हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। सभी मंदिरों में भक्तों को प्रसादी वितरण की जाएगी। व्यवस्थाएं सभी पुजारी एवं मंदिर के व्यवस्थापक करेंगे।

दिनांक: 22.04.2024

शुभांग ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड
इंडस्ट्रियल एरियर, मुरैना म.प्र.
सूचना

दिनांक: 22.04.2024
फैक्ट्री लीज डीड गुम होना

सभी को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22.03.2024 को मेरे ऑफिस से घर आते समय मेरा ज़रूरी दस्तावेज का बैग रास्ते में कहीं गुम हो गया है। उसमें मेरी कंपनी शुभांग ऑयल्स प्राइवेट लिमिटेड, मुरैना म.प्र. की उद्योग विभाग द्वारा आवंटित रजिस्टर्ड लीज डीड है, जिसमें हम सभी डायरेक्टर 1- संजय कुमार सिंघल, 2- तुलसीदास अग्रवाल, 3- पदमचंद सिंघल, 4- सतीश कुमार सिंघल, 5- मनीष कुमार सिंघल की फोटो भी लगी है। यदि किसी को लीज डीड मिले तो मुझे लौटाने की कृपा करें।

सूचनाकर्ता
संजय कुमार सिंघल
डायरेक्टर
कॉन्टेक्ट नम्बर- 9425126397

कार्यालय नगर पालिक निगम मुरैना (म.प्र.)

क्रमांक/राजस्व/2024 **//नामांतरण विज्ञप्ति (उज्जदारी)//** मुरैना, दिनांकः- 22.04.2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि म.प्र. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 धारा 167 के तहत भूमि/भवन स्वामियों द्वारा सम्पत्ति कर पंजी में नामांतरण हेतु आवेदन विधिवत शुल्क जमा कर इस कार्यालय में निम्नानुसार प्रस्तुत किये गये हैं:-

क्र.	भूमि/भवन एवं वार्ड क्रमांक	भूमि/भवन क्रेता/ अन्तरणगृहीता स्वामी का नाम	भूमि/भवन विक्रेता/ अन्तरणकर्ता	नामांतरण /अन्तरण का आधार एवं क्षेत्रफल
1	भ.क्र. 101/1 नया वार्ड 13 पुराना वार्ड 38	श्रीमती साधना गुप्ता पत्नी अशोक कुमार गुप्ता निवासी- मिल एरिया रोड मुरैना	श्री शांति सोल्वेक्स प्रा.लि. द्वारा श्याम बंसल व माधव गोयल, सूबालाल का पुरा ग्राम भोंडेरी ए.बी. रोड मुरैना	विक्रय पत्र के आधार पर
2	भ.क्र. 256 पुराना वार्ड 37 नया वार्ड 13	उमेश कुमार तिवारी पुत्र स्व. रमाकांत तिवारी, निवासी- शांताबाग पुरानी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, मुरैना	श्रीमती सत्यवती पत्नी रमाकांत तिवारी	विक्रय पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र और शपथ पत्र के आधार पर
3	भ.क्र. 593/32/36	आलोक अवस्थी, श्रीमती नेहा पुत्र/पुत्री अखिलेश अवस्थी निवासी- संजय कॉलोनी, मुरैना	अखिलेश अवस्थी पुत्र रामबाबू अवस्थी के बजाय श्रीमती सरोज अवस्थी पत्नी अखिलेश अवस्थी	मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र, विक्रय पत्र, पटवारी खसरा के आधार पर
4	भ.क्र. 239/18 नया वार्ड 16	मनोज कुमार मंगल पुत्र स्व. तोताराम मंगल, निवासी- जीवाजीगंज मुरैना	बृजमोहन गर्ग पुत्र श्री लक्ष्मीनारायण गर्ग	रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र के आधार पर

अतः उपरोक्त भूमि/भवन पर नामांतरण किए जाने में किसी भी खास/परिवारीजन/आम व्यक्ति अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के अंदर 30 दिवस इस कार्यालय में अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा नामांतरण प्रकरण में कार्यवाही कर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा। सूचित हों।

वास्ते सहायक आयुक्त
नगर पालिक निगम, मुरैना

वेबकास्टिंग की मॉनीटरिंग गंभीरता से हो : कलेक्टर

ग्वालियर। मतदान केन्द्र पर होने वाली वेब कास्टिंग की मॉनीटरिंग को

गंभीरता से लें। मॉनीटरिंग के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाएँ, जिससे यदि किसी मतदान केन्द्र पर कोई कमी या अनियमितता दिखाई दे तो तत्काल कार्रवाई की जा सके। यह निर्देश कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने जिले के सभी एआरओ को दिए। श्रीमती चौहान निर्वाचन कार्य से संबंधित नोडल अधिकारियों की बैठक में चुनाव की तैयारियों की समीक्षा कर रहीं थीं।जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती चौहान ने कहा कि वेब-कास्टिंग के लिए मतदान केन्द्रों में ऐसे स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाएं जिससे सम्पूर्ण मतदान केन्द्र कवर हो सके। उन्होंने सभी मतदान केन्द्रों के लिए निर्धारित भवनों पर भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत मतदान केन्द्र क्रमांक सहित सभी आवश्यक जानकारी जल्द से जल्द प्रदर्शित कराने के निर्देश भी दिए। साथ ही कहा कि सभी सेक्टर अधिकारी मतदान केन्द्रों में बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था कराने के साथ-साथ अपने क्षेत्र के पटवारी, पंचायत सचिव व पुलिस थाना व चौकी में पदस्थ पुलिस कर्मियों से अवश्य संपर्क करें, जिससे मतदान दिवस को जरूरत पड़ने पर व्यवस्थाएँ सुचारू की जा सकें। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विवेक कुमार एवं अपर कलेक्टर श्रीमती अंजू अरुण कुमार व टीएन सिंह सहित चुनाव कार्य से संबंधित सभी नोडल अधिकारी एवं एआरओ मौजूद थे। भितरवार व डबरा के एआरओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस बैठक में शामिल हुए।

जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने विशेष जोर देकर कहा कि गर्मी के मौसम को ध्यान में रखकर हर मतदान केन्द्र में उस स्थान के ऊपर टेंट इत्यादि लगाकर छाया की व्यवस्था अवश्य कराएँ। इस काम को पूरी गंभीरता से अंजाम दिलाएँ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती रुचिका चौहान ने सभी मॉडल बूथ को आकषर्क ढंग से सजाने व संवारने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि मॉडल बूथ पर छाछ, जल-जीरा, नीबू पानी इत्यादि वेलकम ड्रिंक से मतदाताओं का स्वागत करें। साथ ही धात्री माताओं के बैठने के लिए अलग से स्थान निर्धारित करें।

मतदाताओं को प्रोत्साहित करने निकाले इनामी लकी ड्रा

मतदाताओं का प्रोत्साहन करने के लिए मतदान दिवस को इनामी लकी ड्रा निकालने का सुझाव भी जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिया। उन्होंने कहा मतदान दिवस को 11 बजे, 4 बजे व मतदान समाप्ति पर लकी ड्रा निकालें। दूसरे दिन लकी ड्रा के आधार पर विजेता मतदाताओं को सम्मान जनक इनाम प्रदान की जाए।

संभागायुक्त के निर्देश: अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें ऐसा माहौल बनाए

ग्वालियर। लोकसभा निर्वाचन-2024 में अधिक से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करें। इसके लिए ग्वालियर संभाग के प्रत्येक जिले मे मतदाता जागरूकता अभियान पूरी शिद्दत के साथ संचालित किया जाए। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में मतदाता जागरूकता के लिए निरंतर कार्यक्रम आयोजित किए जाए। यह निर्देश संभागीय आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े एवं पुलिस महानिरीक्षक ग्वालियर रेंज अरविंद सक्सेना ने सोमवार को गूगल मीट के माध्यम से लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तैयारियों के लिए किए जा रहे प्रबंधनों की समीक्षा के दौरान दिए।

संभाग आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रत्येक मतदान केन्द्र पर पंखे, मतदान केन्द्र के बाहर टेंट और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सभी जिलों में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन हो। उन्होंने यह भी कहा कि मतदान प्रतिशत बढाने के लिए

मतदाता जागरूकता अभियान को सभी जिलों में बेहतर ढंग से क्रियान्वित किया जाए। शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्र में मतदाता पर्ची वितरण का कार्य भी बेहतर ढंग से हो। इसकी मॉनीटरिंग भी जिला कलेक्टर नियमित रूप से करें। संभागीय आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने यह भी निर्देशित किया है कि अवैध शराब, अवैध हथियार के साथ ही सीमा से अधिक धन राशि ले जाने वालों की चैकिंग का कार्य भी मुस्तैदी के साथ किया जाए। जिले में स्थापित नाकों पर 24 घंटे चौकिंग कार्य किया जाए। प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी हर जिले में हो। पुलिस महानिरीक्षक अरविंद सक्सेना ने ग्वालियर संभाग के सभी पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे अपने अपने जिले में शत प्रतिशत शस्त्र लायसेंस जमा करने की कार्यवाही सुनिश्चित करें। इसके साथ ही प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी की जाए। नाकों पर नियमित चैकिंग कर अवैध शराब, हथियार एवं स्वीकृति से अधिक धन राशि ले जाने वालों पर हो कार्यवाही। बैठक में डीआईजी सुश्री कृष्णा वेणी देशावतु, पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत विवेक कुमार, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ग्वालियर विकास प्राधिकरण नरोत्तम भार्गव उपस्थित थे। गूगल मीट के माध्यम से ग्वालियर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान सहित ग्वालियर संभाग के सभी जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, सीईओ एवं निर्वाचन से जुड़े हुए अधिकारी उपस्थित थे।

भगवान शिव सबसे बड़े वैष्णव थे : उपाध्याय

ग्वालियर। भगवान शिव सबसे बड़े वैष्णव थे। इसलिए राम, कृष्ण, ब्रह्मा, विष्णु, शिव इनमें तत्वतरू कोई भेद नहीं है। यह बात जिला पंचायत के सामने स्थित प्रांगण में चल रही शिव महापुराण कथा में कथाचार्य रामनरेश उपाध्याय ने कही। पंडित उपाध्याय ने सोमवार को कथा के समापन के दिन शतरुद्र संहिता, कोटिरुद्र संहिता, उमा संहिता, कैलाश संहिता एवं वायवीय संहिता की कथा सनाई गई। जिसमें भगवान शिव के सद्योजातादि अवतार, अर्धनारीश्वर अवतार, अष्टमूर्ति अवतार, 28 कल्पावतार, नंदीश्वर अवतार, दुर्वासा एवं हनुमान आदि अवतारों के बारे में विस्तार से बताया।

भगवान शिव के द्वादश ज्योतिर्लिंगों एवं शिवरात्रि व्रत का माहात्म्य के साथ मार्कण्डेय ऋषि की कथा सुनाई। जिसमें पांच वर्ष की आयु वाले मृकंडू के पुत्र को सभी

गुरुजनों के प्रणाम करने पर आशीष स्वरूप भगवान शिव की आयु के एक वर्ष के बराबर उम्र प्राप्त हुई। जिन्हें आज सात चिरंजीवियों की श्रेणी में गिना जाता है। अर्थात जो व्यक्ति अपने से गुरुजनों का वृद्धजनों का आशीर्वाद लेता है, उसकी चार चीज बढ़ती है। आशीर्वाद लेने वाले व्यक्ति की आयु, विद्या, यश और बल हमेशा बढ़ता रहता है। इसी आधार पर हमारी आयु से ज्यादा पितरों की आयु है। उनसे ज्यादा देवताओं की आयु है। देवताओं से ज्यादा ब्रह्मा की आयु है। ब्रह्मा की आयु से ज्यादा विष्णु की आयु है और विष्णु की आयु से ज्यादा भगवान शिव की आयु है। इस तरह वह 5 वर्ष जीवित रहने वाला बालक को कई हजार वर्षों की आयु प्राप्त हुई। इसी के साथ आज कथा का समापन हो गया। वहीं सोमवार को श्री रुद्र महायज्ञ में श्री बालाजी मठ मंदिर लोकन्यास के अध्यक्ष भानु प्रताप दुबे और सचिव ज्योति दुबे ने प्रधान कुंड में वायुमंडल शुद्ध करने के लिए आहुतियां डाली। दुबे ने बताया कि मंगलवार 23 अप्रैल को कथा स्थल पर अभिमंत्रित रुद्राक्ष का वितरण किया जाएगा। यहां आने वाले भक्तों को धूमेश्वर धाम के महामंडलेश्वर अनिरुद्ध वन महाराज अभिमंत्रित रुद्राक्ष वितरित करेंगे।

मंशापूर्ण मंदिर में शिव परिवार की हुई स्थापना, सैकड़ों भक्तगण रहे मौजूद

ग्वालियर। धर्म प्रवाचक पं. यतेंद्र कृष्ण शास्त्री (वृन्दावन धाम) द्वारा धर्म प्रचार एवं लोकसेवा के उद्देश्य से स्थापित श्री राधा रानी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट ने संकल्प लिया है कि उसके द्वारा ऐसे 108 मन्दिर जहां शिव परिवार नहीं हैं अथवा खंडित हैं, वहां पर जीर्णोद्धार कर शिव परिवार की नवीन प्रतिमाओं की विधि विधान से प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसी तारतम्य में सोमवार को प्राचीन श्री मंशापूर्ण देवी मंदिर में शिव परिवार प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा श्रद्धाभाव एवं उल्लासपूर्वक की गई।

इस अवसर पर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए भव्य कलश यात्रा निकाली गई। पीत वस्त्र पहने सैकड़ों महिलाएं सिर पर कलश धारण कर डीजे की सुमधुर धुनों पर भजन गाते एवं शिव भक्ति में लीन होकर नृत्य करते हुए चल रही थीं। कलश यात्रा व शोभा यात्रा में भगवान शिव पार्वती व राधा कृष्ण की आकर्षक झाँकियाँ नयनाभिराम दृश्य निर्मित कर रही थीं। कलश यात्रा का नगर में विभिन्न स्थानों पर भव्य आत्मीय स्वागत किया गया। श्री राधा रानी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के संस्थापक पं. यतेंद्र कृष्ण शास्त्री (वृन्दावन धाम) के संयोजन एवं

भक्तिमयी मार्गदर्शन में भव्य कलश यात्रा श्री शनिदेव मंदिर, तारागंज से प्रारंभ हुई। कलश यात्रा अशोक स्तंभ चौराहा, नाग देवता मंदिर, लाला का बाजार चौराहा, शीतला माता मंदिर, गाढ़वे की गोठ चौराहा, आंग्रे साहब का बाड़ा से होती हुई प्राचीन श्री मंशापूर्ण देवी मंदिर पहुंची, जहां पं. यतेंद्र कृष्ण शास्त्री ने स्वयं अपने कर कमलों से महिलाओं के शीष से कलश उठाकर श्री मंशापूर्ण देवी मंदिर परिसर में स्थापित किए। आचार्य पंडित सीताराम दुबे ने शास्त्रोक्त श्लोक एवं वेदसुधाओ का वाचन करते हुए विधिपूर्वक मंशापूर्ण देवी मंदिर में शिव परिवार की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न कराई। कलश यात्रा में पुष्पा रावत, वरुण रावत, शिवम विश्वकर्मा, विनीत कुशवाह, युवराज दुबे, हरीश रावत, राधाकृष्ण रावत, लक्ष्मीनारायण तोमर, विशाल कुशवाह, नरेश रावत, शरद रावत, केंद्रपाल सिंह, श्याम बाबू, विवेक राठौर, चिरंजीव, आनंद सहित कॉलोनीवासी उपस्थित रहे।

श्री मंशापूर्ण देवी मंदिर में सैकड़ों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालु महिला पुरुषों को संबोधित करते हुए पं. यतेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज ने अपने प्रवचन में शिवभक्ति की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी धर्मप्रेमियों से विनम्र आह्वान किया कि ऐसे मंदिर या मूर्तियां जो किसी कारण से खण्डित अवस्था में हैं, उनके जीर्णोद्धार व विधि विधान के साथ नवप्रतिमाओं की पुर्नस्थापना के लिए श्री राधा रानी धर्मार्थ सेवा ट्रस्ट के श्री गिर्राज मंदिर, पुलिस चौकी के समीप, आपागंज स्थित कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि शहर के उन सभी मंदिरों में श्री शिव परिवार की स्थापना के अभियान को आगे बढ़ाएं, जहां श्री शिव परिवार नहीं है अथवा खण्डित है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव ही इस जगत के उद्धारक हैं।

कोतवाली पुलिस ने गोली चलाने वाले दो आरोपियों को धर दबोचा, अवैध हथियार बरामद

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिला मुरैना में ईनामी फरारी बदमाशों एवं स्थायी वारंटियों की धरपकड़, अवैध हथियार तस्करों, अवैध शराब-मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जा रहा है। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक राकेश गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में निरीक्षक आलोक सिंह परिहार थाना प्रभारी कोतवाली को जरिये मुखबिर सूचना मिली कि थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 166/24 धारा 336, 294, 506, 34, ता.हि. में फरारशुदा आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की नीयत से अवैध हथियार लिए अम्बाह बायपास के आस-पास घूमता हुआ देखा गया है। मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु थाना प्रभारी द्वारा मय हमराह फोर्स मुखबिर द्वारा बताए गए

स्थान पर पहुंचकर दबिश दी गई तो आरोपी शैलू उर्फ शैलेन्द्र पुत्र मेहताब गुर्जर उम्र 24 साल निवासी लक्ष्मी दाल मील के पीछे शिवनगर मुरैना का पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा, जिसे हमराह फोर्स की मदद से घेरकर पकड़ा एवं आरोपी की तलाशी लेकर उसके कब्जे से उक्त फायरिंग की घटना में प्रयुक्त 315 बोर का कट्टा व 315 बोर राउण्ड जप्त किया गया। तदोपरांत आरोपी को थाना लाकर पूछताछ कर धारा 27 साक्ष्य अधिनियम का मेमो लिया गया, जिसके आधार पर उक्त प्रकरण के मुख्य आरोपी कपिल तोमर पुत्र सन्तोष तोमर उस 26 साल निवासी नया आमपुरा को गिरफ्तार कर आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक 315 बोर का कट्टा व 315 बोर का राउण्ड जप्त किया गया। आरोपी कपिल तोमर आदतन अपराधी होकर शातिर किस्म का व्यक्ति है, जिस पर थाना कोतवाली, नूराबाद, सिविल लाइन, स्टेशन रोड आदि में हत्या का प्रयास, फायरिंग, मारपीट, आबकारी अधिनियम आदि के अंतर्गत कुल 18 अपराध पूर्व से पंजीबद्ध हैं। आरोपी के पूर्व के आपराधिक रिकॉर्ड को मद्देनजर रखते हुए आरोपी कपिल तोमर पुत्र संतोष तोमर उम्र 26 वर्ष निवासी न्यू आमपुरा मुरैना के विरुद्ध एनएसए की कार्यवाही की गई है।

सराहनीय भूमिका

उक्त कार्यवाही में निरीक्षक आलोक सिंह परिहार थाना प्रभारी कोतवाली मय स्टाफ उनि. वैधराज परिहार, उनि. कपिल पाराशर, उनि. शिवम चौहान, सउनि जे.पी. शर्मा, प्रधान आरक्षक सत्यवीर सिंह, अनिल राठौर, सत्य शर्मा, आरक्षक श्यामबिहारी शर्मा, अर्जुन जाट, सूरज राठौर की सराहनीय भूमिका रही।

मुरैना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 25 अप्रैल को मुरैना आ रहे हैं। वे यहां स्थानीय परेड ग्राउण्ड में जनसभा को संबोधित करेंगे। सभा स्थल की तैयारियों का जायजा लेने के लिए आईजी चम्बल रेंज सुशांत कुमार सक्सेना व पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान सहित भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. योगेशपाल गुप्ता आदि ने निरीक्षण किया।

सफाई व्यवस्था का निरीक्षण कर गंदगी फैलाने वालों से वसूला जुर्माना

ग्वालियर। उपायुक्त अमरसत्य गुप्ता ने सोमवार को पड़ाव क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्हें मंशापूर्ण हनुमान जी मंदिर के पास गंदगी दिखी। उन्होंने तत्काल

अधिकारियों को सफाई करने के निर्देश दिए। उपायुक्त अमर सत्य गुप्ता ने मंशापूर्ण हनुमान मंदिर, रेलवे स्टेशन, मोती महल रोड आदि स्थानों का निरीक्षण किया निरीक्षण में उन्होंने सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। वार्ड क्रमांक 39 में दुकानदार द्वारा सड़क पर गंदगी किए जाने के चलते निगम अधिकारियों ने दुकानदार से 500 रुपए जुर्माना वसूला किया है। इसके साथ ही केदारपुर लैंडफील्ड साइट पर प्रोसेस हो रहे है लिगसी वेस्ट कार्य का निरीक्षण भी किया तथा संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान सहायक यत्री महेंद्र प्रसाद अग्रवाल उपस्थित रहे।

स्टेशन रोड पुलिस ने पकड़ी सात पेटी अवैध शराब, दो आरोपी हिरासत में

-हिन्दुस्तान एक्सप्रेस न्यूज-

मुरैना। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को दृष्टिगत रखते हुए पुलिस अधीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान द्वारा जिले में अवैध शराब / माद्यक पदार्थों की तस्करी करने वालों, विक्रय करने वालो एवं अवैध शराब का भण्डारण करने वाला के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु संपूर्ण मुरैना जिले में विशेष अभियान संचालित कराया जाकर जिले के समस्त थाना प्रभारियों को अवैध शराब के कारोबार में लिप्त व्यक्तियों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त अभियान के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द सिंह ठाकुर के निर्देशन एवं नगर पुलिस अधीक्षक राकेश गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में दिनांक 21.04.2024 को दौराने इलाका भ्रमण कार्य निरी सोनपाल सिंह तोमर, थाना प्रभारी

स्टेशन रोड को जरिये मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि इमलिया रोड पर से दो व्यक्ति मोटर साइकिल से अवैध शराब का परिवहन करते हुए जा रहा है। मुखबिर की सूचना तस्दीक हेतु थाना प्रभारी स्टेशन रोड द्वारा मय हमराह फोर्स के मुखबिर के बताये स्थान पर जाकर चैकिंग लगाई गई। चैकिंग के दौरान एक मकान के पास आरोपीगण मोटर साइकिल क्रमांक एमपी06 जेडडी 0764 पर 07 कार्टून रखकर लाते हुए दिखे जिन्हें हमराह फोर्स की मदद से घेरकर पकड़ा एवं उक्त कार्टूनों की तलाशी ली गई तो उसमें 350 क्वार्टर देशी प्लेन मशाला कुल 63 ब्लक लीटर शराब रखी हुई मिली। जिनके संबध में वैध लायसेंस चाहने पर वैध लायसेस न होना बताया गया। आरोपीगण का उक्त कृत्य धारा 34 (2) आबकारी अधिनियम के तहत दण्डनीय होने से मौके पर से उक्त अवैध शराब एव स्पलेंडर मोटर साइकिल कुल मशरूका कीमती करीबन 1 लाख 24 हजार रूपये का जप्त किया जाकर आरोपीगण को गिरफ्तार किया गया। एक थाना वापसी पर आरोपीगण के विरूद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

दिल का दौरा पड़ने से एआईजी प्रतिभा त्रिपाठी का निधन

भोपाल। भोपाल में पदस्थ एआईजी (असिस्टेंट इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस) प्रतिभा त्रिपाठी की सोमवार को हृदयघात के कारण मृत्यु हो गई। वे मेडिकल चेकअप कराकर इंदौर से भोपाल लौट रही थीं, तभी रास्ते में करीब 1 बजे उन्हें देवास जिले के सोनकच्छ के पास कार्डियक अरेस्ट हुआ। प्रतिभा त्रिपाठी महिला सेल में पदस्थ थीं।

सोमवार को रात व दिन का तापमान सामान्य से कम

- दो दिन में छह अंक घट गया रात का पारा
- अब फिर से बढ़ना शुरू होगा तापमान, सताएगी गर्मी

ग्वालियर। अभी दो दिन भले ही मौसम सामान्य रहा और भीषण गर्मी का प्रकोप भी हावी न हुआ। लेकिन यह राहत फिर से मौसम की तरह बदलने वाली है। सोमवार को भी बीते दिन की अपेक्षा दिन के तापमान में आंशिक इजाफा हुआ। हालांकि न्यूनतम तापमान में दो अंक की गिरावट दर्ज की गई। दो दिन में 6 अंक न्यूनतम तापमान नीचे लुढ़क आया। इसके चलते सोमवार की रात कुछ राहत भरी रही।

तड़के 4 बजे मार्च जैसा सीजन महसूस हुआ। लेकिन जैसे ही सूरज दादा ने अपनी लाल आंखें दिखाना शुरू की तो फिर से तापमान बढ़ता चला गया। सोमवार को अधिकतम तापमान

38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ है। यह सामान्य से 1.3 डिग्री सेल्सियस मायनस में आंका गया। यह बीते दिन की अपेक्षा 0.5 अंक बढ़कर दर्ज हुआ। जबकि इसके विपरीत न्यूनतम तापमान में 2 अंक की गिरावट दर्ज हुई। क्योंकि बीते दिन रविवार को रात का पारा 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ था। यह सोमवार को 2 अंक घटकर 22 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। यह सामान्य से 1 डिसे मायनस में आंका गया। सोमवार को सुबह की आर्दता 34 प्रतिशत व शाम की आर्दता 23 फीसदी आंकी गई। मौसम वैज्ञानिक हुकुम सिंह ने बताया कि आसमान साफ होने की वजह के साथ साथ हवाओं के असर से सोमवार को दोनों तापमान सामान्य से नीचे ही दर्ज हुये हैं। लेकिन अब फिर से गर्मी सताएगी और दिन का तापमान 41 डिसे तक पहुंचेगा।

स्वामित्वधिकारी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे के लिए मै. गुरुकृपा प्रकाशन प्रेस ,टी.आई.टी कॉम्प्लेक्स मुरैना से मुद्रित एवं हिन्दुस्तान एक्सप्रेस परिसर नवीन नगर निगम मुख्यालय के सामने सिटी सेंटर ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। R.N.I. No. MP HIN/2007/ 18763
सम्पादक चन्द्रप्रकाश शिवहरे, स्थानीय संपादक संजय त्रिपाठी सभी विवादों का न्याय क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा। फोन: 0751-2234001 मो. 94251-26060, 9425360435